उदयपुर, शुक्रवार
6 जून, 2025
मूल्य : 1 रुपए
पृष्ठ : 8
वर्ष : 5
अंक : 22

जयपुर
महानगर टाइम्स
मिशन पत्रकारिता का प्रहरी

www.mahanagartimes.com
जयपुर, कोटा, दौसा, अलवर, उदयपुर एवं जोधपुर से एक साथ प्रकाशित

टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड ने फ्रांस की कंपनी डसॉल्ट एविएशन के साथ चार प्रोडक्शन ट्रांसफर एग्रीमेंट किए साइन

राफेल फाइटर जेट की बॉडी भारत में बनेगी

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। राफेल फाइटर जेट की मेन बॉडी अब हैदराबाद में बनेगी। इसे फ्यूजलाज कहा जाता है। भारत की टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) ने इसके लिए फ्रांस की कंपनी डसॉल्ट एविएशन के साथ चार प्रोडक्शन ट्रांसफर एग्रीमेंट साइन किए है। ये पहली बार होगा जब राफेल की मेन बॉडी फ्रांस के बाहर बनेगी।

राफेल की पहली फ्यूजलाज यूनिट 2028 में असेंबली लाइन से बाहर आएगी। हैदराबाद में बनाए जा रहे मैन्युफैक्चरिंग प्लांट से हर महीने दो पूरी मेन बॉडी तैयार होने की उम्मीद है। टाटा और डसॉल्ट की ये साझेदारी भारत के रक्षा क्षेत्र में निजी कंपनियों की भागीदारी को बढ़ाएगी।

डसॉल्ट ने कहा कि ये प्रोजेक्ट भारत और फ्रांस के बीच रक्षा सहयोग का एक बड़ा कदम है। इससे भारत में रक्षा उपकरण बनाने की क्षमता बढ़ेगी और स्थानीय इंजीनियर्स को विश्व स्तरीय तकनीक सीखने का मौका मिलेगा।

राफेल के पुर्जे पहले से ही बनाता है टाटा

टाटा ग्रुप पहले से ही डसॉल्ट के साथ मिलकर राफेल और मिराज 2000 जैसे विमानों के पुर्जे बनाता है। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के सीईओ सुकरन सिंह ने कहा, 'ये साझेदारी भारत के हवाई जहाज बनाने के सफर में एक बड़ा कदम है।

भारत में राफेल की पूरी मेन बॉडी बनाना दिखाता है कि टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स की काबिलियत पर कितना भरोसा बढ़ रहा है और डसॉल्ट एविएशन के साथ हमारा रिश्ता कितना मजबूत है।

ये इस बात का भी सबूत है कि भारत ने एक आधुनिक और मजबूत एयरोस्पेस मैन्युफैक्चरिंग सिस्टम तैयार करने में जबरदस्त तरक्की की है, जो दुनिया के बड़े प्लेटफॉर्म्स को सपोर्ट कर सकता है।

हवाई जहाज का मुख्य ढांचा होता है एयरक्राफ्ट फ्यूजलाज

एयरक्राफ्ट फ्यूजलाज हवाई जहाज का मुख्य ढांचा या शरीर होता है, जो विमान का सबसे बड़ा और अहम हिस्सा है। आसान भाषा में कहें तो ये हवाई जहाज का वो हिस्सा है, जिसमें बाकी सारे हिस्से (जैसे पंख, पूंछ, इंजन) जोड़े जाते हैं। ये विमान को उसका आकार देता है और बाकी हिस्सों को एक साथ जोड़कर रखता है।

सुपरसोनिक फाइटर जेट का फ्यूजलाज पतला और चिकना होता है, ताकि तेज रफ्तार से उड़ते वक्त हवा का रेजिस्टेंस कम हो। वहीं, एक एयरलाइनर यानी, यात्री विमान का फ्यूजलाज ज्यादा चौड़ा होता है, क्योंकि इसमें ज्यादा से ज्यादा यात्रियों को ले जाना होता है। फाइटर जेट में कॉकपिट फ्यूजलाज के ऊपरी हिस्से पर होता है। हथियार पंखों पर लगे होते हैं, और इंजन व ईंधन फ्यूजलाज के पीछे के हिस्से में रखे जाते हैं। वहीं एयरलाइनर में पायलट फ्यूजलाज के सबसे आगे कॉकपिट में बैठते हैं। यात्री और सामान फ्यूजलाज के पीछे के हिस्से में होते हैं, और ईंधन पंखों में स्टोर किया जाता है।

सीएम योगी ने किया पूजन, सूरत के कारोबारी ने हीरे जड़े सोने-चांदी के आभूषण दिए दान

अयोध्या में राम मंदिर के प्रथम तल में राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा

महानगर संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर में राम दरबार की अभिजीत मुहूर्त में प्राण प्रतिष्ठा हो गई है। सीएम योगी ने राम दरबार का पूजन किया। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम सुबह 11:25 से 11:40 बजे तक चला। रामलला के गर्भगृह के ऊपर यानी फर्स्ट फ्लोर पर राम दरबार बनाया गया है।

इसमें श्रीराम, मां सीता, तीनों भाई- लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न के साथ-साथ हनुमानजी की मूर्ति है। काशी के पुरोहित जयप्रकाश त्रिपाठी ने 101 पंडितों ने प्राण प्रतिष्ठा कराई। मंत्रोच्चारण के बाद मूर्तियों की आंखों पर बंधी पट्टियां खोली गईं और उन्हें आईना दिखाया गया। भगवान राम सहित चारों भाइयों के हाथों में धनुष है। जहां गर्भगृह में भगवान राम बालक के रूप में हैं, वहीं रामदरबार में राजा के रूप में विराजमान हैं। श्रद्धालु राम दरबार के दर्शन कब से कर सकेंगे ट्रस्ट ने अभी इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। रामदरबार के लिए सूरत के कारोबारी मुकेश पटेल ने हीरे, सोने-चांदी के आभूषण दान दिए हैं। विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष दिनेश नेवादिया ने कहा- दान दिए आभूषणों में एक हजार कैरेट का हीरा, 30 किलो चांदी, 300 ग्राम सोना, 300 कैरेट रुबी से 11 मुकुट बनाए गए हैं। इनके अलावा, गले का हार, कान के कुंडल, माथे का तिलक, चारों भाइयों के लिए धनुष-बाण हैं। इन आभूषणों को चार्टर्ड प्लेन से अयोध्या लाया गया। इसे राम मंदिर ट्रस्ट को दान किया गया। 22 जनवरी, 2024 यानी 498 दिन पहले रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी।

जयपुर में तैयार हुई रामदरबार की मूर्तियां

परकोटे के 6 मंदिरों की भी हुई प्राण प्रतिष्ठा

राम दरबार के अलावा मंदिर के ग्राउंड फ्लोर पर बने परकोटे के 6 मंदिरों में भी प्राण प्रतिष्ठा हुई। इनमें भगवान शिव, श्रीगणेश, हनुमान, सूर्य भगवान, मां भगवती, मां अन्नपूर्णा के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा भी हुई।

पिछले साल रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा में जहां देशभर के बड़े कारोबारियों, फिल्मी हस्तियों को आमंत्रित किया गया था। वहीं, आज राम दरबार की प्राण प्रतिष्ठा में 350 लोगों को आमंत्रित किया है। इसमें ज्यादातर ट्रस्ट के पदाधिकारी, साधु संत हैं।

रामदरबार की मूर्तियों को जयपुर में तैयार किया गया है। ये मूर्तियां मकराना के सफेद संगमरमर से बनी हैं। इसमें भगवान श्रीराम और सीता सिंहासन पर विराजमान हैं। भरत और हनुमान भगवान श्रीराम के चरणों के पास बैठे हैं।

त्रिनेत्र गणेश और पांडुपोल हनुमान मंदिर में नहीं बनेगा प्रसाद

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। राजस्थान के सवाई माधोपुर का रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान पिछले कुछ दिनों से चर्चा में है। इसे लेकर हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में याचिका भी दायर की गई थी। इसके बाद बुधवार को मुख्य न्यायाधीश ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और न्यायमूर्ति ए.एस. चांदुरकर की पीठ ने फैसला सुनाया। तीन जजों की पीठ ने रणथंभौर में अवैध खनन, वाहनों की भीड़ और अतिक्रमण जैसी समस्याओं के समाधान के लिए कुछ प्रतिबंध लगाए हैं। साथ ही तीन सदस्यीय समिति का गठन भी किया है। और रणथंभौर और सरिस्का के कोर एरिया में खनन पर तत्काल रोक लगा दी है और इस संबंध में राज्य सरकार से छह सप्ताह में जवाब मांगा है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने रणथंभौर में त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग और अलवर में सरिस्का परिसर स्थित गणेश मंदिर और पांडुपोल हनुमान मंदिर में भंडारा और प्रसाद पकाने पर तत्काल रोक लगा दी है।

तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में था वांटेड

बीजापुर में एनकाउंटर, 1 करोड़ का इनामी नक्सली मारा गया

महानगर संवाददाता

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर के नेशनल पार्क एरिया में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ चल रही है, जिसमें केंद्रीय कमेटी मेंबर सुधाकर उर्फ नर सिंहाचलम के ढेर हो गया। वो तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में वांटेड था।

सुधाकर पर 1 करोड़ रुपए का इनाम भी घोषित है। गुरुवार सुबह से पुलिस और नक्सलियों के बीच गोलीबारी चल रही है। बताया जा रहा है कि, नेशनल पार्क एरिया में माओवादियों के बड़े कैडर की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षाबल निकले थे।

सुधाकर के मारे जाने की फिलहाल पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि बस्तर आईजी पी. सुंदरराज ने मुठभेड़ की पुष्टि की है। सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम में डीआरजी, एसटीएफ और कोबरा के जवान शामिल हैं।

टीम जब सर्चिंग में निकली तो इसी दौरान घात लगाए बैठे नक्सलियों ने जवानों पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में जवानों ने भी गोलीबारी की। मुठभेड़ के बाद पूरे इलाके में जवानों की सर्चिंग जारी है।

नक्सलियों के तेलंगाना स्टेट कमेटी में प्रेस इंचार्ज बंडी प्रकाश समेत बड़े स्तर के नक्सलियों की मौजूदगी की खबर है। बीजापुर एसपी जितेंद्र कुमार यादव, डीआईजी कमलोचन कश्यप और एएसपी मयंक गुर्जर मुठभेड़ की मॉनिटरिंग कर रहे हैं। वहीं एडीजी नक्सल ऑप्स विवेकानंद सिन्हा, बस्तर आईजी पी. सुंदरराज, सीआरपीएफ आईजी राकेश अग्रवाल भी नजर बनाए हुए हैं।

हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता बोला- जो खिलाड़ी देश के लिए नहीं खेले, उन्हें सम्मानित क्यों किया?

बेंगलुरु भगदड़ मामले में सरकार को नोटिस, अगली सुनवाई 10 जून को

महानगर संवाददाता

बेंगलुरु। बेंगलुरु भगदड़ मामले की गुरुवार को कर्नाटक हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कर्नाटक सरकार ने कोर्ट में कहा, 'भगदड़ के बाद घायलों को तुरंत इलाज मुहैया करवाया। 1380 पुलिसकर्मी तैनात किए गए।'

एक्टिंग चीफ जस्टिस वी कामेश्वर राव और जस्टिस सी एम जोशी बेंच ने अटॉर्नी जनरल एक रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। अगली सुनवाई 10 जून को होगी।

वहीं, याचिकाकर्ता के वकील ने कोर्ट से कहा, 'राज्य सरकार को यह बताना होगा कि आरसीबी के खिलाड़ियों को सम्मानित करने का निर्णय किसने लिया है। देश के लिए नहीं खेलने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करने की क्या मजबूरी थी। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए क्या कदम या सुरक्षा उपाय किए गए।' पहली बार आईपीएल विजेता बनने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का जश्न 4 मई को बड़े हादसे में बदल गया। विजेता खिलाड़ियों के स्वागत में यहां चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर जुटी भीड़ में भगदड़ मचने से 11 लोगों की मौत हो गई। 33 घायल हैं। सभी मरने वाले 35 साल से कम उम्र के थे, 3 टीनएजर हैं।

हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा- आपके पास कोई एसओपी है

हाईकोर्ट की बेंच ने पूछा, 'मान लीजिए अगर भविष्य में ऐसा कुछ होता है, तो आपके पास कोई एसओपी है? क्या कोई गाईड है,जो ऐसी घटना होने पर तुरंत मिल सके। घायलों को किस अस्पताल में ले जाया जाएगा? यह सब एसओपी में शामिल किया जाना चाहिए। इस पर कर्नाटक सरकार के अटॉर्नी जनरल ने कहा कि यह भविष्य की बात है। सरकार ने इसे गंभीरता से लिया है और वह एसओपी तैयार करेगी।'

हाईकोर्ट ने कहा, 'हमने इस मामले में एडवोकेट जनरल के सामने अपनी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की है, जिसे रिकॉर्ड पर ले लिया गया है। हाईकोर्ट ने रजिस्ट्री को आदेश दिया गया है कि इस स्वप्रेरित संज्ञान को स्वप्रेरित रिट याचिका की तरह ही पंजीकृत किया जाए। अगली सुनवाई 10 जून, मंगलवार को होगी। यह बयान इस बात का संकेत है कि हाईकोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए स्वतः संज्ञान लिया है और अब इसकी न्यायिक निगरानी में विस्तृत जांच की जाएगी।

आरसीबी प्रबंधन भी जांच के दायरे में

बेंगलुरु हादसे में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का प्रबंधन भी जांच के दायरे में आ गया है। दरअसल, एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में भगदड़ के कुछ घंटे पहले आरसीबी के सोशल मीडिया अकाउंट से विक्ट्री जुलूस का ऐलान किया गया था। उधर, कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के सीनियर अफसरों के रोल को भी जांचा जाएगा। कर्नाटक पुलिस और मजिस्ट्रेट एक्वायरी पैनल इसकी जांच करेगा।

मृतकों के परिवार को 10-10 लाख रुपए देगा आरसीबी

चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ में मारे गए 11 प्रशंसकों के परिवारों को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने 10- 10 लाख की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। फ्रेंचाइजी ने बताया, ' आरसीबी' नाम से एक स्पेशल फंड बनाया जाएगा। इससे हादसे में घायलों की मदद की जाएगी।

1971 के भारत-पाक युद्ध की वीरांगनाओं ने गुजरात दौरे के दौरान किया था भेंट

पर्यावरण दिवस पर मोदी ने पीएम आवास में सिंदूर का पौधा लगाया

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पीएम आवास पर सिंदूर का पौधा लगाया। ये पौधा उन्हें 25-26 मई को गुजरात दौरे के दौरान कच्छ में 1971 के भारत-पाक युद्ध में बहादुरी दिखाने वाली महिलाओं के ग्रुप ने भेंट किया था। दरअसल, इस सिंदूर के पौधे को ऑपरेशन सिंदूर से जोड़कर देखा जा रहा है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले का बदला लेने के लिए भारत ने 7 मई को पीओके और पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था। इस ऑपरेशन का नाम सिंदूर रखा गया था। सिंदूर का पौधा एक खास पेड़दार पौधा है, जो धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखता है।

इसे शुभता और शक्ति का प्रतीक माना जाता है। यह पौधा पर्यावरण के लिए भी फायदेमंद होता है।

रीवा में ऑटो पर पलटा ट्रक, 7 की मौत

महानगर संवाददाता

रीवा। रीवा में सीमेंट पिलर से लदा एक बल्कर ट्रक ऑटो पर पलट गया। हादसे में ऑटो सवार 7 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 4 बच्चे, एक महिला और दो पुरुष शामिल हैं। हादसे में 3 लोग घायल भी हुए हैं। पुलिस के अनुसार, ऑटो में कुल 10 लोग सवार थे। सभी मऊगंज के नई गढ़ी के रहने वाले थे और प्रयागराज से गंगा स्नान कर लौट रहे थे। बल्कर भी प्रयागराज से रीवा की ओर आ रहा था। यूपी-एमपी के बॉर्डर पर सोहागी घाटी से गुजरते वक्त ट्रक ने ऑटो को ओवरटेक किया। इसी दौरान अनियंत्रित होकर वह ऑटो के ऊपर पलट गया।

केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान और सांभर झील का नाम पहले ही हो चुका है सूची में शामिल

राजस्थान का मेनार और खींचन गांव रामसर साइट घोषित

महानगर संवाददाता

उदयपुर। विश्व पर्यावरण दिवस पर राजस्थान के लिए एक अच्छी खबर आई। अब राज्य के 2 गांव अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त रामसर साइट में शामिल हो गए हैं। इसमें एक उदयपुर का बर्ड विलेज मेनार और दूसरा फलोदी का खींचन गांव शामिल है।

केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि उदयपुर के मेनार और फलौदी के खीचन को अंतर्राष्ट्रीय महत्व की वेटलैंड्स की सूची रामसर साइट्स में शामिल किया गया है।

केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान (भरतपुर) और सांभर झील (जयपुर) का नाम पहले ही सूची में शामिल हो चुका है।

केंद्रीय मंत्री यादव ने बताया कि इन दोनों नामों की घोषणा के साथ भारत में अब कुल 91 रामसर साइट्स हो गई हैं।

मेनार झील, जिसे 'बर्ड विलेज' के नाम से भी जाना जाता है, पक्षी प्रेमियों और पर्यावरणविदों के लिए विशेष महत्व रखती है। यहां स्थानीय लोगों द्वारा पक्षियों के संरक्षण में निभाई जा रही भूमिका को अब वैश्विक मान्यता प्राप्त हुई है।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पर्यावरणीय प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण बताया और राजस्थान, विशेषकर उदयपुर के लोगों को इस उपलब्धि पर बधाई दी। इस बीच प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय मंत्री के सोशल मीडिया पर दी जानकारी को टैग करते हुए एक पोस्ट शेयर की, जिसमें लिखा है यह एक अच्छी खबर है। मोदी ने लिखा कि पर्यावरण संरक्षण में भारत की प्रगति बहुत तेजी से हो रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी एक्स पर लिखा कि यह राजस्थान के लिए गौरव का क्षण है। खीचन (फलौदी) और मेनार (उदयपुर) रामसर स्थलों की प्रतिष्ठित सूची में शामिल हो गए हैं, जिससे भारत की संख्या 91 हो गई। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण में उनके दूरदर्शी नेतृत्व के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत के पर्यावरण लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में उनके समर्पित प्रयासों के लिए केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री यादव के प्रति आभार व्यक्त किया।

राजस्थान में अब 4 रामसर साइट

मेनार और खीचन को मिलाकर राजस्थान में अब 4 रामसर साइट हो गई है। इससे पहले राजस्थान में इससे पहले 2 रामसर साइट घोषित थी। इसमें एक केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान और दूसरी सांभर झील। 1981 में केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान को तो 1990 में सांभर झील को रामसर साइट घोषित किया गया था।

यूट्यूबर जसबीर के मोबाइल में 150 पाकिस्तानी नंबर मिले

महानगर संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब में पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार यूट्यूबर जसबीर सिंह के मोबाइल में पाकिस्तान के 150 कॉन्टैक्ट नंबर मिले हैं। इतना ही नहीं, उसका हिसार (हरियाणा) की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा के साथ भी कनेक्शन मिला है। यूट्यूब पर अपलोड एक वीडियो में जसबीर सिंह, ज्योति मल्होत्रा के साथ पाकिस्तान में शॉपिंग करता दिख रहा है। फिलहाल, यूट्यूबर को 3 दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। जसबीर (41) जिला रोपड़ के माहलां गांव का रहने वाला है। पुलिस का दावा है कि नंबरों की जांच चल रही है।

स्वास्थ्य मंत्री खींवसर की पत्नी की साइलेंट अटैक से मौत

महानगर संवाददाता

जयपुर। राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर की पत्नी प्रीति कुमारी की साइलेंट अटैक से गुरुवार सुबह मौत हो गई। प्रीति कुमारी रात को खाना खाकर सोई थीं। सुबह नहीं उठी तो परिजन ने उन्हें उठाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने कोई रिस्पॉन्स नहीं किया। घरवाले उन्हें नजदीक के प्रवेट हॉस्पिटल (दुर्लभजी) लेकर गए, यहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अंतिम संस्कार शुक्रवार सुबह 9 बजे खींवसर (नागौर) में होगा।

डॉक्टरों का कहना है कि प्रीति कुमारी को साइलेंट अटैक आया था, इसके कारण सोने के बाद उनकी डेथ हो गई। बताया जा रहा है कि डॉक्टरों की एक टीम सुबह मंत्री के घर भी पहुंची थी, जहां उनको शुरुआती इलाज भी दिया था, लेकिन कोई रिस्पॉन्स नहीं आने के बाद प्रीति को हॉस्पिटल लेकर गए। गजेंद्र सिंह खींवसर और प्रीति कुमारी की शादी फरवरी 1982 में हुई थी। उनका एक बेटा धनंजय सिंह खींवसर हैं, जो जोधपुर क्रिकेट संघ के अध्यक्ष हैं। धनंजय के अलावा इनकी एक बेटी भी है।

पाकिस्तान में आने वाली है तबाही, 48 घंटे में 21 बार आया भूकंप

कराची

पाकिस्तान का सबसे बड़ा शहर कराची बीते 48 घंटों में 20 से अधिक भूकंप के झटकों से हिल गया है। पूरे शहर में दहशत और अफरा-तफरी का माहौल है। रविवार रात से शुरू हुए इन भूकंपों की तीव्रता 2.1 से 3.6 मैग्नीट्यूड के बीच रही है। हालांकि, पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है, लेकिन कुछ स्वतंत्र भूवैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यह छोटे भूकंप एक बड़े और विनाशकारी भूकंप का संकेत हो सकते हैं।

भूकंपों की श्रृंखला और मलीर जेल में हादसा: कराची में रविवार रात से भूकंपों की झड़ी लग गई है। अब तक 21 हल्के और मध्यम तीव्रता के भूकंप दर्ज किए गए हैं। इनमें सबसे शक्तिशाली भूकंप 3.6 मैग्नीट्यूड का था, जिसने रविवार रात को शहर को हिला दिया। इस झटके के कारण मलीर जेल की दीवार आंशिक रूप से ढह गई, जिसके परिणामस्वरूप 216 कैदी भाग निकले। ये अपराधी पूरे शहर में छिप रहे हैं जिससे लोगों में और भी दहशत है। इस घटना ने प्रशासन को सकते में डाल दिया है और जेलब्रेक की जांच शुरू कर दी गई है। कराची के गडाप और कायदाबाद जैसे इलाकों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। स्थानीय लोगों ने खोखरापार, मलीर, लांधी, पयूचर मोर, गुल अहमद और हॉस्पिटल चौक जैसे क्षेत्रों में धरती हिलने की सूचना दी। हालांकि, अभी तक किसी बड़े जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है, लेकिन लगातार भूकंपों ने शहरवासियों में भय पैदा कर दिया है।

पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) के महानिदेशक माहर साहिबजाद खान ने लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा, 'अगले दो से तीन दिनों तक हल्की तीव्रता के भूकंप आ सकते हैं, लेकिन स्थिति में सुधार होगा और इनकी तीव्रता कम हो जाएगी।' कराची के मुख्य मौसम विज्ञानी आमिर हैदर लघारी ने बताया कि शहर में एक ऐतिहासिक फॉल्ट लाइन सक्रिय हो गई है, जो इन भूकंपों का कारण बन रही है। उन्होंने कहा, 'यह फॉल्ट लाइन अपनी भूकंपीय ऊर्जा को रिलीज कर रही है, और हमें उम्मीद है कि एक सप्ताह के भीतर ये छोटे झटके खत्म हो जाएंगे।' हालांकि, स्वतंत्र भूवैज्ञानिकों का दृष्टिकोण इससे अलग है। अर्थक्विक न्यूज एंड रिसर्च सेंटर के सीईओ शाहबाज लघारी ने दावा किया कि उनकी टीम ने इन भूकंपों की भविष्यवाणी पहले ही कर दी थी। उन्होंने चेतावनी दी, 'शुक्रवार और शनिवार की रात कराची के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो सकती है। हमारा शोध बताता है कि छोटे भूकंपों की श्रृंखला अक्सर एक बड़े भूकंप का संकेत होती है।' लघारी ने सुझाव दिया कि सिंध सरकार को जनता को पहले से चेतावनी देनी चाहिए।

राफेल और चीनी जे-10 विमान को एक साथ उड़ाएगा का सबसे बड़ा मुस्लिम देश इंडोनेशिया!

भारत के पड़ोस में बढ़ेगी ड्रैगन की धमक

जकार्ता

भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ाई के दौरान राफेल फाइटर जेट और चीनी जे-10 सी फाइटर जेट के बीच जोरदार टक्कर हुई थी। जे-10 सी से पाकिस्तान ने राफेल पर पीएल-15 मिसाइलों से हमला किया था। अब दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम देश इंडोनेशिया चीन से जे-10 फाइटर जेट खरीद सकता है। इंडोनेशिया के डेप्युटी रक्षा मंत्री रिटायर एयर मार्शल डोनी इरमावन तौफांटो ने कहा है कि हमारी चीन से इस बारे में बात हुई है। चीन ने न केवल जे-10 फाइटर जेट देने का ऑफर दिया है, बल्कि जहाज, हथियार और फ्रीगेट देने का भी प्रस्ताव दिया है। इंडोनेशिया के इस प्लान से अमेरिका को बड़ा झटका लगने जा रहा है जो अपने एफ-15 ईएक्स फाइटर जेट को बेचना चाहता था। इंडोनेशिया इससे पहले फ्रांस से राफेल जेट भी खरीद चुका है। इंडोनेशिया का कहना है कि चीन का जे-10 सी दूसरों से सस्ता है और अत्याधुनिक क्षमता से लैस है। इंडोनेशियाई मंत्री का इशारा एफ-15 की ओर था। हाल के वर्षों में इंडोनेशिया ने अपने हथियारों के जखीरे को आधुनिक बनाने का काम तेज किया है जो काफी पुराने हो गए थे। इससे पहले साल 2022 में इंडोनेशिया ने 42 राफेल फाइटर जेट फ्रांस से खरीदे थे। यह पूरा सौदा 8 अरब डॉलर का था। इसमें से 6 फाइटर जेट अगले साल इंडोनेशिया को मिल भी जाएंगे। एयर मार्शल तौफांटो ने कहा, 'हमने चीन से बात की है और उन्होंने काफी कुछ देने का ऑफर दिया है। इसमें न केवल जे-10 बल्कि जहाज, हथियार और युद्धपोत शामिल हैं। हम जे-10 विमान का परीक्षण कर रहे हैं।'

तौफांटो ने कहा कि हम जे-10 की क्षमता, दाम और बिक्री के बाद सपोर्ट की समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस डील को लेकर एक साल पहले से बातचीत चल रही थी लेकिन भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ाई जे-10 के इस्तेमाल के बाद हम इसको भी तरजीह दे रहे हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि इंडोनेशिया आगे भी अमेरिका के एफ-15ईएक्स की खरीद को लेकर बातचीत करता रहेगा। इंडोनेशियाई मंत्री ने कहा कि अमेरिकी फाइटर जेट क्षमता को दुनिया जानती है लेकिन 24 विमानों के लिए 8 अरब डॉलर कीमत मांगा सवालों के घेरे में है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने पिछले सप्ताह इंडोनेशिया के राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद कहा था कि फ्रांस ने एक प्रारंभिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किया है। इसके तहत राफेल समेत नए फ्रांसीसी हथियारों की आपूर्ति होगी। इस पर तौफांटो ने कहा, 'हम फ्रांस के ऑफर पर विचार कर रहे हैं। हम समीक्षा कर रहे हैं, खासकर हमारे पास जे-10 और एफ-15 के विकल्प भी हैं।' भारत और पाकिस्तान के बीच हवाई युद्ध के बाद चीन अब विश्व में फाइटर जेट को बेचने की कोशिश कर रहा है।

भारतीय सांसदों ने खोली पाकिस्तान की पोल, बोले-

आतंकी हमले रुकें, तभी शांति होगी

इस्लामाबाद।

भारत से मिस्र, अमेरिका व बेल्जियम गए सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडलों ने आतंकवाद से निपटने के लिए सभी देशों को अवगत कराते हुए पाकिस्तान की सीमा पार आतंकी पोषण की हरकतों का खुलासा किया। मिस्र में सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में जहां काहिरा में संवादात्मक सत्र में भारत के आतंक-रोधी रुख पर जोर दिया गया। वहीं, कांग्रेस नेता शशि थरूर के नेतृत्व में अमेरिकी राजनयिकों को भारत के सामने मौजूद आतंकी चुनौतियों की जानकारी दी गई। उधर, एनसीपी-एसपी सांसद सुप्रिया सुले के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने मिस्र के काहिरा में एक संवादात्मक सत्र में भारत-मिस्र के मजबूत संबंधों की उज्ज्वल संभावनाओं पर चर्चा की। साथ ही आतंकवाद के खिलाफ भारत के दृढ़ रुख पर जोर देते हुए इस खतरे का मुकाबला करने में मिस्र की एकजुटता को उजागर किया। बेल्जियम में भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व में भारत ने सामूहिक संकल्प दोहराया। शशि थरूर के नेतृत्व में भारत का सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल अमेरिका में है। भारतीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिकी संसद की विदेश मामलों की समिति से वॉशिंगटन में मुलाकात की। इस बैठक में अमेरिकी सांसदों ने भारत का पुरजोर समर्थन किया और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भी भारत के रुख की तारीफ की।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिका की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष ब्रायन मास्ट, समिति के सदस्यों ग्रेगरी मीक्स, सांसद कमलागर डोव और सांसद बिल हुजेंगा से मुलाकात की। अमेरिका के दोनों राजनीतिक दलों के सदस्यों ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की और आतंकी हमले के खिलाफ भारत के जवाब का समर्थन किया। ब्रायन मास्ट ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद कहा कि 'यह बेहद अहम बैठक रही। अपने सहयोगियों और दोस्तों से मिलने का हमें गर्व है। हम सभी ने आतंकी हमले की निंदा की। दुनिया में इस तरह के हमलों के लिए कोई जगह नहीं है।'

ब्रायन मास्ट ने कहा कि 'भारत से इस तरह के जवाब की उम्मीद थी। जब आप पर हमला होता है तो आपके पास उस हमले का जवाब देने के अलावा और कोई चारा नहीं होता। भारत और अमेरिका के संबंध बहुत अच्छे हैं और भविष्य में दोनों देशों के रिश्तों में काफी विकास और विस्तार की संभावना है।

यूक्रेन पर पलटवार करेंगे पुतिन

ट्रंप से फोन पर बात करके रूसी राष्ट्रपति ने दे दिया संकेत

वाशिंगटन

हाल ही में यूक्रेन ने रूस पर हमला कर उसके कई फाइटर जेट तबाह कर दिए। इसको लेकर रूस और यूक्रेन में लड़ाई तेज हो गई है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक घंटे से अधिक समय तक बातचीत की। जिसमें रूसी नेता ने यह स्पष्ट कर दिया कि वह यूक्रेन के दुस्साहसिक ड्रोन हमले का बड़ी कड़ाई से देंगे।

इसकी जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर देते हुए कहा कि मैंने अभी-अभी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से टेलीफोन पर बात की है। ट्रंप ने कहा, राष्ट्रपति पुतिन के साथ उनकी वार्ता अच्छी रही लेकिन इस वार्ता में यूक्रेन में जल्द शांति की उम्मीद नहीं दिखी। इस दौरान ट्रंप ने पुतिन से ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर भी बात की। इससे पहले 19 मई को दोनों नेताओं ने टेलीफोन पर बात की थी। इससे पहले पुतिन ने कहा कि दो रेल ब्रिज पर हुए हमलों से साबित हो गया है कि यूक्रेन के नेता शांति नहीं चाहते हैं।

यूक्रेन ने सैन्य इतिहास में सबसे दुस्साहसिक ड्रोन हमला किया, जिसे युद्ध विश्लेषकों ने रूसी क्षेत्र के अंदर रणनीतिक हवाई ठिकानों पर खड़े रूसी वायु सेना के जेट विमानों को निशाना बनाकर नष्ट कर दिया। इस हमले में रूस के दर्जनों रणनीतिक बमवर्षक, परिवहन विमान और हवाई चेतावनी विमान नष्ट हो गए।

वहीं, संभवतः मॉस्को इस तथ्य से हैरान था कि ये एयरबेस रूस के अंदर इतने दूर स्थित हैं कि यूक्रेनी हमले से विमानों को सुरक्षित रखने के लिए यह दूरी ही पर्याप्त थी। इस हमले ने कीव के मनोबल को बहुत बढ़ा दिया है, जबकि मॉस्को के मनोबल को भी भारी नुकसान पहुंचाया है। हालांकि, इस आश्चर्यजनक हमले के एक दिन बाद कीव और मॉस्को के बीच शांति वार्ता योजना के अनुसार चली, हर्षित पिछले 48 घंटों में संघर्ष और भी तेज हो गया है। रेल ब्रिज पर विस्फोटों में सात लोग मारे गए थे और 115 घायल हुए थे।

ट्रंप ने 12 देशों से अमेरिका में एंट्री पर लगाया बैन, भारत का पड़ोसी भी शामिल

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान, अफगानिस्तान समेत 12 देशों पर नए यात्रा प्रतिबंध पर हस्ताक्षर किए। ट्रंप की घोषणा 12 देशों के नागरिकों के अमेरिका में प्रवेश को पूरी तरह से प्रतिबंधित और सीमित करती है। ट्रंप ने इसके लिए राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला दिया है। इन देशों में भारत का एक पड़ोसी भी शामिल है, लेकिन हैरान करने वाली बात है कि ट्रंप प्रशासन ने दुनियाभर में आतंकवाद के सप्लायर पाकिस्तान को इससे बाहर रखा गया है। अमेरिका के इस दोहरे रवैये पर एक्सपर्ट सवाल उठा रहे हैं। ट्रंप ने प्रतिबंध के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह कदम कोलराडो में यहूदियों के एक विरोध प्रदर्शन पर एक शख्स के फ्लेमथ्रोवर हमले के बाद उठाया गया। अमेरिकी अधिकारियों ने हमलावर के बारे में कहा था कि वह देश में अवैध रूप से रह रहा था। अमेरिका ने जिन देशों के नागरिकों पर यात्रा प्रतिबंध लगाया है, उनमें अफगानिस्तान, ईरान, म्यांमार, चाड, कांगो गणराज्य, इक्वेटोरियल गिनी, इरीट्रिया, हैती, लीबिया, सोमालिया, सूडान और यमन शामिल हैं। ट्रंप ने कहा, 'हम किसी भी ऐसे देश से खुले प्रवास की अनुमति नहीं दे सकते, जहां हम सुरक्षित और विश्वसनीय तरीके से जांच और स्क्रीनिंग नहीं कर सकते। यही कारण है कि मैं यमन, सोमालिया, हैती, लीबिया और कई अन्य देशों पर यात्रा प्रतिबंध लगाने वाले कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर रहा हूं।' इसके अलावा ट्रंप ने सात देशों बुरुंडी, क्यूबा, लाओस, सिएरा लियोन, टोगो, तुर्कमेनिस्तान और वेनेजुएला के यात्रियों पर आंशिक प्रतिबंध भी लगाया है।

स्पोर्ट्स

श्रीलंका का पूर्व क्रिकेटर मैच फिक्सिंग का दोषी करार, टी20 विश्व कप विजेता टीम में था शामिल

विशेष संवाददाता

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व ऑफ स्पिनर सचित्रा सेनानायके को हंबनटोटा उच्च न्यायालय ने 2020 लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) के दौरान एक साथी खिलाड़ी को मैच फिक्सिंग के लिए लुभाने का प्रयास करने के आरोप में दोषी ठहराया है।

अटॉर्नी जनरल के विभाग ने कहा कि देश के हाल ही में लागू भ्रष्टाचार विरोधी कानून के तहत मैच फिक्सिंग के लिए राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेटर पर यह पहला अभियोग है। उन्हें गिरफ्तार किया गया और 2023 में जमानत पर रिहा कर दिया गया। 40 वर्षीय ने 2012 से 2016 के बीच श्रीलंका के लिए एक टेस्ट, 49 वनडे और 24 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और कुल मिलाकर 78 विकेट लिए। वह श्रीलंका की 2014 टी20 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य थे। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार उन्होंने एक अन्य राष्ट्रीय खिलाड़ी थारिंडु रत्नायके से भ्रष्ट संपर्क किया, जो उस समय कोलंबो किंग्स के लिए खेल रहे थे। श्रीलंकाई 'डेली मिरर' की एक रिपोर्ट में कहा गया है, 'सेनानायके पर दुबई से टेलीफोन के माध्यम से 2020 में उद्घाटन एलपीएल में भाग लेने वाले दो अन्य क्रिकेटरों से संपर्क करने का भी आरोप है, उन्हें मैच फिक्सिंग में शामिल होने के लिए मनाने का प्रयास किया गया।

डब्ल्यूपीएल और प्रदेश लीग ने दिखा दिया कि महिला क्रिकेट से राजस्व मिल सकता है: स्मृति मंधाना

महानगर संवादाता

नई दिल्ली। अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना का मानना है कि डब्ल्यूपीएल और विभिन्न प्रादेशिक लीग ने साबित कर दिया है कि देश में महिला क्रिकेट सुरक्षित हाथों में है और आर्थिक रूप से मजबूत भी।

मंधाना पहली महिला महाराष्ट्र प्रीमियर लीग में रत्नागिरी जेट्स की कप्तान होंगी। उन्होंने टीम द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा, 'महिला क्रिकेट को इस तरह का मंच मिलना अद्भुत है। प्रदेश संघों और डब्ल्यूपीएल ने भी इसमें काफी मदद की है। इससे साबित होता है कि महिला क्रिकेट राजस्व बना सकता है जो बहुत अच्छी बात है।'

उन्होंने कहा, 'लोग अब महिला क्रिकेट में पैसे लगाने को तैयार हैं।' मंधाना ने कहा, 'खेल जितना पेशेवर होगा, उतना ही बेहतर होगा खासकर जमीनी स्तर के क्रिकेटरों के लिए। भारत में इस समय महिला क्रिकेट में निवेश आ रहा है जिससे खिलाड़ी को निखरने में मदद मिल रही है। हमारे करियर में हमें काफी देर से फिटनेस और इसकी चीजों के महत्व के बारे में पता चला था।'

उन्होंने कहा, 'लेकिन मुझे यकीन है कि क्लब और बाकी पहल से इन खिलाड़ियों को इसकी बेहतर जानकारी होगी और वे अच्छी तैयारी से आएंगे।'

इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरा चार दिवसीय मैच आज से, केएल राहुल पर रहेंगी नजरें

महानगर संवाददाता

नॉर्थम्पटन। इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले केएल राहुल की नजरें लाल गेंद के प्रारूप में अभ्यास पर होंगी जब भारत ए टीम शुक्रवार से इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरा और आखिरी अनधिकृत टेस्ट खेलने उतरेगी। भारत के अधिकांश हिस्सों में मानसून होने के कारण राहुल ने टेस्ट टीम से पहले अभ्यास के लिए ब्रिटेन पहुंचने का फैसला किया। पहला टेस्ट 20 जून से शुरू होगा। शुभमन गिल की कप्तानी वाली भारतीय टीम शुक्रवार को मुंबई से रवाना होगी।

इंग्लैंड में दो शतक लगा चुके राहुल भारतीय टेस्ट टीम के सबसे सीनियर सदस्य हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट से विदा ले चुके हैं। राहुल ने 58 टेस्ट में 33.57 की औसत से रन बनाए हैं लेकिन उन्हें अधिकांश सफलता शीर्षक्रम में मिली है। अब देखना है कि वह इसी क्रम पर उतरते हैं या इसमें बदलाव किया जाता है। गिल और साइ सुदर्शन को भी दूसरा चार दिवसीय मैच खेलना था लेकिन आईपीएल के कारण नहीं खेल सके। दोनों को लीड्स पर होने वाले पहले टेस्ट से पूर्व सिर्फ टीम के भीतर अभ्यास मैच खेलने का मौका मिल सकेगा।

टेस्ट टीम के सदस्यों में से 6 ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहला मैच खेला जो ड्रॉ रहा। तेज गेंदबाज आकाश दीप दूसरे मैच में खेलेंगे। यशस्वी जायसवाल, अभिमन्यु ईश्वरन और करुण नायर ने पहले मैच में रन बनाए थे। ऐसी संभावना है कि रुतुराज गायकवाड़ और ईशान किशन को इस मैच में मौका दिया जाए। तेज गेंदबाज हरफनमौला के लिए शार्दुल ठाकुर और नीतिश रेड्डी में से एक का चयन होगा। दोनों ने कैंटरबरी में पहला मैच खेला लेकिन ठाकुर ने रेड्डी से ज्यादा गेंदबाजी की।

फिटनेस कारणों से रेड्डी आईपीएल में भी ज्यादा नहीं खेल सके थे। अगर एक बार फिर सपाट पिच मिलती है तो राहुल एंड कंपनी के लिए तैयारियों के लिहाज से यह अच्छा नहीं होगा। इंग्लैंड लायंस के लिए तेज गेंदबाज जोश टंग और क्रिस वोक्स प्रभाव छोड़ने की कोशिश करेंगे ताकि पहले टेस्ट के लिए टीम में जगह बना सकें। मार्क वुड और जोफ्रा आर्चर का चोट के कारण भारत के खिलाफ खेलना संदिग्ध है। गुस एटकिंसन भी पहले टेस्ट से बाहर रह सकते हैं।

टीमें: भारत ए- अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, ध्रुव जुरेल, नीतिश कुमार रेड्डी, शार्दुल ठाकुर, ईशान किशन, मानव सुतार, तनुष कोटियान, मुकेश कुमार, आकाश दीप, हर्षित राणा, अंशुल कम्बोज, खलील अहमद, रुतुराज गायकवाड़, सरफराज खान, तुषार देशपांडे, हर्ष दुबे।

इंग्लैंड लायंस- जेम्स रियू (कप्तान), फरहान अहमद,जोर्डन कॉक्स, रिकी फ्लिंटॉफ, एमिलियो गे, टॉम हैंस, जॉर्ज हिल, मैक्स होल्डन, बेन मैकिनी, एडी जैक, अजीत सिंह डेल, जोश टंग, क्रिस वोक्स।

समय: दोपहर 3:30 से।

भारत-इंग्लैंड पहला टेस्ट

इंग्लैंड टीम का ऐलान, टंग-कुक नए चेहरे, वोक्स की वापसी

विशेष संवाददाता

लंदन। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ 20 जून से शुरू हो रहे पहले टेस्ट के लिए 14 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। बेन स्टोक्स टीम की अगुआई करेंगे। इस टीम में जोश टंग और सैम कुक नया चेहरा होंगे। वहीं, क्रिस वोक्स की वापसी हुई है। टंग और वोक्स भारत-ए के खिलाफ छह जून से शुरू हो रहे अनधिकृत मैच में इंग्लैंड लायंस टीम का भी हिस्सा हैं। वहीं, जेमी ओवरटन की भी वापसी हुई है। **भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम:** बेन स्टोक्स, शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, ब्राइडन कार्स, सैम कुक, जैक क्राउली, बेन डकेट, जेमी ओवरटन, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग, क्रिस वोक्स। टंग और कुक हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ चार दिवसीय टेस्ट में टीम का हिस्सा रहे थे। टंग मध्यम तेज गति के गेंदबाज हैं, जबकि कुक दाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं। इसके अलावा ओवरटन भी खेलते दिखेंगे, जो तेज गेंदबाजी के साथ-साथ बल्लेबाजी भी कर लेते हैं। टीम को गस एटकिंसन की कमी खलेगी, जो चोटिल होने की वजह से पहले टेस्ट के लिए टीम का हिस्सा नहीं होंगे। ओवरटन की 2022 के बाद टेस्ट टीम में वापसी हुई है।

जोकोविच फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे: अब वर्ल्ड नंबर-1 सिनर से भिड़ेंगे

महानगर संवाददाता

बेंगलुरु। दूसरी वरीयता प्राप्त कोको गॉफ ने अमेरिका की ही मेडिसन कीज को 6-7, 6-4, 6-1 से हराकर फ्रेंच ओपन महिला युगल सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। अब उनका सामना फ्रांस की वाइल्ड कार्डधारी लोइ बोइसों से होगा जिन्होंने छठी वरीयता प्राप्त मिर्रा आंद्रीवा को 7-6, 6-3 से हराया। 22 वर्ष की बोइसों 1989 के बाद अपने डेब्यू ग्रैंडस्लैम में सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गईं। उस समय मोनिका सेलेस और जेनिफर कैप्रियाती ने यह कमाल किया था। वह 1999 विम्बलडन में एमेली मोरेस्मो के बाद ग्रैंडस्लैम फाइनल में पहुंचने वाली सबसे युवा फ्रेंच खिलाड़ी हैं।

पुरुष वर्ग में नोवाक जोकोविच और नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनेर का सामना सेमीफाइनल में होगा। जोकोविच ने तीसरी रैंकिंग वाले अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 4-6, 6-3, 6-2, 6-4 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। वहीं सिनेर ने गैर वरीय अलेक्जेंडर बुब्लिक को 6-1, 7-5, 6-0 से हराया। इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में कजाखस्तान के एलेक्जेंडर बुब्लिक को 1 घंटे 49 मिनट में 6-1, 7-5, 6-0 से हराया। इस जीत के साथ सिनर ने ग्रैंड स्लैम में अपनी लगातार 19वीं जीत दर्ज की है और वह अब नोवाक जोकोविच के खिलाफ सेमीफाइनल में खेलेंगे।

दो दिवसीय एकात्म मानवदर्शन का हीरक जयन्ती समारोह का समापन : 300 से अधिक प्रतिभागियों ने एकात्म मानवदर्शन पर किया मंथन

शिक्षा में आत्मीयता और राष्ट्रीयता का समावेश होना जरूरी : मुकुल कानितकर

महानगर संवाददाता

उदयपुर। भारतीय जनसंघ के पूर्व राष्टीय अध्यक्ष द्वारा प्रदत्त एकात्म मानवदर्शन के साठ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति जयपुर, भूपाल नोबल्स संस्थान व राजस्थान विद्यापीठ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय दीनदयाल उपाध्याय एकात्म मानवदर्शन - हीरक जयंती समारोह का समापन गुरूवार को भूपाल नोबल्स विवि के प्रताप सभागार में हुआ। समारोह का शुभारंभ वरिष्ठ प्रचारक राष्टीय स्वयं सेवक संघ्र मुकुल कानिटकर, महेश शर्मा, कुलपति प्रो.एस एस सारंगदेवोत, प्रो. एम.एल. छीपा, बीएन संस्थान के प्रबंध निदेशक मोहब्बत सिंह राठौ?, मंत्री डॉ. महेन्द्र सिंह आगरिया, रजिस्ट्रार डॉ. एन.एन. सिंह , डॉ. महेश शर्मा, आयोजन सचिव डॉ. युवराज सिंह राठौड, कुलपति प्रो.कन्हैयालाल बेरवाल ने सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलित कर एवं दीन दयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्पांजली अर्पित कर किया।

शिक्षा एवं भाषा के क्षेत्र में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार पर उद्बोधन देते हुए प्रसिद्ध शिक्षाविद् और विचारक मुकुल कानितकर ने कहा है कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञानार्जन तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि उसमें व्यक्ति, समाज और राष्ट के समग्र विकास की चेतना समाहित होनी चाहिए। कानितकर ने स्पष्ट किया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के व्यष्टि और समष्टि के सिद्धांत को शिक्षा में समाहित किए बिना संपूर्ण राष्ट निर्माण संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि शिक्षा में वह विचारधारा होनी चाहिए जो मन, बुद्धि, आत्मा के साथ-साथ सामाजिक, राष्टीय और पर्यावरणीय चेतना को जाग्रत करे।

उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा नीतियों से अधिक आवश्यकता है विचारों को आचरण में उतारने की। शिक्षा को तब ही धर्म का आधार कहा जा सकता है जब वह कर्तव्यबोध कराए, न कि केवल अधिकारों की बात करे। कानितकर ने भाषा के महत्व पर भी बल देते हुए कहा, ÷भाषा पूरे राष्ट की भावना की अभिव्यक्ति है। भारत में भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति और आत्मीयता का संवाहक है।

प्रचारक गुणवंत कोठारी ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विविध विचारों की प्रासंगिकता एवं करणीय कार्यों पर विचार रखते हुए कहा कि संवेदना मनुष्य के विकास की पहली सी?ी बताया, सेवा कार्यों से जु?ने और लोकमत परिष्कार के लिए कार्य, अनुसंधान कार्यों को गति प्रदान करने का आह्वान किया। नवीन अनुसंधान और वैज्ञानिक तत्थों के माध्यम से पारंपरिक भारतीय ज्ञान और तत्थों को वर्तमान पी?ी तक पहुंचाने के प्रयास करने होंगे जिससे युवाओं को राष्टीयता की भावना से जो?ा जा सके। मानव जीवन से जु? ॠणों से मुक्ति के लिए सेवा कार्यों से जु?ने का आव्हान भी कोठारी ने प्रतिभागियों से किया ।

विद्यापीठ के कुलपति प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत ने अपने संबोधन में पं उपाध्याय के दर्शन की शिक्षा में आवश्यकता और प्रांसगिकता को स्पष्ट किया। उन्होने नई शिक्षा नीति के समाहित एकात्मक मानव दर्शन और राष्टीयता के संयोजन से विकसित और विश्व गुरू भारत की संकल्पना के साकार स्वरूप प्रदान किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पं उपाध्याय के दर्शन युक्त शिक्षा से न केवल प्रज्ञावान विद्यार्थी तैयार होंगे वरन राष्टीयता और राष्ट गौरव के भावों से परिपूर्ण पी?ी का प्रार्दूभाव होगा।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विविध विचारों की प्रासंगिकता एवं करणीय कार्य विषयक सत्र में अनिल ओक ने एकात्मक मानव दर्शन द्वारा जीवन की समस्याओं और उनके निराकरण, सुखी जीवन और विकसित राष्ट के निर्माण में इसकी प्रासंगिता को रेखांकित किया। अर्थ चिंतक पंडित दीनदयाल उपाध्याय - प्रो. भगवती प्रकाश शर्मा, डॉ. बजरंग लाल गुप्ता ने विचार रखे। जिसमें स्वदेशी मॉडल के साथ साथ स्थानीय आवश्यकताओं, संसाधनों और संस्कृति के अनुसार निर्मित किया जाने , आयात-आधारित उपभोक्तावाद का विरोध किया और स्थानीय उत्पादन व लघु उद्योगों को ब?ावा देने पर बल संबंधी विचार साझा किए गए।

डॉ बालूराम छिपा ने कृषि के क्षेत्र में पं उपाध्याय के दर्शन और भारतीय कृषि में नवाचार की संभावनाओं पर विचार रखे जबकि डॉ.लोकेश शेखावत मानव और व्यक्ति के मध्य के अंतर को स्पष्ट करते हुए समाज-मानव जीवन के अंतरसंबंधो और उसकी पूर्णता को बताया। डॉ.छिपा , डॉ.शेखावत, राजेन्द्र चड्डा की उपस्थिति में प्रतिभागियों तथा शोधार्थियों ने अपने शोध पत्रों की प्रस्तुति दी गई।

तकनीकी सत्रों में विषय आधारित प्रश्नोत्तर सत्र का आयोजन कर प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं को डॉ. महेश शर्मा ने शांत किया गया।

कार्यक्रम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता 2025 आयोजित की गई जिसमें विजयी प्रतिभागियों का अतिथियों द्वारा उपरणा एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में 378 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. रेणु राठौ?, अनुराग सक्सेना, पूर्व कुलपति प्रो. लोकेश शेखावत, पूर्व कुलपति डॉ. बालूराम छिपा, अक्षांश भारद्वाज, राजेन्द्र सिंह, शक्ति सिंह कारोही, प्रो. प्रेम सिंह रावलोत, डॉ. अनिल कोठारी, नीरज कुमावत, डॉ. विजय प्रकाश विपलवी सहित शहर गणमान्य नागरिक व अनेक शिक्षाविद, विद्वान उपस्थित रहे।

नीमच माता रोपवे, उदयपुर में दामोदर रोपवे द्वारा पौधारोपण अभियान

महानगर संवाददाता

उदयपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर दामोदर रोपवे एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड द्वारा नीमच माता रोपवे, उदयपुर में एक विशेष पौधारोपण एवं वितरण अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के अंतर्गत लगभग 300 पौधे वितरित एवं रोपित किए गए। इस पहल का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना और हरियाली को बढ़ावा देना रहा। रोपवे पर आने वाले पर्यटकों को निःशुल्क पौधे भेंट किए गए, जिन्हें वे अपने घर या किसी भी स्थान पर रोपित कर सकते हैं। कई पर्यटकों ने मौके पर ही रोपवे परिसर में पौधारोपण भी किया।

इस अवसर पर अभिषेक चमरिया, कार्यकारी निदेशक, दामोदर रोपवे ने कहा, ÷हमारा उद्देश्य केवल सुविधाजनक परिवहन ही नहीं, बल्कि प्रकृति और समाज के प्रति भी जिम्मेदारी निभाना है। पौधा लगाने का प्रभाव दीर्घकालिक और सकारात्मक है। पर्यटकों की भागीदारी से हमें अत्यंत प्रोत्साहन मिला है।÷ पर्यटकों ने इस अभिनव पहल की सराहना की और अपने पर्यावरणीय दायित्व को निभाने का संकल्प लिया।

चारभुजा मंदिर में नवीन ध्वजा धराई

महानगर संवाददाता

उदयपुर। श्री धानमंडी अग्रवाल समाज द्वारा गंगा दशहरा के पावन पर्व पर चारभुजा जी भगवान को नवीन ध्वजा धराई गई।महिला सचिव नीतू गुप्ता ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी धानमंडी अग्रवाल समाज द्वारा चारभुजा जी मंदिर में पाटोत्सव बड़े ही धूम धाम से मनाया गया प्रातः 6.15 बजे हवन पूजा कर पूर्णआहुती के पश्चात् ठाकुरजी को नवीन ध्वजा धराई गई। मंदिर में शाम को भजन का कार्यक्रम रखा गया।उसके पश्चात् भोजन प्रसादी रखी गई।कार्यक्रम में अध्यक्ष ओम अग्रवाल सचिव तरुण मंगल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जगदीप मंगल, कोषाध्यक्ष चंद्रप्रकाश अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, में अपनी सेवाए दी। महिला अध्यक्ष अमिता भंडारी, कोषाध्यक्ष बबीता मंगल, रुचि मंगल, कमला अग्रवाल,मधु अग्रवाल, रेणु अग्रवाल, अनिता अग्रवाल, बादाम अग्रवाल , मीना अग्रवाल, जे पी अग्रवाल, दुष्यंत अग्रवाल, नीलम अग्रवाल,गजेंद्र अग्रवाल,अशोक मंगल, प्रभा मंगल,चंदा मंगल, मोनिका अग्रवाल,अंजली अग्रवाल मीना अग्रवाल आदि समाजाजन उपस्तिथ रहे।

माइनिंग के दौरान अचानक पत्थर व मिट्टी ढहने से हुआ हादसा

बागौर में डेढ़ सौ फीट गहरी खदान में गिरने से दो युवकों की मौत

महानगर संवाददाता

भीलवाड़ा। जिले के बागोर इलाके में अवैध खदान में गिरे दो युवकों की मौत हो गई है। करीब 9 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद गुरुवार सुबह उनकी बॉडी बाहर निकाली गई। बागोर इलाके के अवैध फेल्सपार व क्वार्टज मिनरल की खान में दोनों युवक करीब 150 फीट की गहराई में सैकड़ों टन पत्थर-मिट्टी के नीचे दब गए थे। पुलिस के अनुसार ये अवैध खान दादिया गांव के निकट चारागाह भूमि पर है, यहां अवैध रूप से माइनिंग हो रही थी। इस दौरान अचानक ही पत्थर और मिट्टी ढह गई। इसमें पुरोहितों का खेड़ा निवासी उदयराम भील व बाजिया खेड़ा में रहने वाला राजकुमार जाट दब गए। हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। रेस्क्यू

ऑपरेशन के बाद पहला शव गुरुवार सुबह करीब 6 बजे निकाला गया। दूसरा शव सुबह लगभग 9 बजे निकाला गया।

यह खदान करीब 150 से 200 फीट गहरी बताई जा रही है और पिछले लंबे समय से अवैध रूप से संचालित की जा रही है। हादसे के बाद मौके पर मौजूद मजदूर और खान संचालक ने इनको निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। वहीं, अजमेर से बुलाई गई राज्य आपदा प्रबंधन की टीम (एसडीआरएफ) करीब 6 घंटे बाद रात को 12 बजे मौके पर पहुंची। इसके बाद रेस्क्यू शुरू हो सका।

ईदुल अजहा कल, तैयारियां शुरू

उदयपुर। अन्जुमन तालीमुल इस्लाम उदयपुर के तहत मुस्लिम समाज कल 7 जून शनिचर को ईदुल अजहा की विशेष नमाज अदा करने के बाद कुरबानी करते हुए ईदुल अजहा का त्यौहार आपसी सौहार्द व भाईचारे के साथ मनाएगा। मोहसिन हैदर ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष ईदुल अजहा के मौके पर दिनांक 7, 8 व 9 जून 2025 तक कुर्बानी की जाएगी व साथ ही उदयपुर शहर की विभिन्न मस्जिदों में ईदुल अजहा की नमाज 7 जून शनिचर प्रातः 6.15 बजे से लेकर प्रातः 8.15 बजे तक अदा की जाएगी

पर्यावरण दिवस पर शहर में 40 बेग प्लास्टिक कचरे एवं वेस्ट का किया संग्रहण

महानगर संवाददाता

उदयपुर। शहर में विश्व पर्यावरण दिवस पर आईटी के क्षेत्र में काम।करने वाली, स्टेलानोवा ग्लोबलटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के सदस्यों ने उदयपुर को प्लास्टिक मुक्त करने पर एक अभियान चलाया ।

डायरेक्टर अजय नलवाया एवं कुशाग्र नलवाया ने बताया कि देवाली क्षेत्र में लगभग 40 बेग प्लास्टिक का कचरा एवं वेस्ट संग्रहण किया, एवं आम नागरिकों से उदयपुर को स्वच्छ रखने एवं वृक्षारोपण का संदेश दिया । पर्यावरण संरक्षण में वृक्षों की अहमियत एवं वृक्ष विविधिकरण की उपयोगिता पर जोर दिया।

उन्होंने कहा केवल वृक्षारोपण करने से कर्तव्य की इतिश्री नहीं हो जाती वरन् समय समय पर रोपित किये गए वृक्ष की देखभाल करना भी हमारी जिम्मेदारी है।

इस अवसर पर कंपनी की मैनेजर अक्षी नलवाया, सदस्य आयुषी पाटनी, मिताली मुलानी, इंसिया फिरोज, हिमांशु वैष्णव एवं नितिन सिंह आदि मौजूद रहे ।

मैराथन दौड़, तालाब पूजन के साथ वंदे-गंगा जल-संरक्षण का आगाज

महानगर संवाददाता

बाड़मेर। विश्व पर्यावरण दिवस पर बाड़मेर जिला मुख्यालय पर वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान की शुरुआत की गई। सबसे पहले गुरुवार को सर्किट हाउस से जसदेर तालाब तक मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। इसको प्रभारी मंत्री जोराराम कुमावत एवं प्रभारी सचिव सुबीर कुमार, जिला कलेक्टर टीना डाबी, डीएफओ सविता दहिया, भाजपा जिलाध्यक्ष अनंतराम विश्नोई ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जसदेर तालाब पर पर्यावरण दिवस व गंगा दशहरा के शुभ संयोग पर पूजा अर्चना कर अभियान शुरू किया गया। प्रभारी मंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वंदे गंगा जल

संरक्षण अभियान का शुभारंभ हुआ है। सीएम भजनलाल के निर्देश पर पूरे प्रदेश में यह अभियान चलाया जा रहा है। राजस्थान हमेशा से बरसाती पानी पर निर्भर रहा है। अन्य राज्यों की अपेक्षा बारिश कम होती है। बाड़मेर, जैसलमेर के लोगों पानी ऊंटों पर लाते थे। केंद्र व राज्य सरकार की स्कीम के जरिए अभाव ग्रस्त जिलों में भी घर-घर पानी पहुंच रहा है। फिर राजस्थान में बरसात कम होती है, ऐसे में बरसाती पानी का सदुपयोग और उसका संरक्षण कैसे करें, इसको लेकर यह अभियान चलाया गया है। बरसात का पानी घरों में टांके बनाकर संरक्षित किया जाए। गांव का पानी तालाब, छोटे-छोटे एनीकट बनाकर उसको संरक्षित करें।

फील्ड क्लब क्रिकेट कार्निवाल 2025 सीजन-4

22 याड्र्स ने जिम वॉरियर को 76 रनों से हराया

महानगर संवाददाता

उदयपुर। फील्ड क्लब क्रिकेट कार्निवाल 2025 सीजन-4 में गुरुवार को खेले गए 40 वर्ष से कम आयु वर्ग के मुकाबले से पूर्व फील्ड क्लब सचिव उमेश मनवानी, उपाध्यक्ष भूपेंद्र श्रीमाली और उद्योगपति देवेंद्र जावलिया ने टॉस कर मैच का शुभारंभ किया।

पहले मुकाबले में 22 यार्ड्स ने जिम वॉरियर को 76 रनों से हराया। मुकाबले में 22 यार्ड्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और निर्धारित 6 ओवर में वैभव गोदावत के नाबाद अर्धशतक 50 रन और जागृत के 30 रनों की बदौलत 131 रनों का विशाल स्कोर बनाया। जवाब में जिम वॉरियर्स की टीम निर्धारित 6 ओवर में 55 रन ही बना सकी। जिम वॉरियर्स की ओर से लव दाहीमा ने 36 रनों का योगदान दिया। एक तरफा मुकाबले में वैभव गोदावत को मैन ऑफ द मैच चुना गया। पारितोषिक वितरण में फील्ड क्लब के कोषाध्यक्ष गौरव सिंघवी, एग्जीक्यूटिव कमिटी के मेंबर्स अमित कोठारी, ध्रुवी नलवाया, कविता कुमावत, भानु प्रताप सिंह आदि मौजूद थे।

40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के मुकाबले में 22 यार्ड्स ने एफसी वारियर्स को 5 विकेट से हराया। एफसी वारियर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 ओवर में 67 रनों का स्कोर बनाया। भानु प्रताप सिंह ने 39 रन एवं गौरव सिंघवी ने 23 रनों का योगदान दिया। 22 यार्ड्स की ओर से शुभम डांगी ने 2 विकेट प्राप्त किये।

जवाब में 22 यार्डस ने निर्धारित लक्ष्य को 3.3 ओवर में हासिल कर लिया। शुभम डांगी ने नाबाद 49 रन और अंकित शर्मा ने 18 रनों का योगदान दिया। शुभम डांगी को मैन ऑफ द मैच चुना गया। पारितोषिक वितरण में पंकज कनेरिया, सुलभ धर्मावत, गौरव व्यास और जितेश वनवारिया मौजूद थे।

संस्कृत भाषा शिक्षण के लिए आवासीय शिविर आज से

महानगर संवाददाता

उदयपुर। संस्कृतभारती, उदयपुर विभाग द्वारा व्यक्तित्व विकास, कार्यविस्तार एवं संस्कृत संभाषण को समर्पित विशेष आवासीय संस्कृत भाषाबोधनवर्ग का आयोजन 6 जून की रात्रि से 12 जून प्रातः तक किया जाएगा। यह शिविर उदयपुर के किसान भवन, रेती स्टैण्ड में होगा।

इस वर्ग में 9वीं कक्षा से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक के विद्यार्थी, शिक्षकगण, गृहिणियां, उद्योगी वर्ग एवं संस्कृत के प्रेमी सभी भाग ले सकते हैं। वर्ग का मुख्य उद्देश्य संस्कृत भाषा में संभाषण क्षमता का विकास करना, संस्कृत को आम बोलचाल की भाषा के रूप में सिखाना और भाषा के प्रति आत्मविश्वास बढ़ाना है। यह पूर्णतया आवासीय शिविर होगा, जिसमें प्रतिभागियों के लिए भोजन, आवास और अध्ययन-सामग्री की उत्तम व्यवस्था की गई है। शिविर में योगाभ्यास से लेकर विभिन्न सत्रों के माध्यम से संस्कृतमय वातावरण बनाया जाएगा, जिसमें रात्रि में प्रतिभा प्रदर्शन के सत्र भी शामिल होंगे। इसका लक्ष्य नवदीक्षितों को संस्कृत भाषा में सहज संवाद करने योग्य बनाना तथा भारतीय संस्कृति के मूल स्तम्भ संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार को मजबूत करना है। शिविर में योगाभ्यास, गीता शिक्षण, गीत, नाटक एवं संस्कृत संभाषण कौशल पर विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन में संस्कृत के विविध प्रयोगों को सीखने का अवसर मिलेगा। वर्ग संयोजक नरेंद्र शर्मा ने बताया कि यह शिविर पूर्णतः आवासीय होने के साथ-साथ अहर्निश संस्कृतमय वातावरण प्रदान करेगा। इसमें नित्य योगाभ्यास, स्तोत्रपाठ, गीत-नाट्य, खेल तथा संस्कृत माध्यम से आनंदमयी शिक्षण होगा।

हिन्दुस्तान ज़िंक 3.32 गुना वाटर पॉजिटिव कंपनी बनी

महानगर संवाददाता

उदयपुर। विश्व पर्यावरण दिवस पर, भारत की एकमात्र और विश्व की सबसे बड़ी एकीकृत ज़िंक उत्पादक, हिन्दुस्तान ज़िंक अब 3.3 गुना वाटर पॉजिटिव कंपनी बन गयी है। यह उपलब्धि डीएनवी बिजनेस एश्योरेंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा स्वतंत्र रूप से सत्यापित की गई है और 2.41 के पहले प्रमाणित सूचकांक से यह एक बड़ी उपलब्धि है, जो वॉटर मैनेजमेंट के प्रति कंपनी की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

जल संकट वाले क्षेत्रों में से एक, राजस्थान में संचालन करते हुए, हिन्दुस्तान ज़िंक ने वाटर पॉजिटिव और जीरो लिक्विड डिस्चार्ज (जेडएलडी) कंपनी के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है। स्वच्छ जल और स्वच्छता के संयुक्त राष्ट्र के एसडीजी 6 (स्थायित्व विकास लक्ष्य) के साथ तालमेल बिठाते हुए, कंपनी ने जीरो लिक्विड डिस्चार्ज दृष्टिकोण को अपनाया है। इस प्रक्रिया में पानी और अपशिष्ट का उपचार, पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग किया जाता है, जिससे जीरो लिक्विड डिस्चार्ज पूरी तरह से समाप्त हो जाता है और शुद्ध जल पर निर्भरता काफी कम हो जाती है।

विश्व पर्यावरण दिवस पर, हिंदुस्तान जिंक ने अपने महत्वाकांक्षी 2030 सतत विकास लक्ष्यों एसडीजी की भी घोषणा की। इन लक्ष्यों में जलवायु परिवर्तन, जल प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण, जिम्मेदार सोर्सिंग, सर्कुलर इकोनॉमी, कार्यबल विविधता और सामाजिक प्रभाव जैसे विभिन्न विषयगत क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण लक्ष्य शामिल हैं। कंपनी ने 2020 की बेसलाइन से अपने संचालन में शुद्ध जल की खपत को 50 प्रतिशत तक कम करने की प्रतिबद्धता जताई है। यह साझा जलग्रहण क्षेत्र के भीतर समुदायों के लिए शुद्ध पेयजल की उपलब्धता बढ़ाने में भी योगदान देगा। इसके अलावा, कंपनी ने अपने स्मेल्टर्स के संचालन के लिए 100 प्रतिशत कम गुणवत्ता वाले पानी को सुरक्षित करने का भी संकल्प लिया है।

इस अवसर पर हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड की चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने कहा कि, विश्व की सबसे सस्टेनेबल मेटल और माइनिंग कंपनी के रूप में, हम मानते हैं कि पानी सिर्फ एक संसाधन नहीं है - यह एक साझा विरासत है और सतत विकास का एक महत्वपूर्ण प्रवर्तक है। आज, 3.32 गुना वॉटर पॉजिटिव कंपनी के रूप में, हमें गर्व है कि हम सक्रिय रूप से जल स्रोतों को फिर से भर रहे है, पारिस्थितिक तंत्र को बहाल कर रहे हैं और हमारे आसपास के समुदायों के लिए दीर्घकालिक मजबूती बना रहे हैं। हमारे संचालन के हर पहलू में जिम्मेदार वॉटर मैनेजमेंट को एकीकृत करके, हम न केवल इस महत्वपूर्ण संसाधन की सुरक्षा कर रहे हैं, बल्कि जल-तनाव वाले क्षेत्रों में सस्टेनेबल माइनिंग के लिए एक बेंचमार्क भी स्थापित कर रहे हैं। हमारे सतत विकास लक्ष्य 2030 के साथ, हम सस्टेनेबल व्यावसायिक प्रथाओं के माध्यम से दीर्घकालिक मूल्य बनाने की अपनी प्रतिज्ञा को मजबूत कर रहे हैं जो सभी के लिए मजबूत भविष्य को आकार देते हैं।

इस साल की शुरुआत में, कंपनी ने रामपुरा आगुचा,राजस्थान में 4 हज़ार किलोलीटर प्रति दिन (केएलडी) जीरो लिक्विड डिस्चार्ज प्लांट का उद्घाटन किया, जो दुनिया के सबसे बड़े भूमिगत जिंक खनन कार्यों का केंद्र है। जिंक स्मेल्टर देबारी, दरीबा स्मेल्टिंग कॉम्प्लेक्स, चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर और जावर ग्रुप ऑफ माइंस में मौजूदा जेडएलडी प्लांट्स के साथ, यह नई सुविधा राजस्थान में कंपनी के सभी इकाईयों के संचालन में जिम्मेदार वॉटर मैनेजमेंट न के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाती है।

जिम्मेदार और सस्टेनेबल मेन्यूफेक्चरिंग के अपने दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, हिंदुस्तान जिंक ने वित्त वर्ष 25 में अपनी कुल बिजली का लगभग 13 प्रतिशत रिन्यूएबल ऊर्जा स्रोतों से प्राप्त कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। यह 2050 तक या उससे पहले नेट जीरो, शून्य कार्बन उत्सर्जन हासिल करने के कंपनी के दीर्घकालिक लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हिन्दुस्तान ज़िंक ने 530 मेगावाट तक चैबीसों घंटे रिन्यूएबल एनर्जी के लिए बिजली खरीद एमओयू पर भी हस्ताक्षर किए हैं, जिससे उसकी कुल बिजली जरूरत में रिन्यूएबल एनर्जी का योगदान 70 प्रतिशत से अधिक हो गया है। कंपनी अपने कैप्टिव पावर प्लांट्स में सभी टर्बाइन के पुनरुद्धार, सेलहाउस दक्षता में सुधार, सभी ऑपरेशनों में वेरिएबल फ्रीक्वेंसी ड्राइव की स्थापना और वैकल्पिक ईंधन स्त्रोतों पर स्विच करने जैसी नई ऊर्जा दक्षता परियोजनाओं में लगातार निवेश कर रही है, जिससे ऊर्जा की बचत हो रही है।

विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में, हिन्दुस्तान ज़िंक ने बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान शुरू किया और अपनी व्यावसायिक इकाइयों में 1.5 लाख से अधिक पौधे लगाने का संकल्प लिया, जिससे संचालन और उसके बाहर भी पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने की उसकी प्रतिबद्धता मजबूत हुई है। कंपनी ने पर्यावरण प्रश्नोत्तरी, पौध वितरण और अपशिष्ट से धन, संसाधन पुनरुद्धार चुनौती, पर्यावरण अनुकूल क्रिकेट टूर्नामेंट जैसी आकर्षक गतिविधियों की सप्ताह भर तक चलने वाली श्रृंखला का आयोजन किया।

अभाज्य इच्छा शक्ति ही हमें अभूतपूर्व पर्यावरण संकट से बचा सकती है

महानगर संवाददाता

उदयपुर। सत्ता और समाज दोनों की अभाज्य इच्छा शक्ति ही हमें अभूतपूर्व पर्यावरण संकट से बचा सकती है। नीतियाँ बनाने की प्रक्रिया तो दशको से चल रही है किन्तु ईमानदारी से इनकी अनुपालना के अभाव में हम निरंतर आत्मघाती संकट की ओर बढ़ रहे है। भारतीय संस्कृति में प्रकृति के पांचो महाभूतों में देवत्व के दर्शन है और उसी की सापेक्ष जीवन पद्धति को जीवन में स्वीकार किया गया है जहां प्रकृति की अवहेलना का नितांत अभाव है। उक्त विचार आज गंगा दशहरा व विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर शान्तिपीठ के तत्वावधान में कालका माता, सीसारमा रोड़ स्थित सीतामाता मंदिर परिसर में 'पर्यावरण संरक्षणः दिशा और दायित्व विषयक आयोजित संगोष्ठी में कई वक्ताओं ने व्यक्त किये। प्रमुख वक्ता के रूप में बोलते हुए फिसीरिज महाविद्यालय के पूर्व डीन एवं वरिष्ठ पर्यारणविद् डॉ. एल.एल.शर्मा ने हालात पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा की 40 वर्ष पूर्व जिन समस्याओं को लेकर प्रशासन व सरकार का ध्यान आकर्षित किया जाता था वे समस्याएँ आज कम होने की बजाय बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि नासुर के रूप में प्राणी मात्र के लिए घातक प्लास्टिक का उत्पादन बंदकर बायोडिग्रेडेबल विकल्प का विचार करना चाहिए।

शान्तिपीठ के संस्थापक अनन्त गणेश त्रिवेदी ने कहा कि प्रकृति और पुरूष एक-दूसरे के पूरक है। भारतीय संस्कृति की आत्मा में पर्यावरण संरक्षण बसा है। प्रकृति और प्राकृतिक विरासत में देवत्व के दर्शन करते हुए सार्वभौमिक संरक्षण आहवान व्याप्त है।

संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय पूर्व कुलपति प्रो. उमाशंकर शर्मा ने बढते विकास एवं कृषि में हो रहे नवाचार अत्यधिक पेष्ठीसाइड्स के उपयोग को घातक बताया है।

गीता प्रचारक संतोष दीदी ने परिवार एवं अरण्य को सापेक्षित संदर्भो में लेते हुए पर्यावरण संरक्षण की सांस्कृतिक परिभाषी प्रतिपादित की।

बी.एन.विश्वविद्यालय के फार्मेसी के विभागाध्यक्ष डॉ. कमलसिंह राठौड़ ने उजडती अरावली की गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए पहाड़ों के संरक्षण की आवश्यकता बताई।, एडवोकेट उमेश चन्द्र शर्मा ने पर्यावरण संरक्षण के वैधानिक पक्ष पर विस्तार से प्रकाश डाला। मो.सु.वि.वि. में पर्यावरण विभागाध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र सिंह राठौड़ जल, जीवन और जंगल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रति व्यक्ति पर केपिटा पेड़ लगाने की जरूरत पर बल दिया। पर्यावरण महाविद्यालय के स्नातकोतर छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण संरक्षण के कार्य की प्राथमिकताओं को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर गंगापूजन भी किया गया। कैलाश पालीवाल ने आभार व्यक्त किया।

इवेन्ट लॉजिस्टिक इन्डस्ट्रीज में धानी टूर्स की ओर से लक्जरी गाड़ियों के आने से आयेगा बूम

मेवाड़ राजपरिवार के श्रीजी डॉ. लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने इन्डस्ट्रीज के लिये 5 फोरचुनर गाड़ियां की लॉन्च

महानगर संवाददाता

उदयपुर। विश्व में पर्यटन एवं हॉस्पीटेलिटी क्षेत्र में एक मुकाम बना चुके उदयपुर के लिये आज उस समय एक ओर नया अध्याय जुड़ा जब मेवाड़ राजपरिवार के श्रीजी डॉ.लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने सिटी पैलेस स्थित त्रिपोलिया पर धानी टूर्स की ओर से इवेन्ट लॉजिस्टिक इन्डस्ट्रीज के लिये टोयटा की 5 फोरचुनर गाड़ियां को पर्दा हटाकर लान्च किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उदयपुर अब देश-विदेश के राजनेताओं, शाही शादियों, इवेन्ट कम्पनियों व नामी गिरामी कम्पनियों के लिये पहली पसन्द बन गया है। ऐसे में उनके लिये लक्जरी गाड़ियों की आवश्यकता महसूस की जाती है,लेकिन धानी टूर्स ने उनके लिये एक साथ 5 फोरचुनर गाड़ियां उपलब्ध कराने से वह कमी काफी हद तक दूर हो जायेगी। इसके लिये उन्होंने धानी टूर्स को बधाई एवं शुभकामनायें दी।

धानी टूर्स के निदेशक मयंक करनपुरिया ने बताया कि शहर में पर्यटन क्षेत्र को नई उंचाईयों पर ले जाने वाले मेवाड़ राजपरिवार के योगदान को नजरअन्दाज नहीं किया जा सकता है। उन्हीं से प्रेरणा लेकर 13 वर्षो से इस क्षेत्र में कार्यरत धानी टूर्स राज्य की ऐसी पहली ट्रेवल एजेन्सी बन गयी है जिन्होनें एनआरआई सहित देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिये एक साथ टोयोटा की 5 फोरचुनर गाड़ियां उपलब्ध करायी है। इससे अब शाही शादियों सहित विभिन्न प्रकार के बड़े आयोजनों के लिये बाहर से इस प्रकार लक्जरी गाडियां नहीं मंगवानी पड़ेगी। बड़े आयोजनों के लिये सभी पर्यटक लक्जरी गाड़ियों की मांग करते है। शाही शादियों में भी लक्जरी गाड़ियों की मांग ब?ती जा रही है। उनकी मांग को पूरा करने के लिये फोरचुनर गाड़ियों को लॉन्च किया गया।

इस अवसर पर यशवन्त आंचलिया,अभिषेक संचेती,इवेन्ट इन्डस्ट्रीज, से जुड़े गणमान्य नागरिक,मुकेश माधवानी, ज्ञानचन्द करनपुरिया,मयंक करनपुरिया, रोहन चतुर ,शैलेष पोरवाल,अंजली सुराणा, अंकिता सुराणा,दिव्यत दोशी, विनय कोठारी, टोयोटा से विनयदीप, तनय गोयनका,सौरभ कोठारी, समस्त जीतो परिवार सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद थे। मयंक करनपुरिया ने बताया कि धानी टूर्स के पास अभी विभिन्न कम्पनियों की 57 गाड़िया है जिनमें फोर्स की अरबेनिया, टोयोटा की हाईबिड गाड़ियां शामिल है। पर्यटकों में एनआरआई की सबसे पसन्दीदा फोरचुनर गाड़ियां रहती है।

पर्यावरण दिवस मनाया,300 पौधे लगानें का संकल्प

महानगर संवाददाता

उदयपुर। महावीर जैन विद्यालय संस्थान, सेक्टर नं. 4 व महावीर कॉलेज, कीर की चौकी-भीण्डर में पर्यावरण दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर संस्थान प्रधान डॉ. हिम्मतलाल वया, डॉ. पंकज वया, महाविद्यालय निदेशक डॉ. आशीष वया द्वारा पौधारोपण कर मनाया गया।

इस अवसर पर संस्थान् प्रधान द्वारा कॉलेज परिसर में 100 फलदार पौधे लगाने व 200 अन्य पौधे लगाने की घोषणा की व पर्यावरण से मानव के विकास में बदलाव के सम्बन्ध में बताया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय का स्टाफ, योगा टीचर - अरूणा चौहान व नृत्य अध्यापक जॉन परमार, हेमलता जैन, सुमन, अभिलाषा, गणपत, भावना, छात्र-छात्राएँ व कार्यकर्त्तागण उपस्थित रहे।

खटीक समाज का महाकुंभ व परिचय सम्मेलन 8 जून को

आयोजन को लेकर श्री खटीक समाज राष्ट्रीय एकता मंच कार्यकारिणी सम्पन्न, 8 जून रविवार को टाइगर हील प्रताप गौरव केंद्र सभागार में आयोजित होगा कार्यक्रम, आयोजन को लेकर अलग-अलग समितियों का किया गठन

महानगर संवाददाता

उदयपुर। श्री खटीक समाज राष्ट्रीय एकता मंच कार्यकारिणी की बैठक गुरुवार को थुर स्थित राष्ट्रीय कार्यालय में संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकरलाल चौहान की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में संस्थापक अध्यक्ष शंकरलाल चौहान ने बताया कि श्री खटीक समाज राष्ट्रीय एकता मंच की ओर से खटीक समाज का महाकुंभ व परिचय सम्मेलन टाईगर हील स्थित प्रताप गौरव केन्द्र सभागार में 8 जून रविवार को सुबह 9 बजे आयोजित होगा। चौहान ने बताया कि आयोजन को लेकर अलग-अलग समितियों का गठन कर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियों सौंपी गई। बैठक में होने वाले महाकुंभ परिचय सम्मेलन के बारे महत्वपूर्ण रुपरेखा व कार्यकर्ताओ को जिम्मेदारी दी गई। जिसमें सभी समितियों के कार्यकर्ता अपने-अपने कार्य को अंतिम रूप देने में जुट गए। साथ ही बताया कि इस तरह के आयोजन से समाज में एकता का संदेश जाता है जिससे समाज में युवक-युवतियों के परिजन आपस में मिलकर एक दूजे से संवाद कर सके। कार्यक्रम के समापन के बाद सभी समाजजनों लिए स्वामी वात्सल्य का आयोजन होगा। आयोजित बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक शंकरलाल चौहान, महासचिव सीपी चौहान, प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन डिडवानीया, ओंगना अध्यक्ष सोहन सुयल, सायरा तहसील अध्यक्ष प्यार बोरीवाल, मीडिया प्रभारी रोहित चोहान, देहात जिला मीडिया प्रभारी पीसी चावला, दिलीप तंवर, दीपक खिंची सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वृक्षम अमृतम ने विश्व पर्यावरण दिवस पर 101 पेड़ लगाए

महानगर संवाददाता

उदयपुर। विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्षम अमृतम सेवा संस्थान उदयपुर द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय करावली, सलूंबर में 101 पेड़ लगाकर वृक्षारोपण किया ।

इस अवसर पर वृक्षम अमृतम के सचिव यशवन्त त्रिवेदी, एग्जीक्यूटिव सदस्य महेश उपाध्याय, सरपंच राजू देवी मीणा, ग्राम विकास अधिकारी वगत सिंह, ग्राम पंचायत कार्यालय के शंकर लाल मीणा, शिक्षा विभाग से ललित कोठारी,आर आई तुलसी , जनप्रतिनिधि हरीश मीणा, नारायण लाल मीणा, राजेश चौबीसा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता अनुसुईया, भारती चौबीसा, सुमित्रा जैन, उषा शर्मा, मंजू वेद , नानजी मीणा, रामलाल मेघवाल और वार्ड पंच लोकेश कलाल तथा समस्त ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधि और ग्रामवासियों ने वृक्षारोपण किया। मीडिया प्रभारी नरेश पूर्बिया ने बताया कि जनप्रतिनिधि हरीश मीणा ने वृक्षारोपण किए गए पौधों की देखभाल और सिंचाई की शपथ समस्त उपस्थित व्यक्तियों को दिलाई।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में पर्यटन सहकारी समिति की सहभागिता

महानगर संवाददाता

उदयपुर। उदयपुर जिला पर्यटन सहकारी समिति की आज सम्पन्न बैठक में पर्यावरण दिवस पर संकल्प लेते हुए राजस्थान में प्रारंभ वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान में जिला पर्यटन सहकारी समिति पूर्ण अभियान के साथ पूर्ण सहभागिता निभाते हुए 5 जून से 20जून तक के महाअभियान में महत्ती भूमिका निभाएगी

समिति अध्यक्ष प्रमोद सामर ने बताया कि जनहित में जीर्णोद्धार एवं पुनर्निर्माण में जिला पर्यटन सहकारी समिति विविध कार्यक्रमों के माध्यम से जल संरक्षण की महत्ती आवश्यकता एवं सहभागिता का कर्तव्य नीरवन करते हुए पूर्ण करेगी कार्यक्रम संयोजक महेंद्र शर्मा ने बताया कि इस हेतु शनिवार 7 जून को वृहत बैठक पर्यावरण विद जल सिंचाई के स्त्रोत एवं पुनर स्वरूप को विशेष कर ऐतिहासिक धरोहर एवं पुरातत्व पर केंद्रित करते हुए बैठक आयोजित करेगी बैठक में निम्न पदाधिकारीयो को समिति प्रमुख बनाए गए है राजकुमार लोहार अनिल कुमावत देवीलाल सालवी अनिल शर्मा एसबी सहाय महेंद्र शर्मा हेमशंकर दाधीच गोविंद राठौड़ जगदीश शर्मा आदि ।

विश्व पर्यावरण दिवस पर वार्ता और पौधारोपण

महानगर संवाददाता

उदयपुर। विज्ञान समिति और डॉ. दौलत सिंह कोठारी शोध एवं शिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया । आरंभ में सभी की उपस्थिति में समिति प्रांगण में पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वार्ताकार पेसिफिक मेडिकल विश्वविद्यालय के डीन छात्रकल्याण डॉ. एम जी वार्ष्णेय तथा विशिष्ट अतिथि अलर्ट संस्थान के अध्यक्ष जितेंद्र मेहता थे। समिति अध्यक्ष डॉ. महीप भटनागर ने 2025 की विषय वस्तु 'बीट द प्लास्टिक पॉल्यूशन' की व्याख्या के साथ अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि प्लास्टिक के नैनो पार्टिकल्स हमारे खाद्य व पेय पदार्थों के साथ शरीर में जा रहे हैं और विभिन्न हिस्सों में एकत्रित होकर कई बीमारियां जैसे कैंसर, हार्मोनल असंतुलन आदि ब?ा रहे हैं। उन्होंने प्लास्टिक के उपयोग को कम करने का आह्वान किया। डॉ. वार्ष्णेय ने घर या आसपास के स्थानों पर नीम के पौधारोपण के लिए लोगों को जागृत किया और कहा कि प्लास्टिक का उत्पादन पूर्ण रूप से तो नहीं रोका जा सकता परंतु अगर हम सभी यह प्रण लें कि प्लास्टिक की थैलियां वातावरण को दूषित करने के लिए बाहर न फेंके और इनको एकत्रित कर व्यवस्थित रूप से उनका निस्तारण करें।

जितेन्द्र मेहता ने उदयपुर संभाग के गांवों में छोटे जलाशयों का निर्माण, एनिकट, मृदा के क्षरण को रोकने के उपायों के साथ-साथ वॉटर हारवेस्टिंग पर विशेष रूप से चर्चा की। कोठारी संस्थान के अध्यक्ष डॉ. पोखरणा ने विशेष रूप से जैन साधु-संतों की दैनिक चर्या का वर्णन करते हुए बताया कि वे किस प्रकार पर्यावरण का संरक्षण सहज रूप से अपनी दिनचर्या के माध्यम से करते हैं। समिति के कुलप्रमुख डॉ के एल कोठारी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और अपनी दिनचर्या में प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और पर्यावरण संरक्षण के लिए संकल्प लेने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में इशांत सक्सेना, कक्षा 6 और विहान करणपुरिया, कक्षा 4 ने प्लास्टिक प्रदूषण रोकने पर अपने विचार रखें, जिसे सदन ने सराहा। संचालन डॉ. के पी तलेसरा ने जबकि धन्यवाद डॉ. के एल तोतावत ने दिया । समिति के गणमान्य सदस्यों में डॉ. डी एस मोगरा, डॉ. अनिल भटनागर, वर्द्धमान मेहता, डॉ. बी एल चावत, शांतिलाल भण्डारी, डॉ. राकेश दशोरा, इंजी वाई के बोलिया, प्रकाश ताते, इंजी आर के खोखावत आदि उपस्थित थे।

भाजपा ने मनाया पर्यावरण दिवस शहीद भगत सिंह पार्क में वृक्षारोपण

महानगर संवाददाता

उदयपुर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी शहर जिला उदयपुर द्वारा सेवाश्रम चौराहा स्थित शहीद भगत सिंह पार्क पर नीम पीपल गुलमोहर आदि के पौधे रोपण करके पर्यावरण दिवस का आगाज किया गया. मुख्य अतिथि डॉ रजनी रावत ने वृक्षारोपण तथा पर्यावरण संरक्षण में मातृशक्ति को आगे आने के लिए आह्वान किया. आयोजन प्रणेता प्रमोद सामर ने वृक्षारोपण उपरांत पौधों की बड़े होने तक देख देख के लिए कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया. फल स्वरुप क्षेत्र के समाजसेवी सुशील रांका ने आज के आरोपित पौधों को पालक के रूप में गोद लेने का संकल्प किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में भाजपा जिला अध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़ ने कार्यकर्ताओं से जनता जनार्दन को वृक्षारोपण तथा स्वच्छता अभियान में जोड़ने का की बात कही. कार्यक्रम का संचालन पर्यावरण प्रकोष्ठ जिला संयोजक राम जी. वार्ष्णेय ने किया. इस अवसर पर नगर निगम गेरेज समिति अध्यक्ष मनोहर चौधरी, मंडल अध्यक्ष कन्हैया वैष्णव, पर्यावरण प्रकोष्ठ सचिव अशोक सांवला, लवदेव बागड़ी, विकास कोठारी सुशील जांगिड़, इंजी. प्रकाश श्रीमाली, महेश गढ़वाल, धीरज प्रजापत, देवीलाल चौहान आदि उपस्थित रहे.।

श्री झूलेलाल भवन में सिन्धी सेंट्रल युवा सेवा समिति की एक विशेष बैठक उत्साह और ऊर्जा से सम्पन्न हुई

महानगर संवाददाता

उदयपुर । शक्तिनगर स्थित श्री झूलेलाल भवन में सिन्धी सेंट्रल युवा सेवा समिति की एक विशेष बैठक उत्साह और ऊर्जा से सम्पन्न हुई। बैठक का उद्देश्य समाज में सक्रिय युवा वर्ग को एक मंच पर लाकर संगठन को नई दिशा देना, सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों को सशक्त बनाना तथा अनुभवी सदस्यों के अनुभवों से प्रेरणा लेना रहा। समिति के अध्यक्ष विजय आहूजा ने आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि शीघ्र ही संगठन का शपथग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा, साथ ही विविध सामाजिक, सांस्कृतिक व खेल गतिविधियाँ भी प्रारंभ की जाएंगी। उन्होंने कहा कि आज का युवा तकनीकी रूप से दक्ष है और यदि उसे सही मंच मिले तो वह समाज की सेवा में नई ऊंचाइयाँ छू सकता है। बैठक में विशेष रूप से उन वरिष्ठ समाजसेवियों के अनुभव साझा किए गए जो पिछले 30 वर्षों से निरंतर समाज सेवा में संलग्न हैं। इन अनुभवों से युवाओं को न केवल मार्गदर्शन मिला, बल्कि उन्हें समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी भी समझ में आई। समाजसेवी राजेश खत्री ने बैठक में सुझाव दिया कि उदयपुर के 35 पुरुष व महिलाओं के बने सगंठन को नेतृत्व करता है सिन्धी सेंट्रल सेवा समिति मैं युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए विविध खेलकूद प्रतियोगिताएँ, सांस्कृतिक उत्सव, और समूहगत सामाजिक सेवाएँ आयोजित की जानी चाहिए। इससे संगठन में नई स्फूर्ति का संचार होगा और युवा वर्ग की ऊर्जा रचनात्मक दिशा में लगेगी।

बैठक में निम्नलिखित गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें— झूलेलाल सेवा समिति के महासचिव मनोज कटारिया, सनातन धर्म सेवा समिति के संयोजक हेमन्त गखरेजा, मुकेश खिलवानी, प्रकाश रूपचंदानी, राजेश खत्री, चन्द्र प्रकाश मंगवानी, अमन असनानी, कपिल नाचानी, जितेन्द्र कालरा (लिबर्टी), शैलेश कटारिया, संजय खतुरिया, राजेश तलदार, संतोष लालवानी, नीलू रंगवानी, मुकेश गखरेजा, नानक लुंज, चिराग सेनानी, महेश बजाज, कमल तलरेजा , विजय कस्तूरी और मोहन कालरा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन समिति सदस्य मुकेश खिलवानी द्वारा सभी आगंतुकों व सदस्यों का आभार प्रदर्शन करते हुए किया गया। उन्होंने कहा कि यह बैठक न केवल विचारों का आदान-प्रदान थी, बल्कि भविष्य की सामाजिक क्रांति की नींव भी है।

अनुसूचित क्षेत्रों में यूडीए विस्तार के विरोध में ज्ञापन

महानगर संवाददाता

उदयपुर। अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश संयोजक डॉ. विवेक कटारा ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए संविधान की पाँचवीं अनुसूची के तहत सुरक्षित आदिवासी स्वायत्तता की रक्षा की मांग की है। ज्ञापन में उदयपुर जिले की आदिवासी पंचायतों को उदयपुर विकास प्राधिकरण में शामिल करने के फैसले को संविधान के अनुच्छेद 244(1) और पंचायत विस्तार प्रावधान कानून का उल्लंघन बताया गया है। डॉ. विवेक कटारा ने कहा कि इस निर्णय से ग्राम सभा की संवैधानिक शक्तियों का हनन होगा और आदिवासी स्वशासन पर खतरा उत्पन्न होगा।

उन्होंने मांग की कि उक्त अधिसूचना को तत्काल निरस्त कर आदिवासी अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाए साथ ही डॉ. कटारा ने उदयपुर में हो रही अघोषित बिजली कटौती एवं पेयजल संकट को लेकर भी ज्ञापन देकर बिजली कटौती का समयबद्ध कार्यक्रम जारी करने व पेयजल टेंकरों की व्यवस्था करने की मांग की इस अवसर पर पूर्व विधायक एवं गिर्वा प्रधान सज्जन कटारा, बूझड़ा प्रशासक भेरूलाल गमेती, पई प्रशासक प्यारी बाई, पूर्व सरपंच खेमराज, प. स. सदस्य गोपाल पारगी, पदमराज, डामोर,पूर्व सरपंच नानूराम कटारा,बाबू लाल,भेरू लाल, युवा अध्यक्ष अक्षय चौधरी, किशन डांगी, पूर्व पार्षद शैलेष मिश्रा, प्रमोद मेनारिया, लक्ष्मीलाल, छाना, मनोश सोलंकी, मोहन, धनराज, लोगरजी, सोहनलाल माली, प्रेमचंद, शंकर लाल, लोकेश, रोशन लाल, अमरसिंह, श्यामसुंदर नागदा,, माधुलाल, नानालाल, रामेश्वर लाल, दनाना आदि मौजूद थे।

अडाणी ग्रुप ने इस साल भरा 75 हजार करोड़ का टैक्स

पूरे मुंबई मेट्रो नेटवर्क को बनाने में लगने वाली लागत के बराबर

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। अडाणी ग्रुप पिछले साल अप्रेल 2023 से मार्च 2024 के मुकाबले इस साल अप्रेल 2024 से मार्च 2025 में कुल टैक्स पेमेंट में 29 फीसदी की बढ़ोतरी की है। इस साल ग्रुप ने अपनी कंपनियों के जरिए कुल 74,945 करोड़ रुपए का टैक्स सरकारी खजाने में जमा कराया है, जबकि पिछले साल यह रकम 58,104 करोड़ रुपए थी। यह जानकारी अडाणी ग्रुप ने गुरुवार को दी। सूत्रों के अनुसार इस टैक्स में कंपनी के खुद के दिए गए डायरेक्ट टैक्स, ग्राहकों या दूसरों से वसूले गए इनडायरेक्ट टैक्स और कर्मचारियों के सामाजिक सुरक्षा में दिया गया योगदान भी शामिल है। इस पैसे का अंदाजा ऐसे लगाया जा सकता है कि 74,945 करोड़ रुपए लगभग पूरे मुंबई मेट्रो नेटवर्क को बनाने में लगने वाली लागत के बराबर है। यह रकम आधुनिक ओलंपिक खेलों के आयोजन में लगने वाले खर्च के लगभग बराबर भी है। इस कुल रकम में से 28,720 करोड़ रुपए डायरेक्ट टैक्स, 45,407 करोड़ रुपए इनडायरेक्ट टैक्स और 818 करोड़ रुपए दूसरे योगदान के हैं।

अडाणी ग्रुप की इन कंपनियों ने दिया दिया सबसे ज्यादा टैक्स

अडाणी ग्रुप की जिन मुख्य सूचीबद्ध कंपनियों ने सबसे ज्यादा टैक्स दिया है, उनमें अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड, अडाणी सीमेंट लिमिटेड, अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन और अडाणी ग्रीन एनर्जी

लिमिटेड शामिल हैं। ग्रुप ने अपनी सात लिस्टेड कंपनियों की वार्षिक रिपोर्ट्स में यह जानकारी दी है। इनमें एनडीटीवी, एसीसी और सांघी इंडस्ट्रीज जैसी तीन और कंपनियों के टैक्स भी शामिल हैं, जिन पर अडाणी ग्रुप की ये सात कंपनियां नियंत्रण रखती हैं।

कंपनियों की वेबसाइट पर जारी हुई टैक्स भुगतान की पूरी जानकारी

अडाणी ग्रुप ने टैक्स भुगतान की पूरी जानकारी देने के लिए एक दस्तावेज ('बेसिस ऑफ प्रिपरेशन एंड अप्रोच टू टैक्स) भी अपनी कंपनियों की वेबसाइट पर जारी किया है। इसमें बताया गया है कि दुनियाभर में उसकी कंपनियों ने कितना टैक्स दिया, दूसरों से वसूला हुआ टैक्स कितना सरकार को जमा कराया और कर्मचारियों के लिए सामाजिक सुरक्षा में कितना योगदान दिया। अडानी ग्रुप ने कहा कि वह टैक्स में पारदर्शिता को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी का हिस्सा मानता है। इस जानकारी को खुद से सार्वजनिक करके ग्रुप अपनी पारदर्शिता और भरोसेमंदी दिखाना चाहता है। ग्रुप का कहना है कि वह भारत के बुनियादी ढांचे को बदलने के साथ-साथ नवाचार को बढ़ावा देना और अपने सभी हितधारकों के लिए लॉन्ग टर्म वैल्यू पैदा करना चाहता है।

निर्मला सीतारमण 10 जून को करेंगी इकोनॉमिक रिव्यू

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। वित्तीय स्थिरता व विकास परिषद की 29वीं बैठक 10 जून को मुंबई में आयोजित होने जा रही है, इसकी अध्यक्षता केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण करेंगी। यह बैठक ऐसे समय हो रही है, जब वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं बनी हुई हैं। हाल ही में भारत की वृद्धि दर 6.5 फीसदी दर्ज की गई है, जो पिछले चार वर्षों की सबसे धीमी दर है। इस अहम बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा, सेबी चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय, आईबीबीआई चेयरमैन रवि मित्तल और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण के चेयरपर्सन के राजारमण भी भाग लेंगे। इसके अलावा वित्त राज्यमंत्री, वित्त सचिव, व्यय सचिव, राजस्व सचिव और वित्तीय सेवा सचिव जैसे वरिष्ठ अधिकारी भी बैठक में उपस्थित रहेंगे। बैठक में वर्तमान वैश्विक और घरेलू आर्थिक स्थिति, वित्तीय स्थिरता, और वित्तीय धोखाधड़ी से निपटने के उपायों पर विशेष रूप से चर्चा होगी। डिजिटल धोखाधड़ी को लेकर गंभीर चिंताएं जताई गई हैं और वित्त मंत्री इसके समाधान के लिए नियामकों से चर्चा कर सकती हैं।

विकास योजनाओं की प्रगति पर नजर: वित्त वर्ष 2024-25 की अंतिम तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था का आकार 3,900 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इसी संदर्भ में बैठक में समावेशी आर्थिक वृद्धि, विकास योजनाओं की प्रगति और वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए उठाए गए कदमों की भी समीक्षा की जाएगी।

आरबीआई का रिकॉर्ड लाभांश भी रहेगा केंद्र में: हाल ही में आरबीआई की ओर से घोषित 2.7 लाख करोड़ रुपए का रिकॉर्ड लाभांश और इसके संभावित आर्थिक प्रभाव भी चर्चा के केंद्र में रह सकते हैं। यह लाभांश पिछले वर्ष की तुलना में 27.4 फीसदी अधिक है, जो केंद्र सरकार के लिए राजकोषीय मजबूती का संकेत है।

एसबीआई जयपुर मंडल ने प्लास्टिक प्रदूषण रोकने का लिया संकल्प

फलदार पौधों का रोपण और वॉकाथान आयोजन

महानगर संवाददाता

जयपुर। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) जयपुर मण्डल की ओर से गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सशक्त बनाते हुए 'प्लास्टिक प्रदूषण का अंत' थीम पर स्टेट बैंकवॉकाथान का आयोजन स्टेट बैंक लर्निंग एण्ड डेवेलोपेमेंट सेंटर विधाधर नगर पर किया गया, जिसमें बैंक के अधिकारियों व कर्मचारियों ने भाग लिया। इस क्रम में बैंक द्वारा प्लास्टिक मुक्त परिसर का संकल्प लिया गया और वॉकाथान में पर्यावरण जागरूकता से संबंधित पोस्टर व बैनर प्रदर्शित किए गए। साथ ही फलदार पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर महाप्रबन्धक प्रबुद्ध कुमार ने कहा कि हमारा प्रयास ना केवल पर्यावरण को संरक्षित करना है, बल्कि समाज को भी जागरूक बनाना है। वॉकथान जैसे सामूहिक प्रयास प्लास्टिक मुक्त भारत के संकल्प को मजबूत करते है। इस अवसर पर पर्यावरण की थीम पर क्षेत्रीय कार्यालय उदयपुर, हनुमानगढ़, चूरू आदि स्थानों पर पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमे बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण विषय पर रचनात्मक चित्र बनाए। प्रतिभागियों ने प्लास्टिक प्रदूषण, हरित जीवन शैली, जल संरक्षण आदि विषयों को सुंदर रंगो में उकेरा। इसके साथ ही विजेताओं को उपहार भी प्रदान किए गए। इसी क्रम में भारतीय स्टेट बैंक जयपुर मण्डल के महाप्रबन्धक प्रबुद्ध कुमार व राजेश कुमार ने स्थानीय प्रधान कार्यालय व बैंक के अधिकारी आवास स्थल पर सभी विभागों व मंडल की अनेक शाखाओं में फलदार पौधों का रोपण किया और पर्यावरण संरक्षण की प्रतिज्ञा ली, जिसमें 'प्लास्टिक प्रदूषण का अंत' के संकल्प को दोहराया गया।

सोने-चांदी की कीमत एक लाख के पार

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। सर्राफा बाजारों में गुरुवार को चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल दर्ज की गई। चांदी नया इतिहास रचते हुए बिना जीएसटी 101298 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई। यह इसका ऑल टाइम हाई है। बुधवार यो ये 100980 रुपए पर बंद हुई थी। वहीं, 24 कैरेट गोल्ड की कीमत 544 रुपए प्रति 10 ग्राम उछ्ली। गुरुवार को 24 कैरेट सोना बिना जीएसटी के 97291 रुपए के रेट से खुला। 3 प्रतिशत जीएसटी के साथ सोना 100209 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 104336 रुपए प्रति किलो की दर से बिका। सोने-चांदी के हाजिर भाव इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन ने जारी किए हैं। इनमें जीएसटी नहीं लगा है। आईबीजेए रेट्स के मुताबिक 23 कैरेट गोल्ड भी 541 रुपए महंगा होकर 96901 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर खुला। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड का औसत हाजिर भाव दोपहर सवा 12 बजे के करीब 499 रुपये चढ़कर 89119 रुपए प्रति 10 ग्राम के रेट पर खुला। 18 कैरेट गोल्ड का भाव भी 408 रुपए महंगा होकर 72968 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, जबकि, 14 कैरेट गोल्ड की कीमत 319 रुपए चढ़कर 56915 रुपये पर पहुंच गई है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियों से शुरू हुआ ग्लोबल ट्रेड वॉर एक बार फिर तेज

भारत समेत उभरते देशों की बढ़ी मुश्किल, कोविड महामारी से भी बड़ी चुनौती

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों से शुरू हुआ ग्लोबल ट्रेड वॉर एक बार फिर तेज हो गया है। इस बार यह उभरती अर्थव्यवस्थाओं के सेंट्रल बैंकों के लिए कोविड महामारी से भी बड़ी चुनौती बनता दिख रहा है। यह कहना है अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की फर्स्ट डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ का। गीता गोपीनाथ ने कहा कि जब 2020 में कोविड आया था, तब दुनिया के ज्यादातर सेंट्रल बैंक एक साथ काम कर रहे थे। ब्याज दरें घटाई गई थीं, राहत पैकेज लाए गए थे। लेकिन अब माहौल बंटा हुआ है। अमेरिका और चीन के बीच चल रहे ट्रेड वॉर से बने टैरिफ अलग-अलग देशों को अलग तरह से प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बार चुनौती पहले से बड़ी है। कोविड के दौरान सभी देश एक जैसी दिशा में आगे बढ़ रहे थे, लेकिन अब असमान असर हो रहा है।

भारत जैसे देशों के लिए दोहरी मुश्किल

अब उभरती अर्थव्यवस्थाएं दोतरफा दबाव में हैं। एक तरफ उन्हें घरेलू मांग को सहारा देने के लिए ब्याज दरें कम करनी पड़ सकती हैं, वहीं दूसरी तरफ अमेरिका में ब्याज दरें ऊंची रहने से डॉलर मजबूत है, जिससे विदेशी निवेश बाहर जा सकता है। ऐसे में अगर भारत जैसे देश ब्याज दरें घटाते हैं तो उनकी करेंसी पर

दबाव आ सकता है। आरबीआई की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की 6 जून को बैठक है, जिसमें रेपो रेट को 25 से 50 बेसिस प्वाइंट तक कम करने की उम्मीद जताई जा रही है। यह इस साल की लगातार तीसरी कटौती होगी। वहीं अमेरिका का फेडरल बैंक ट्रंप के दबाव के बावजूद दरें घटाने के मूड में नहीं है। जब तक उसे यह भरोसा नहीं हो जाता कि टैरिफ से महंगाई नहीं बढ़ेगी, वह किसी रेट कट की संभावना नहीं देखता। गोपीनाथ के अनुसार इससे ग्लोबल वित्तीय माहौल सख्त हो सकता है और विकासशील देशों की नीति सीमित हो सकती है।

पूंजी निकासी, करेंसी में गिरावट और कर्ज महंगा होने का खतरा

ऑर्गनाइजेशन फॉर इकोनॉमिक को-ऑपरेशन एंड डेवलपमेंट (ओईसीडी) ने भी अपनी रिपोर्ट में चेतावनी दी है कि अगर वैश्विक निवेशकों का भरोसा डगमगाया तो उभरते बाजारों से पूंजी बाहर जा सकती है। इससे उन देशों की करेंसी पर दबाव और कर्ज लेने की लागत बढ़ सकती है। रिपोर्ट के अनुसार कई उभरती अर्थव्यवस्थाओं के सामने पूंजी निकासी, करेंसी में गिरावट और कर्ज महंगा होने का खतरा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की फर्स्ट डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ ने कहा कि फिलहाल उभरती अर्थव्यवस्थाएं धुंध में रास्ता तलाश रही हैं। अमेरिका-चीन के बीच थोड़े समय के लिए समझौता हुआ था, लेकिन बाद में ट्रंप ने चीन पर आरोप लगाए कि वह डील का उल्लंघन कर रहा है। इसके साथ ही उन्होंने स्टील व एल्युमिनियम पर डबल टैरिफ लगाने का ऐलान किया, जिससे तनाव और बढ़ गया।

बैंकों में 6, 7 और 8 जून को छुट्टी का ऐलान

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। इ ईद-उल-अजहा (बकरीद) के अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों में 6, 7 और 8 जून को बैंक बंद रह सकते हैं। यह जानकारी भारतीय रिजर्व बैंक के बैंक अवकाश कैलेंडर के अनुसार सामने आई है। 6 जून को तिरुवनंतपुरम और कोच्चि में बकरीद के कारण बैंक बंद रहेंगे। वहीं 7 जून को अहमदाबाद, गंगटोक, ईटानगर, कोच्चि और तिरुवनंतपुरम को छोड़कर देश के बाकी हिस्सों में बैंक बकरीद की छुट्टी पर बंद रहेंगे। इन पांच शहरों में बैंक खुले रहेंगे, क्योंकि यह महीने का पहला शनिवार है। इसी प्रकार 8 जून को पूरे देश में साप्ताहिक अवकाश के चलते सभी बैंक बंद रहेंगे। 6 और 7 जून को भले ही बैंकों की शाखाएं बंद रहेंगी, लेकिन नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, एनईएफटी और आरटीजीएस जैसी डिजिटल सेवाएं पहले की तरह काम करती रहेंगी। आप एटीएम, डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड का भी सामान्य रूप से उपयोग कर सकेंगे।

SANITATION WATER AND COMMUNITY HEALTH PROJECT
निदेशालय - स्वच्छ परियोजना, उदयपुर
बढ़ी रोड़ (हवाला खुर्द) पुलिस अन्वेषण भवन के आगे, उदयपुर (राज.) 313001
Email: directorswach@rajasthan.gov.in, swachhoudaipur@gmail.com
S.No. F9/(5)(2)(A)/T.B. Nut./Dir/Swach/2025-26 1868 Date: 30.4.2025
E-TENDER NOTICE :- 09/2025-26
NIB-SWP2526A0053UBN:- SWP2526SLRC00239
Bid are invited from venders for roasting, cleaning, grinding and local Transportation.

S.No	Details of Commodities	Estimated total Total cost (in Lacs)	Bid Security (EMD) (in Lacs)	Bid Fee (in Rs.)	Processing Fee (in Rs.)
1	Working for Roasting and Grinding	12.25	0.245	500	500

The Tender/Bid will only be submitted through online tendering system of www.eproc.rajasthan.gov.in. The interestedbidders will have to be enrolled/registered with portal of www.eproc.rajasthan.gov.in for participating in the bidding process.
Bid document downloud start date 01.05.2025-05.00 PM
Bid submission date 10.05.2025- 06.00 PM
DIPR/C/6569/2025 DIRECTOR

कैपजेमिनी की वर्ल्ड वेल्थ रिपोर्ट-2025

देश में में तेजी से बढ़े अमीर, 3.79 लाख के पास 129 लाख करोड़ की संपत्ति

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। जीडीपी समेत कई प्रमुख क्षेत्रों में तेजी से बढ़ रहे भारत ने एक और उपलब्धि हासिल की है। प्रमुख देशों की तुलना में भारत में करोड़पतियों की संख्या 2024 में सबसे ज्यादा 8.8 फीसदी बढ़कर 3,78,810 पहुंच गई। इनके पास 129 लाख करोड़ रुपए यानी 1.5 लाख करोड़ डॉलर की दौलत है। वैश्विक स्तर पर करोड़पतियों की संख्या 2.6 फीसदी बढ़ी है। कैपजेमिनी की वर्ल्ड वेल्थ रिपोर्ट-2025 के मुताबिक 2024 अंत तक भारत में नेक्स्ट डोर वाले 3,33,340 करोड़पति थे। इनकी संपत्ति 628.93 अरब डॉलर थी। नेक्स्ट डोर का मतलब उन अमीरों से है, जिन्होंने खुद अपनी पहचान या संपत्ति बनाई है। ये वे लोग हैं, जो सामान्य जीवन जीते हैं और कोई दिखावा नहीं करते हैं। देश में 4,290 अल्ट्रा हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल (एचएनडब्ल्यूआई) यानी बहुत ज्यादा अमीर हैं। इनकी संपत्ति 534.77 अरब डॉलर रही। देश के 85 फीसदी अगली पीढ़ी के एचएनडब्ल्यूआई एक-दो वर्षों में माता-पिता की वेल्थ मैनेजमेंट फर्म को छोड़ने की योजना बना रहे हैं। वैश्विक स्तर पर 81 फीसदी ऐसा करना चाहते हैं।

मजबूत शेयर बाजार और एआई आशावाद का असर: वैश्विक स्तर पर एचएनआई की वृद्धि अति अमीरों की संख्या में वृद्धि के कारण हुई। मजबूत शेयर बाजारों और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आशावाद से पोर्टफोलियो रिटर्न को बढ़ावा मिलने से अमीरों की संख्या 6.2 फीसदी बढ़ गई। प्राइवेट इक्विटी और क्रिप्टोकरेंसी जैसे वैकल्पिक निवेश अब एचएनडब्ल्यूआई होल्डिंग्स में प्रमुख स्थान बना रहे हैं, जो उनके पोर्टफोलियो का 15 फीसदी हिस्सा है।

एशिया में भारत, चीन व जापान आगे

देश	करोड़पति	रकम
भारत	3.79 लाख	1.5
जापान	39.89 लाख	9.9
चीन	15.02 लाख	7.9

(रकम लाख करोड़ डॉलर में)

संख्या के लिहाज से अमेरिका शीर्ष पर

संख्या के लिहाज से अमेरिका में बीते साल 5.62 लाख करोड़पति बढ़े। इससे कुल करोड़पतियों की संख्या 7.6 फीसदी बढ़कर 79 लाख पहुंच गई। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में भारत और जापान सबसे आगे रहे। दोनों देशों में क्रमशः 20 हजार और 2.10 लाख करोड़पति बढ़े। चीन में एचएनडब्ल्यूआई की संख्या एक फीसदी घट गई।

10 फीसदी से अधिक बढ़ाएंगे संपत्ति

98 फीसदी भारतीय एचएनडब्ल्यूआई 2030 तक अपनी ऑफशोर संपत्तियों को 10 फीसदी से अधिक बढ़ाना चाहते हैं। ऑफशोर निवेश पर ध्यान बेहतर निवेश विकल्पों (55 फीसदी), धन प्रबंधन सेवाओं (65 फीसदी), बाजार संपर्क (54 फीसदी), बेहतर कर विनियमन व आर्थिक-राजनीतिक स्थिरता (49 फीसदी) के कारण दिया जाता है।

ऐसे बढ़ी और घटी अमीरों की संख्या

यूरोपः आर्थिक स्थिरता के कारण यूरोप में ब्रिटेन, फ्रांस व जर्मनी में क्रमशः 14 हजार, 21 हजार व 41 हजार करोड़पति कम हुए हैं। इसके विपरीत यूरोप की अमीरों की संख्या 3.5 फीसदी बढ़ी है।
एशिया-प्रशांतः एचएनडब्ल्यूआई आबादी में 2.7 फीसदी की वृद्धि हुई। पूरे क्षेत्र में इसमें उल्लेखनीय भिन्नता देखी गई।
लैटिन अमेरिकाः मुद्रा अवमूल्यन व राजकोषीय अस्थिरता के कारण करोड़पतियों की आबादी में 8.5 फीसदी की गिरावट आई। ब्राजील व मेक्सिको में सबसे ज्यादा 13.5-13.5 फीसदी की कमी रही।
मध्य पूर्वः कच्चे तेल की लगातार घटती कीमतों के कारण करोड़पतियों की संख्या में 2.1 फीसदी की कमी आई।

सेंसेक्स 444 अंक उछला, निफ्टी 24750 पार

महानगर संवाददाता

मुंबई। शेयर मार्केट में गुरुवार को कारोबार की शुरुआत तेजी के साथ हुई और पूरे दिन तेजी बनी रही। हालांकि मार्केट ओपन होने के बाद निफ्टी ने 24700 का लेवल टेस्ट किया और इसी समय शॉर्ट सेलर्स ने हावी होने की कोशिश की, लेकिन फिर दोपहर 12 बजे बाजार में तेजी का ऐसा तूफान आया कि केवल 15 मिनट में निफ्टी ने 130 पॉइंट की बढ़त की और शॉर्ट सेलर्स ट्रैप हुए। दिन के अंत में निफ्टी 131 अंकों की बढ़त के साथ 24751 के लेवल पर बंद हुआ, जबकि सेंसेक्स 444 अंकों की तेजी के साथ 81442 के लेवल पर बंद हुआ।

बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी की बढ़त में फार्मा स्टॉक, आईटी स्टॉक और रिलायंस इंडस्ट्रीज में बढ़त देखने को मिली।

परेशानियों को लेकर टेक्सटाइल व गार्मेंट उद्यमियों ने केंद्रीय कपड़ा मंत्री को लिखा पत्र

राष्ट्रीय व्यापार सुरक्षा नीति और टेक्सटाइल फ्रॉड प्रोटेक्शन सेल की जरूरत

महानगर संवाददाता

मुंबई। देश का टेक्सटाइल व गार्मेंट उद्योग पिछले कुछ सालों से कई परेशानियों से दो चार हो रहा है, जिसको लेकर हाल ही में कैट की टेक्सटाइल व गार्मेंट समिति ने केंद्र सरकार से देशभर के कपड़ा व्यापारियों के लिए राष्ट्रीय व्यापार सुरक्षा नीति लागू करने की मांग की है। कारोबारियों ने अपनी परेशानियों को लेकर केंद्रीय टेक्सटाइल मंत्री गिरिजराज सिंह को पत्र लिखा है। इसमें कपड़ा उद्योग में बढ़ते संगठित धोखाधड़ी, फर्जी जीएसटी पहचान, साइबर अपराधा और भुगतान को लेकर बढ़ते घोटालों पर चिंता व्यक्त की गई है।

कैट के टैक्सटाइल व गार्मेंट समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष चम्पालाल बोथरा ने बताया कि भारत सरकार से हमने देश भर के कपड़ा व्यापारियों के लिए विशेषकर छोटे और मंझोले कपड़ा कारोबार को ध्यान में रखकर राष्ट्रीय कपड़ा व्यापार सुरक्षा नीति की मांग की है। हमने केंद्र सरकार से हर राज्य में टेक्सटाइल फ्रॉड प्रोटेक्शन सेल को बनाने, व्यापारियों की जीएसटी से जुड़ी समस्या सुनने के लिए राष्ट्रीय टैक्सटाइल व्यापारी डेटाबेस का निर्माण करने और गलत जीएसटी नंबर की पहचान कर उसे कैंसल करने के लिए जीएसटी पोर्टल की निगरानी करने के साथ ही नकली भुगतान स्क्रीनशॉट व साइबर फ्रॉड से बचने के लिए साइबर सुरक्षा प्रणाली को व्यापार के संगठनों से जोड़ने का अनुरोध किया गया है। उनका कहना है कि व्यापारियों की पहचान के लिए सत्यापन प्रणाली लागू करने की आवश्यकता है, इससे कारोबार में होने वाले फ्रॉड लेनदेन पर रोक लगेगी। सरकार को व्यापार धोखाधड़ी बीमा मॉडल पर ध्यान देने की जरुरत है।

बोथरा कहते हैं कि सूरत, कोलकाता, अहमदाबाद, दिल्ली और तिरुपुर, इंदौर, भिवंडी, मालेगांव, जबलपुर जैसे कपड़ा उत्पादक मंडियों में करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी होती है। अकेले सूरत जैसे मार्केट में हाल के महीनों में सौ करोड़ रुपए की ठगी का मामला सामाने आया है। मुंबई के कपड़ा व्यापार संगठन भारत मर्चेंट चैंबर के धर्मेश भट्ट का कहना है कि पिछले कई सालों से टैक्सटाइल व गार्मेंट कारोबार परेशानियों से गुजर रहा है, जिसमें छोटे व मध्यम आकार के कारोबारियों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। जिसकी बड़ी वजह कारोबार में बढ़ती धोखाधड़ी है। मुंबई से लेकर सूरत तक के कपड़ा बाजार में नकली कारोबारी बनकर, जिसमें उनके पास जीएसटी नंबर भी होता है, वे व्यापारी थोड़े पैसे देकर लाखों का माल ले जाते हैं। इसकी वजह से कारोबारी को लाखों रुपए का नुकसान हो रहा है।

भिवंडी पावरलूम के संघ अध्यक्ष सेजपाल बताते हैं कि सरकार को टैक्सटाइल और गार्मेंट उद्योग के लिए सुरक्षा नीति बनाने की जरूरत है, क्योंकि इससे लाखों लोगों का कारोबार और रोजगार जुड़ा हुआ है। भिवंडी पावरलूम की बात करें तो वर्तमान में लाखों इकाइयां बंद हो चुकी हैं और जो बची हुई हैं वो बंद होने की कगार पर हैं।

उत्तर मध्य रेलवे
निविदा संख्या, AGC-EL-C-T-01-2025-26 दिनांक : 03.06.2025
निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य बिजली अभियंता/नि.-/उ.म.रे./आगरा द्वारा निर्धारित फार्म पर निम्नलिखित कार्य हेतु खुली निविदा ऑन लाइन ई-टेन्डरिंग द्वारा आमंत्रित करते हैं।
निविदा संख्याः AGC-EL-C-T-01-2025-26, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल के DHO-SRMT सेक्शन के बीच गेज परिवर्तन N.G to B.G. कार्य के संबंध में **बारी-सरमथुरा (चरण-II)** सेक्शन के बीच विभिन्न स्थानों पर अंडर ग्राउंड एक्सएलपीई केबल द्वारा राज्य विद्युत बोर्ड के 33 केवी, 11 केवी, 440 वोल्ट विद्युत पावर लाइन, ओवर हेड क्रॉसिंग का संशोधन/परिवर्तन/स्थानांतरण का कार्य।
कार्य का अनुमानित लागतः ₹ 2,51,19,809.75/- | **निविदा धरोहर राशिः** ₹ 2,75,600/-
कार्य समापन अवधिः स्वीकृति पत्र के जारी होने से 12 माह तक मानसून अवधि सहित
निविदा बन्द होने की तिथि एवं समयः 27.06.2025 के 15:00 बजे तक
वैधता अवधि : निविदा खोलने की तिथि से 60 दिन
निविदाएं केवल वेब पोर्टल www.ireps.gov.in के माध्यम से दिनांक **27.06.2025 के 15:00** बजे तक जमा की जा सकती है। **पूरी जानकारी के लिए कृपया भारतीय रेल की वेबसाइट** www.ireps.gov.in देखें। 974/25 (MG)
North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे
ई-निविदा सूचना सं. JHS-N-W-26-25 दिनांक : 04.06.2025
ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना
वरिष्ठ मंडल सिगनल व दूरसंचार अभियंता उत्तर मध्य रेल झांसी भारत के राष्ट्रपति के लिए व उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई-टेन्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित करते है।
ई-निविदा सूचना संख्याः JHS-N-W-26-25, **कार्य का नाम** : प्रोविजन ऑफ़ एस एंड टी वर्क इन कनेक्शन विथ दिव्यांगजन फैसिलिटी एट वेरियस स्टेशनस ऑफ़ ब्रांच लाइन सेक्शन ऑफ़ झाँसी डिवीज़न।
कार्य लागत लगभगः ₹ 70,44,499.59 | **धरोहर राशिः** ₹ 1,40,900/-
निविदा प्रपत्र का मूल्यः Nil | **निविदा खुलने की तिथिः** 27.06.2025 Time 15:00
स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन अवधिः 12 माह
• निविदा दिनांक **27.06.2025** को **15:00** बजे तक ऑन लाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेब साइट www.ireps.gov.in (NORTH CENTRAL RLY/JHANSI DIVISION-S AND T) पर देखें। 982/25 (MG)
North central railways @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे
टेन्डर नोटिस नं.: 08/2025 ई-निविदा सूचना दिनांकः 03.06.2025
वरि. मं. सिग. एवं दूर सं. इंजी., उत्तर मध्य रेलवे, आगरा भारत द्वारा राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु "खुली निविदा" केवल ऑनलाइन माध्यम द्वारा (ई-टेन्डरिंग) आमंत्रित की जाती है।
क्र.सं.: 1 | **ई-निविदा सं.:** आगरा-एसटी-2025-20 | **कार्य की लागतः** Rs. 1,18,01,996.92
कार्य का नामः फेलियर को न्यूनतम करने तथा MTJ-AWR और MTJ-AH अनुभाग में विश्वसनीयता में सुधार के लिए BPAC और UFSBI के लिए संचार को सुदृढ़ बनाने का कार्य।
क्र.सं.: 2 | **ई-निविदा सं.:** आगरा-एसटी-2025-21 | **कार्य की लागतः** Rs. 2,19,38,075.56
कार्य का नामः आगरा मंडल में सिग्नलिंग गियर्स का आधुनिकीकरण, उन्नयन, प्रतिस्थापन और सुदृढ़ीकरण का कार्य।
क्र.सं.: 3 | **ई-निविदा सं.:** आगरा-एसटी-2025-22 | **कार्य की लागतः** Rs. 2,03,15,594.42
कार्य का नामः आगरा मंडल पर विश्वसनीयता में सुधार के लिए आगरा कैंट स्टेशन पर दोषपूर्ण सिग्नलिंग केबलों को बदलने का कार्य।
क्र.सं.: 4 | **ई-निविदा सं.:** आगरा-एसटी-2025-23 | **कार्य की लागतः** Rs. 2,26,79,093.19
कार्य का नामः आगरा मंडल के नॉन इंटरलॉक्ड एलसी गेटों और अन्य संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी के प्रावधान का कार्य।
निविदा बन्द दिनांकः 30.06.2025, निविदा की पूर्ण जानकारी एवं ऑनलाइन जमा करने हेतु कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in का अवलोकन करे। निविदाकार अपनी निविदा उपरोक्त वर्णित दिनांक को **15:00 बजे** तक भारतीय रेलवे की वेबपोर्टल www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन जमा कर सकते है। इस निविदा के अन्तर्गत मैनुअल निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी एवं प्राप्त मैनुअल निविदाओं पर विचार नहीं किया जायेगा। 978/25 (ADM)
North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

देश और दुनिया की बड़ी खबरें देखने के लिए स्कैन करें और महानगर टाइम्स को लाइक व सब्सक्राइब करें।

किसकी लापरवाही से गईं 11 जानें!

अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार

आईपीएल-2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की खिताबी जीत का जश्न मनाने के लिए कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में उमड़े जनसैलाब के अनियंत्रित हो जाने और भगदड़ में एक दर्जन लोगों की मौत और करीब तीन दर्जन से अधिक लोगों के घायल की हृदयविदारक घटना से पूरा देश स्तब्ध है। आखिरकार प्रशंसकों के इतनी बड़ी तादात में आने का प्रशासन-प्रशासन अनुमान क्यों नहीं लगा पाया...पुलिस प्रशासन के आयोजन की अनुमति देने से इनकार किए जाने के बाद भी किसकी हठधर्मिता भारी पड़ी और अब इस समूचे घटनाक्रम की जिम्मेदारी लेने से क्यों मुंह छुपाया जा रहा है? ये कुछ सीधे सवाल हैं जिनका जवाब किसी को भी देते नहीं बन रहा है। इस बड़ी अनहोनी के बाद जिम्मेदार अपने गले की फांस एक-दूसरे के गले में डाल कर बचना चाह रहे हैं। दूसरी ओर, अपने नौजवान बच्चों के असमय काल का ग्रास बन जाने से विलाप कर रहे रोते-बिलखते परिजनों को सांत्वना देने जाने वालों का भी कलेजा फटा जा रहा है कि वे कैसे उन्हें समझाएं कि जिम्मेदारों के लापरवाहीपूर्ण कृत्य के कारण उनका घर-संसार उजड़ गया है। आरसीबी ने 18 साल के लंबे इंतजार के बाद आईपीएल की ट्रॉफी जीती, बेशक टी-20 क्रिकेट की सबसे बड़ी लीग में ये मुकाम आसान नहीं है और खिलाड़ियों को जश्न मनाने का पूरा हक है। लेकिन जब इस जश्न में क्रेडिट लेने के मकसद से राज्य सरकार की भूमिका आ जाती है तो लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदार भी प्रशासन की बनती है। आरसीबी की विक्ट्री परेड में शामिल होने के लिए बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में 3 लाख से ज्यादा लोग पहुंच गए, जबकि क्षमता सिर्फ 35 हजार की थी। जाहिर है कि क्षमता से 10 गुणा भीड़ आ जाने के कारण वहां पर प्रशासन के इंतजाम नाकाफी साबित हुए, जिसकी कीमत 11 परिवारों के लोगों को अपनों की जान देकर चुकानी पड़ी। हादसे के बाद चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर लगा जूते-चप्पलों का ढेर खुद-ब-खुद उस भीषण घटना के भयावह मंजर को बयां कर रहा था कि दिलों में खुशी के अरमान लेकर आए उन बदनसीबों पर मौत किस तरह से कहर बनकर बरपी। जिन लोगों ने इस हादसे में अपनों को खोया उनके लिए जश्न पूरी तरह मातम में बदल चुका था। स्टेडियम के भीतर जब खिलाड़ी आईपीएल ट्रॉफी के साथ झूम रहे थे, तब स्टेडियम के बाहर लोग जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे थे। घायलों को अस्पताल पहुंचाने तक के लिए भी लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ी क्योंकि भीड़ की वजह से पूरा बेंगलुरु ठप पड़ गया था और सड़कों पर लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था। हैरान करने वाली बात यह है कि स्टेडियम के बाहर मची भगदड़ के दौरान भी अंदर खिलाड़ी और राज्य सरकार के मंत्री जश्न मनाते रहे! हालांकि कार्यक्रम को छोटा जरूर किया गया था, लेकिन हादसे की जानकारी मिलने के बाद भी जश्न जारी रहा, इससे बड़ी अमानवीयता भला और क्या हो सकती है! स्टेडियम में समारोह के बाद आरसीबी टीम के खिलाड़ी लौट गए और नेता भी अस्पताल में घायलों से मुलाकात करके अपने घरों को चले गए। लेकिन स्टेडियम के बाहर सड़कों पर पड़े जूते-चप्पल हादसे की भयावह कहानी बयां कर रहे थे, क्योंकि हर कोई जा चुका था, लेकिन सिर्फ यही जूते-चप्पल बचे थे। इसे उस बूढ़े बाप की बदनसीबी ही कहा जाएगा, जो खुद पानी-पूरी का ठेला लगाकर अपने बेटे को इस उम्मीद से पढ़ा-लिखा रहा था कि वह कुछ बनकर घर-परिवार की माली हालत को ठीक करने में मदद करेगा। लेकिन बेटे के भीड़ की चपेट में आकर हमेशा के लिए दुनिया से चले जाने के बाद इस गरीब परिवार पर कितना बड़ा वज्रपात हुआ है, इसकी कल्पनामात्र से ही सिहरन दौड़ जाती है। 18 वर्षीय मनोज कुमार बेंगलूरु के प्रेसीडेंसी कॉलेज में फर्स्ट ईयर का छात्र था। उसके पिता बेंगलुरु के उत्तरी इलाके में पानी पूरी बेचते हैं। मनोज अपने पड़ोस में रहने वाले तीन दोस्तों के साथ आरसीबी की जीत के जश्न में शामिल होने गया था। मनोज के दोस्तों के अनुसार, वे भीड़ में उससे बिछड़ गए। मोहम्मद हुसैन (24) नामक एक प्रत्यक्षदर्शी ने मनोज को अस्पताल ले जाने में मदद की। हुसैन के पास ही मनोज का मोबाइल था। मनोज को बॉरिंग अस्पताल में पहुंचाने वाले मोहम्मद हुसैन ने बताया कि दोपहर करीब 3:35 बजे चिन्नास्वामी स्टेडियम के गेट नंबर 20 के बाहर एक घंटे से ज्यादा समय से वेट कर रही भीड़ काफी बेचैन थी। जब आरसीबी के जश्न के लिए ऑनलाइन टिकट चेक करने के लिए गेट को थोड़ा खोला गया, तो भीड़ ने धक्का देकर अंदर घुसना शुरू कर दिया। उस समय वहां सिर्फ तीन पुलिसकर्मी और स्टेडियम के कुछ सुरक्षा गार्ड थे। इससे पहले स्थानीय प्रशासन ने अनिष्ट की आशंका को पहले से ही भांपते हुए इस परेड को निकालने से साफ मना कर दिया था। लेकिन फिर भी यह 'मेगा इवेंट' कैसे हो गया! दरअसल आरसीबी ने सोशल मीडिया पर इस सम्मान समारोह को विक्ट्री परेड के रूप में घोषित किया था, लेकिन सरकार द्वारा सुरक्षा कारणों से परेड की अनुमति देने से इनकार करने के बाद इसे चिन्नास्वामी स्टेडियम में एक निःशुल्क ऑनलाइन टिकट वाले कार्यक्रम में बदल दिया गया। जब इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भीड़ उमड़ पड़ी, तब बेंगलुरु पुलिस कर्नाटक सरकार द्वारा चिन्नास्वामी स्टेडियम से 1 किमी दूर विधान सौधा में आरसीबी का सम्मानित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में सुरक्षा व्यवस्था में लगी हुई थी। यह कार्यक्रम स्टेडियम में होने वाले कार्यक्रम से पहले आयोजित किया गया था। फिलहाल, इसे लेकर सरकार या पुलिस की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। सरकार का यह भी कहना है कि केएससीए यानी कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ कार्यक्रम चाहता था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, राज्य के मुख्यमंत्री ने भी क्रिकेट संघ पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा, हमने कार्यक्रम आयोजित नहीं किया, क्रिकेट संघ ने किया था। हमारी सिर्फ सुरक्षा मुहैया कराने की थी। जितने पास दिए गए थे, उतनी भीड़ आनी थी। अगर ज्यादा लोग पहुंचे, तो हम क्या करें! लेकिन सिर्फ ऐसा कह कर वे अपनी जिम्मेदारी से इसलिए पल्ला नहीं झाड़ सकते क्योंकि लोगों की जान-माल की सुरक्षा करना राज्य की जिम्मेदारी है, और इसमें सरकार पूरी तरह फैल रही है।

आईपीएल-2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की खिताबी जीत का जश्न मनाने के लिए कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में उमड़े जनसैलाब के अनियंत्रित हो जाने और भगदड़ में एक दर्जन लोगों की मौत और करीब तीन दर्जन से अधिक लोगों के घायल की हृदयविदारक घटना से पूरा देश स्तब्ध है। आखिरकार प्रशंसकों के इतनी बड़ी तादात में आने का प्रशासन अनुमान क्यों नहीं लगा पाया...पुलिस प्रशासन के आयोजन की अनुमति देने से इनकार किए जाने के बाद भी किसकी हठधर्मिता भारी पड़ी और अब इस समूचे घटनाक्रम की जिम्मेदारी लेने से क्यों मुंह छुपाया जा रहा है? ये कुछ सीधे सवाल हैं जिनका जवाब किसी को भी देते नहीं बन रहा है। इस बड़ी अनहोनी के बाद जिम्मेदार अपने गले की फांस एक-दूसरे के गले में डाल कर बचना चाह रहे हैं।

मोदी सरकार के सफलतम 11 साल: मध्यम वर्ग की कहानी

निरंतर प्रगति और सहयोगी शासन

एक दशक से भी अधिक समय से, भारत के मध्यम वर्ग ने खुद को राष्ट्र की प्रगति की कहानी के केंद्र में पाया है। उनकी आशाओं, जरूरतों और आकांक्षाओं को न केवल सुना गया है, बल्कि उद्देश्यपूर्ण तरीके से उन पर काम भी किया गया है। कर राहत से लेकर उनके हाथों में अधिक पैसा आने तक, पेंशन योजनाओं से लेकर बुढ़ापे में सुरक्षा का वादा करने तक, पिछले ग्यारह वर्षों में लाखों लोगों के जीवन को आसान, निष्पक्ष और अधिक सम्मानजनक बनाने के लिए लगातार और ईमानदार प्रयास किए गए हैं। सरकार ने लालफीताशाही को खत्म किया है, नियमों को सरल बनाया है और रोजमर्रा की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया है। चाहे टैक्स दाखिल करना हो, घर खरीदना हो, काम पर आना-जाना हो या दवाइयों का खर्च उठाना हो, चीजें सरल और अधिक सुलभ हो गई हैं। ये बिखरे हुए बदलाव नहीं हैं, बल्कि सुधारों का एक पैटर्न है जो आम नागरिकों की वास्तविक चिंताओं को दर्शाता है। इसमें विशेष बात है निरंतरता। साल दर साल, बजट दर बजट, कदम दर कदम, सरकार मध्यम वर्ग के साथ खड़ी रही है। ऐसा करके, उसने न केवल उनकी कड़ी मेहनत का सम्मान किया है, बल्कि उन्हें भारत के विकास के प्रमुख चालकों के रूप में भी मान्यता भी दी है।

सरल कर और सुनिश्चित पेंशन: पिछले ग्यारह वर्षों में, सरकार ने मध्यम वर्ग के जीवन में वास्तविक बदलाव लाने के लिए प्रतीकात्मक उपायों से आगे बढ़कर काम किया है। आयकर दरों को कम करने से लेकर रिटर्न को सरल बनाने तक, हर कदम नागरिकों को उनकी कमाई का ज्यादा हिस्सा रखने देने के मूल विचार के साथ जुड़ा हुआ है।

त्वरित तथ्य: 12.75 लाख रुपए तक की आय पर शून्य कर, करोड़ों लोगों को लाभ। 11 वर्षों में रिटर्न दाखिल करने वालों की संख्या 3.91 करोड़ से बढ़कर 9.19 करोड़ हो गई। 2015-16 और 2024-25 के बीच मुद्रास्फीति औसतन 5 रही, जो 2004-05 से 2013-14 के दौरान 8.2 थी। दृष्टिकोण स्पष्ट है। नागरिकों की बात सुनें, सिस्टम को सरल बनाएं और अपने वादों को पूरा करें। सबसे हालिया कर सुधार, विशेष रूप से केंद्रीय बजट 2025-26 में किए गए सुधार, इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि सरकार ने राष्ट्रीय विकास के स्तंभ के रूप में मध्यम वर्ग पर अपना भरोसा रखा है। चाहे वह शून्य कर के लिए आय सीमा बढ़ाना हो, सरल कर व्यवस्था शुरू करना हो या रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया पहले से कहीं ज्यादा आसान बनाना हो, प्रयास निरंतर और केंद्रित रहे हैं। जो बात सबसे अलग है, वह सिर्फ सुधारों का पैमाना नहीं है, बल्कि ईमानदार, मेहनती करदाताओं के लिए निष्पक्षता और मान्यता की भावना है।

आसान आयकर अनुपालन: पिछले ग्यारह वर्षों में, आयकर नीति ने लगातार सार्थक राहत प्रदान की है। सरकार ने छूट की सीमा बढ़ाई, मानक कटौती शुरू की, 2020 में सरलीकृत कर व्यवस्था शुरू की और कागजी कार्रवाई कम की। इन प्रयासों से करदाताओं का जीवन आसान हुआ है। केंद्रीय बजट 2025-26 में एक और बड़े बदलाव की घोषणा की गई। सालाना 12 लाख रुपए तक कमाने वाले व्यक्ति अब पूंजीगत लाभ जैसी विशेष आय को छोड़कर कोई आयकर नहीं देंगे। 75,000 रुपए की मानक कटौती के साथ, 12.75 लाख रुपए कमाने वाले भी कोई कर नहीं देंगे। मानक कटौती स्वचालित रूप से कर योग्य आय को एक निश्चित राशि से कम कर देती है, जिससे वेतनभोगी कर्मचारियों पर बोझ कम हो जाता है क्योंकि इससे उन्हें कई छूटों का दावा करने या विस्तृत प्रमाण प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होती है। इस सुधार से करोड़ों वेतनभोगी नागरिकों को लाभ होगा। सरकार द्वारा लगभग 1 लाख करोड़ रुपए राजस्व देने के बावजूद आया यह सुधार मध्यम वर्ग की जरूरतों की गहरी समझ को दर्शाता है। आयकर रिटर्न सरलीकरण, कर अनुपालन को आसान बनाने के लिए, व्यक्तिगत करदाताओं को अब पहले से भरे हुए आयकर रिटर्न प्रदान किए जाते हैं। इन रिटर्न में वेतन आय, बैंक ब्याज, लाभांश और बहुत कुछ जैसे विवरण शामिल होते हैं।

यह सहजता व्यक्तिगत रिटर्न फाइलिंग के वृद्धि में परिलक्षित होती है, जो वित्त वर्ष 2013-14 में 3.91 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 9.19 करोड़ रुपए हो गई। यह वृद्धि दर्शाती है कि अधिक लोगों को कर कानूनों का अनुपालन करना सरल और सार्थक लगता है।

फेसलेस आईटी रिटर्न ई-असेसमेंट: 2019 में लॉन्च की गई, फेसलेस ई-असेसमेंट प्रणाली ने व्यक्तियों के लिए कर जांच के तरीके को बदल दिया। इसने आमने-सामने की बैठकों को पूरी तरह से डिजिटल और गुमनाम प्रक्रिया में बदल दिया, जिससे उत्पीड़न की गुंजाइश कम हो गई और विश्वास बढ़ा है। दिल्ली में राष्ट्रीय ई-असेसमेंट केंद्र करदाताओं और मूल्यांकन इकाइयों के लिए संपर्क का एकल बिंदु है। जब कोई आय रिटर्न चुना जाता है, तो धारा 143 (2) के तहत एक नोटिस जारी किया जाता है, और करदाता को 15 दिनों के भीतर जवाब देना होता है। फिर मामला एक स्वचालित प्रणाली के माध्यम से एक मूल्यांकन इकाई को सौंपा जाता है। करदाता को यह नहीं पता होता है कि रिटर्न का मूल्यांकन कौन कर रहा है या इसे कहां संभाला जा रहा है। क्षेत्रीय से गतिशील अधिकार क्षेत्र में यह बदलाव निष्पक्षता सुनिश्चित करता है और विवेकाधिकार को खत्म करता है।

मुद्रास्फीति नियंत्रण: 2014 तक के वर्षों में, बढ़ती कीमतों ने मध्यम वर्ग के परिवारों को लगातार तनाव में रखा। 2009-10 और 2013-14 के बीच, मुद्रास्फीति दोहरे अंकों में रही। भोजन और ईंधन जैसी आवश्यक वस्तुएं लगातार महंगी होती गईं। घरेलू बजट पर दबाव पड़ा और बचत करना पहुंच से बाहर हो गया। 2004-05 से 2013-14 के दशक पर नजर डालें तो औसत वार्षिक मुद्रास्फीति 8.2 प्रतिशत पर रही। मूल्य अस्थिरता की इस लंबी अवधि ने रोजमर्रा की जिंदगी को कठिन बना दिया और भविष्य की योजना बनाना अनिश्चित हो गया। 2014 से चीजें बदलने लगीं। अगले ग्यारह सालों में महंगाई पर पूरी तरह से काबू पाया गया। 2015-16 से 2024-25 तक महंगाई औसत दर गिरकर सिर्फ 5 प्रतिशत

रह गई। यह अंतर सिर्फ आंकड़ों में ही नहीं बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में भी दिखाई देता है। स्थिर कीमतों ने परिवारों को राहत दी। जरूरी चीजें ज्यादा किफायती हो गईं और मासिक खर्चों की योजना बनाना आसान हो गया। यह बदलाव ठोस नीति, रिजर्व बैंक के साथ मजबूत समन्वय और बेहतर आपूर्ति-पक्ष प्रबंधन का नतीजा था। लंबे समय से बढ़ती कीमतों की मार झेल रहे मध्यम वर्ग को आखिरकार राहत मिली और अर्थव्यवस्था में उनका भरोसा फिर से लौटा।

एकीकृत पेंशन योजना: सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने के एक बड़े कदम के तौर पर, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 24 अगस्त, 2024 को एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को मंजूरी दी। यह योजना सेवानिवृत्ति से पहले के अंतिम 12 महीनों के दौरान प्राप्त औसत मूल वेतन के 50 फीसदी के बराबर पेंशन सुनिश्चित करती है, जो कम से कम 25 साल की सेवा वाले कर्मचारियों पर लागू होती है। कम सेवा अवधि वाले लोगों के लिए, पेंशन की गणना आनुपातिक रूप से की जाएगी, जिसमें न्यूनतम योग्यता अवधि 10 वर्ष होगी। 10 वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद रिटायर होने पर न्यूनतम 10,000 रुपए प्रतिमाह की सुनिश्चित पेंशन प्रदान की जाएगी। कर्मचारी की मृत्यु की स्थिति में, उनके परिवार को सुनिश्चित पेंशन के 60 फीसदी के बराबर पेंशन मिलेगी। एकीकृत पेंशन योजना 1 अप्रेल, 2025 से लागू हुई और इससे लगभग 23 लाख केंद्र सरकार के कर्मचारियों को लाभ मिलने की उम्मीद है। कई राज्य सरकारों ने भी इस मॉडल को अपनाया है, जिससे वर्तमान में राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के तहत 90 लाख से अधिक व्यक्तियों तक इसका कवरेज बढ़ा है।

शहरी विकास और कनेक्टिविटी: पिछले ग्यारह वर्षों में, भारत के शहरी परिदृश्य में उल्लेखनीय बदलाव आया है। किफायती आवास उन लोगों तक पहुंच गया है जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। बेहतर सड़कें, स्वच्छ हवा, बेहतर सार्वजनिक सेवाएं और आधुनिक परिवहन व्यवस्था के साथ शहर ज्यादा रहने लायक बन गए हैं। मध्यम वर्ग के लिए, ये गरिमा और सुविधा लाए हैं। ये लाभ दीर्घकालिक दृष्टि, निरंतर वित्तपोषण और प्रभावी क्रियान्वयन का परिणाम हैं। पहली बार घर खरीदने वालों से लेकर रोजाना मेट्रो से यात्रा करने वालों तक, करोड़ों नागरिकों ने अपने घरों, अपनी सड़कों और अपने आस-पड़ोस में बदलाव महसूस किया है।

स्मार्ट सिटीज मिशन: 25 जून, 2015 को शुरू किए गए स्मार्ट सिटीज मिशन ने भारतीय शहरों को एक नया जीवन दिया। इसने लोगों के रहने, घूमने, काम करने और अपना समय बिताने के तरीके को फिर से परिभाषित किया। 2025 तक, 7545 स्वीकृत परियोजनाओं में से 93 प्रतिशत पूरी हो गई थीं, जिनका कुल निवेश 1.51 लाख करोड़ रुपए से अधिक था। 100 स्मार्ट शहरों में से प्रत्येक अब एक एकीकृत कमांड और नियंत्रण केंद्र चलाता है। ये केंद्र बेहतर सुरक्षा, यातायात नियंत्रण, अपशिष्ट संग्रह और जल प्रबंधन में सहयोग करते हैं।

83,000 से अधिक सीसीटीवी कैमरे, 1,884 आपातकालीन कॉल बॉक्स और 3,000 सार्वजनिक पता प्रणाली अब शहरों को सतर्क और उत्तरदायी रहने में मदद करती हैं। 1,200 से अधिक सार्वजनिक स्थान परियोजनाओं ने शहर के पार्कों, झील के किनारों और बाजारों में जीवन वापस ला दिया है। 2,300 सरकारी स्कूलों में 9,400 स्मार्ट कक्षाओं और 41 नई डिजिटल लाइब्रेरी के साथ शिक्षा में सुधार हुआ है। 15 शहरों में 3,100 अस्पताल के बिस्तरों और डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड पेश करने के साथ स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को भी बढ़ावा मिला। आवास के मामले में, 23 स्मार्ट शहरों ने 35,000 किफायती घर बनाए। स्मार्ट तकनीक का उपयोग करके जल आपूर्ति, ठोस अपशिष्ट और सीवरेज सिस्टम को उन्नत किया गया। 1,700 किलोमीटर स्मार्ट सड़कों, 713 किलोमीटर साइकिल लेन, 23,000 साइकिल और 1,500 से अधिक बसों को सार्वजनिक बेड़े में शामिल करने से परिवहन सुगम हो गया। 50 से अधिक शहरों ने 200 से अधिक उच्च-प्रभाव वाली परियोजनाओं को पूरा करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी की ओर रुख किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी): प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) लाखों मध्यम-वर्ग और निम्न-आय वाले परिवारों के लिए एक मजबूत आशा बन गई है। 2015 में शुरू की गई यह योजना हर भारतीय के लिए एक सुरक्षित और सम्मानजनक घर के लक्ष्य की ओर लगातार आगे बढ़ी है। यह योजना सिर्फ घर बनाने तक ही सीमित नहीं है। इसने शहरों के परिवारों को गर्व, स्थिरता और सशक्तिकरण दिया है। इसका विस्तार, पहुंच और निष्पक्षता पर जोर ने इसे स्वतंत्र भारत में सबसे प्रभावशाली शहरी कल्याण योजनाओं में से एक बनाया है। केंद्र ने सहायता के रूप में 1.97 लाख करोड़ रुपए देने का वादा किया है। इसमें से 1.69 लाख करोड़ रुपए पहले ही जारी किए जा चुके हैं। 2014 से 2025 तक, 19 मई तक, 1.16 करोड़ से ज्यादा घरों को मंजूरी दी गई। 1.12 करोड़ से ज्यादा घरों का निर्माण शुरू हो चुका है। 92.72 लाख से ज्यादा घर बनकर तैयार हो चुके हैं या सौंपे जा चुके है। ये सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, ये प्रगति की ठोस कहानियां हैं।

मेट्रो रेल विस्तार: दशकों में शहरी परिवहन में सबसे बड़ी तेजी देखी गई। अब 29 शहरों में मेट्रो रेल चल रही है या बन रही है। मई 2025 तक, भारत में 1,013 किलोमीटर मेट्रो लाइन परिचालन में थी, जो 2014 में सिर्फ 248 किलोमीटर थी। यानी सिर्फ ग्यारह साल में 763 किलोमीटर का इजाफा। कुल मेट्रो रेल नेटवर्क के मामले में भारत अब दुनिया भर में तीसरे स्थान पर है। इस अवधि में 992 किलोमीटर की 34 मेट्रो परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। 2013-14 में प्रतिदिन 28 लाख यात्रियों की संख्या अब 1.12 करोड़ को पार कर गई है। नई लाइनें चालू करने की गति नौ गुना बढ़ गई है। औसतन अब हर महीने 6 किलोमीटर मेट्रो लाइनें चालू हो रही हैं, जबकि 2014 से पहले यह आंकड़ा सिर्फ 0.68 किलोमीटर प्रति महीने था। मेट्रो रेल के लिए वार्षिक बजट भी छह गुना से अधिक बढ़ गया है, जो 2013-14 में 5,798 करोड़ से बढ़कर 2025-26 में 34,807 करोड़ रुपए हो गया है।

उड़ान योजना: 21 अक्टूबर, 2016 को शुरू की गई उड़ान योजना ने आम नागरिकों के लिए हवाई यात्रा को सस्ता और सुलभ बना दिया है। अपने छठे वर्ष में, उड़ान ने 625 मार्गों के माध्यम से 2 जल हवाई अड्डों और 15 हेलीपोर्ट सहित 90 हवाई अड्डों को जोड़ा है। 27 अप्रेल, 2017 को शिमला से दिल्ली के लिए पहली उड़ान भरी गई। तब से, 1.49 करोड़ से अधिक यात्रियों को कम लागत वाली क्षेत्रीय हवाई यात्रा का लाभ मिला है। भारत का हवाई अड्डा नेटवर्क 2014 में 74 हवाई अड्डों से बढ़कर 2024 में 159 हो गया है। वंचित क्षेत्रों में हवाई संपर्क का समर्थन करने के लिए व्यवहार्यता अंतर निधि के रूप में 4,023.37 करोड़ रुपए वितरित किए गए। इस योजना ने पर्यटन को बढ़ावा दिया है, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच में सुधार किया है और टियर 2 और टियर 3 शहरों में व्यापार को बढ़ावा दिया है, जिससे समावेशी क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिला है।

रियल एस्टेट विनियमन: घर खरीदने वालों के हितों की रक्षा करने और आवास क्षेत्र में पारदर्शिता लाने के लिए, संसद ने 2016 में रियल एस्टेट (विनियमन और विकास) अधिनियम पारित किया। यह रियल एस्टेट लेनदेन में जवाबदेही की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। आरईआरए के तहत, प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश ने एक नियामक प्राधिकरण स्थापित किया, जिसे पंजीकृत विकास के लिए परियोजना विवरण सूचीबद्ध करने वाले सार्वजनिक पोर्टल को बनाए रखने का काम सौंपा गया। 17 मार्च, 2025 तक, पूरे भारत में रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरणों द्वारा 1.4 लाख से अधिक उपभोक्ता शिकायतों का समाधान किया गया है। यह दर्शाता है कि कैसे कानून ने रियल एस्टेट बाजार में विश्वास बहाल करने और निष्पक्ष व्यवहार सुनिश्चित करने में मदद की है।

स्वास्थ्य सेवा की सुलभता और वहनीयता: भारत में स्वास्थ्य सेवा ने पिछले ग्यारह वर्षों में एक मौन लेकिन दूरगामी बदलाव देखा है। लक्षित सार्वजनिक योजनाओं और डिजिटल पहुंच के मिश्रण के माध्यम से, सरकार ने लाखों लोगों, खासकर मध्यम वर्ग के लिए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को किफायती और सुलभ बनाया है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए मुफ्त अस्पताल में भर्ती से लेकर देशभर में उपलब्ध कम कीमत वाली दवाओं तक, आज लोगों के पास अपने स्वास्थ्य खर्चों पर बेहतर नियंत्रण है। इन योजनाओं का समर्थन करने वाली डिजिटल रीढ़ ने नामांकन, पहुंच और ट्रैकिंग को पहले से कहीं ज्यादा आसान बना दिया है। इस बदलाव ने मध्यम वर्ग को नौकरशाही की बाधाओं के बिना दवाओं पर बचत, समय पर उपचार और चिकित्सा सुरक्षा का लाभ उठाने का अवसर दिया है।

आयुष्मान भारत: सुरक्षा जाल का विस्तार: आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक रूप से वित्तपोषित स्वास्थ्य आश्वासन योजनाओं में से एक बनकर उभरी है। 3 मई, 2025 तक, 33 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 40.84 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। इस योजना ने 1,19,858 करोड़ रुपए मूल्य के 8.59 करोड़ लोगों को अस्पताल में भर्ती होने में सक्षम बनाया है, जिससे परिवारों को कर्ज में डाले बिना माध्यमिक और तृतीयक देखभाल तक पहुंच सुनिश्चित हुई है। 31,916 सूचीबद्ध अस्पतालों का एक नेटवर्क सुविधा को और बढ़ाता है। 29 अक्टूबर,2024 को, इस योजना का 70 और उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों के लिए, चाहे उनकी आय कुछ भी हो विस्तार किया गया है। यह विस्तार बुजुर्ग मध्यम वर्ग के लिए स्वास्थ्य सेवा के वित्तीय बोझ को कम करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

जन औषधि: दवाओं को किफायती बनाना: प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) ने जरूरी दवाओं को आम नागरिक की पहुंच में ला दिया है। 20 मई, 2025 तक जन औषधि केंद्रों की संख्या 2014 में सिर्फ 80 से बढ़कर 16,469 हो गई थी। ये आउटलेट ब्रांडेड विकल्पों की तुलना में 50 से 80 फीसद कम कीमत पर दवाइयां देते हैं, साथ ही डब्ल्यूएचओ प्रमाणित आपूर्तिकर्ताओं के जरिए सख्त गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित किया जाता है। यह योजना प्रतिदिन लगभग 10 से 12 लाख लोगों को सेवा प्रदान करती है, और पिछले ग्यारह वर्षों में संचयी बचत 38,000 करोड़ रुपए से अधिक होने का अनुमान है। मधुमेह या हृदय रोग जैसी पुरानी बीमारियों का इलाज करने वाले मध्यम वर्ग के लिए, इसने वास्तविक और स्थाई राहत दी है। उत्पाद श्रेणी में अब 2,110 दवाइयां और 315 सर्जिकल उत्पाद शामिल हैं, जो सभी प्रमुख उपचारों को कवर करते हैं। लाखों परिवारों, विशेष रूप से मध्यम वर्ग के लिए, इस योजना का मतलब कम वित्तीय तनाव और अधिक मानसिक शांति है।

शिक्षा और कौशल विकास

त्वरित तथ्य: पीएमकेवीवाई ने महिलाओं और हाशिए पर पड़े समूहों सहित 1.63 करोड़ युवाओं को प्रशिक्षित किया। एनएपीएस ने 2016 से अब तक 40 लाख प्रशिक्षुओं को सीधे वजीफा भुगतान के साथ रखा है। आईटीआई 9,977 से बढ़कर 14,615 हो गए, नामांकन बढ़कर 14 लाख हो गए। पिछले 11 वर्षों में, सरकार ने भारत के महत्वाकांक्षी मध्यम वर्ग के लिए कौशल और सीखने के परिदृश्य को फिर से परिभाषित किया है। रोजगार, समावेशिता और उद्योग संरेखण पर स्पष्ट ध्यान देने के साथ, कार्यक्रमों के एक विस्तृत नेटवर्क ने लाखों भारतीयों को नौकरी के लिए कौशल हासिल करने में मदद की है। (पीआईबी से साभार)

राशिफल

आज दिनांक 6 जून, 2025, शुक्रवार, विक्रम संवत् 2082, ज्येष्ठ माह, शुक्ल पक्ष एकादशी, हस्त नक्षत्र, वणिज करण, व्यातिपात योग, राहुकाल: सुबह 10:45 से 12.25 बजे तक, सूर्योदय सुबह 5:44 बजे, सूर्यास्त सायं 7:06 बजे, चंद्रोदय दोपहर 3.02 बजे, चंद्रास्त रात 2:29 बजे, अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11:58 बजे से 12:52 बजे, ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4:08 से 4:56 बजे तक, चंद्रमा कन्या राशि में संचार करेगा।

मेष: आज का दिन आपके लिए खुशियां लेकर आ रहा है। आप दूसरों पर कम और खुद पर ज्यादा भरोसा करें। आज बिजनेस में सामान्य रहेगा, नौकरी में ट्रांसफर होगा। पत्नी के साथ नोक-झोंक रहेगी। चिंता और तनाव से भरा रहेगा। पैसे की कमी का असर व्यवसाय और जीवन पर दिखेगा। बच्चे घूमने की जिद्द करेंगे। संभलकर रहें।

वृषभ: आज का दिन कहासुनी में बीतने वाला है। अत: विवाद से दूर रहने में भलाई है, नकल में अकल की जरूरत है तो इससे दूर रहें। आप कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं। आज काम कम और मस्ती ज्यादा करेंगे। कारोबार पर लक्ष्मी मेहरबान रहेगी।

मिथुन: आज का दिन फायदेमंद रहेगा, अगर समझदारी से काम लेते हैं। बिजनेस के सिलसिले में यात्रा संभव है। मां का ख्याल रखें। पत्नी के लिए कुछ करें वरना संबंधों में दूरी हो जाएगी। अनाज की खेती और व्यवसाय में लाभ मिलेगा। खान-पान पर ध्यान देंगे तो सेहत बढ़िया रहेगी।

कर्क: आज जातक की उलझने बढ़ने वाली है। दोस्तों से दूर रहें। वरना नुकसान तय है। किसी पार्टी का हिस्सा बनने से बचें। आज नशा और तामसिक चीजों से दूर रहें। प्यार आपके लिए नहीं है ऐसा महसूस करेंगे। आज नौकरी की तलाश जारी रहेगी।

सिंह: आज का दिन पढ़ाई करने वाले जातकों के लिए अच्छा गुजरेगा। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। परिवार के मांगलिक आयोजन में जाएंगे। प्यार करने वालों के लिए अच्छा है। बस फ्लर्ट करने से बचें। वरना रिश्ते खराब हो जाएंगे। लालच न करें वरना जो पास है वो भी चला जायेगा। लेन-देन और क्रय-विक्रय से लाभ मिलेगा।

कन्या: आज के दिन उतार-चढ़ाव रहेगा। सेहत का ध्यान रखें, कोरोना दस्तक दे रहा है, लेकिन आप अपनी सुरक्षा खुद तय करें। किसी से बेवजह संपर्क न करें। बिजनेस को लेकर बड़ी डील संभव है। पड़ोसी से मतभेद संभव है। बच्चों की सेहत को लेकर सतर्क रहें, अन्यथा परेशान होंगे। आज नौकरी छोड़ने का मन बना लेंगे जो सही रहेगा।

तुला: आज के दिन आपको महसूस होगा, जो दे रहा है सब ईश्वर है। अध्यात्म पर आपका झुकाव रहेगा। आपकी वजह से आज सब प्रसन्न रहेंगे। लेकिन काम में कमी आपको बर्दाश्त नहीं होगी। फायदेमंद सौदा करेंगे, किसी को धोखा नहीं देंगे।

वृश्चिक: आज के दिन बच्चों का ख्याल रखें। मौसम बदलने से तबीयत खराब होगी। आज प्रेम से बात बनाने की कोशिश करें। आपका साथी आपको धोखा दे रहा है इसका अहसास होगा। संयम से काम लें। किसी काम में फायदा होगा। रिसर्च में आपका नाम होने वाला है।

धनु: आज का दिन किसी के लिए दिल धड़केगा। किसी से इजहार के लिए समय उत्तम है। बिजनेस में नई योजना बनाएंगे। सेहत का ख्याल रखें। अपने से बड़ों की रिस्पेक्ट करें। कारोबार में लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, कोरोना संक्रमण हो सकता है।

मकर: आज का दिन लाभ हानि में फंस कर बीतेगा। दोस्तों से मुलाकात रिफ्रेशमेंट का काम करेगी। नौकरी में उन्नति के योग बन रहे हैं। विदेश जाने की योजना सफल होगी। घर पर मेहमान आएंगे। व्यवसाय में लाभ मिलेगा। आग और बिजली से दूर रहें।

कुंभ: आज काम धंधे को लेकर व्यस्त रहेंगे। किसी मित्र की मदद करेंगे। प्यार में साथी का नजरअंदाज रवैया आपको तकलीफ देगा। आपके निजी रिश्ते की पोल भी खुल सकती है। सेहत अच्छा रहेगी। शेयर मार्केट में धन लगाने के लिए सचेत रहें।

मीन: आज का दिन बहुत बढ़िया रहने वाला है। आप किसी तीसरे के बहकावे में आएंगे। प्यार में साथी का मन बदलता नजर आने वाला है। आपका दिन काम काज को लेकर उठापटक वाला रहेगा। कहीं निवेश करना चाहते हैं तो बहुत अच्छा समय है। पैतृक संपत्ति का लाभ मिलेगा। बाहर के लोगों से संपर्क कम रखेंगे तो अच्छा रहेगा।

जो मिला है उसकी महत्ता को समझें

प्रेरक प्रसंग

एक नेत्रहीन व्यक्ति रोज शाम को सड़क के किनारे खड़े होकर भीख मांगा करता था। जो थोड़े-बहुत पैसे मिल जाते उन्हीं से अपनी गुजर-बसर किया करता था। एक शाम वहां से एक बहुत बड़े रईस गुजर रहे थे। उन्होंने उसे देखा तब उन्हें अंधे की फटेहाल स्थिति पर बहुत दया आई और उन्होंने सौ रुपए का नोट उसके हाथ में रखते हुए आगे की राह ली।

उस अंधे आदमी ने नोट को टटोलकर देखा और समझा कि किसी आदमी ने उसके साथ ठिठोली भरा मजाक किया है क्योंकि उसने सोचा कि अब तक उसे सिर्फ 5 रुपए तक के ही नोट मिला करते थे, जो कि हाथ में पकड़ने पर सौ के नोट की अपेक्षा वह बहुत छोटा लगता था और उसे लगा कि किसी ने सिर्फ कागज का टुकड़ा उसके हाथ में थमा दिया है और उसने नोट को खिन्न मन से कागज समझकर जमीन पर फेंक दिया। उसी समय एक सज्जन पुरुष जो वहीं खड़े ये दृश्य देख रहे थे, उन्होंने नोट को उठाया और अंधे व्यक्ति को देते हुए कहा- यह सौ रुपए का नोट है!' तब वह बहुत ही प्रसन्न हुआ और उसने अपनी आवश्यकताएं पूरी कीं।

ज्ञानचक्षुओं के अभाव में हम सब भी भगवान के अपार दान को देखकर यह समझ नहीं पाते और हमेशा यही कहते रहते हैं कि हमारे पास कुछ नहीं है, हमें कुछ नहीं मिला, हम साधनहीन हैं, पर यदि हमें जो नहीं मिला उन सबकी शिकायत करना छोड़कर, जो मिला है उसकी महत्ता को समझें तो हमें मालूम पड़ेगा कि जो हम सबको मिला है वो कम नहीं अद्भुत है।

सुडोकु 2131

	6			9				
	9					7		
	1	5						2
			7	6	3			
	3			2				
2						8		
	7	9	5			3		
6				1				
1	5	8			7	9		6

संकेत: आड़े, खड़े व 3 गुणा 3 के वर्ग में 1 से 9 तक के अंक इस प्रकार भरें कि किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो। उत्तर अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा।

सुडोकु 2130 का हल

5	4	6	2	7	1	3	9	8
2	3	1	9	8	6	7	4	5
8	7	9	3	4	5	1	2	6
9	1	5	6	3	4	2	8	7
7	2	8	1	5	9	4	6	3
4	6	3	8	2	7	5	1	9
3	9	2	5	1	8	6	7	4
1	8	4	7	6	3	9	5	2
6	5	7	4	9	2	8	3	1

अगली 5 फिल्मों से बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाएंगी आलिया भट्ट

बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में से एक आलिया भट्ट अपनी शानदार एक्टिंग और दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उनकी आने वाली फिल्मों की लिस्ट फैंस के बीच उत्साह बढ़ा रही है। आलिया की ये फिल्में अलग-अलग जॉनर की हैं, जो उनके बहुमुखी अभिनय को दर्शाती हैं। आइए, जानते हैं उनकी आगामी पांच फिल्मों के बारे में दिलचस्प जानकारी।

अल्फा

आलिया भट्ट यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स फिल्म 'अल्फा' में एक्शन अवतार में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ शरवरी वाघ भी होंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म में आलिया और शरवरी के अलावा बॉबी देओल विलेन की भूमिका में नजर आएंगे। यह एक एक्शन-थ्रिलर फिल्म है, जिसकी शूटिंग शुरू हो चुकी है और यह 25 दिसंबर को रिलीज होने वाली है। खबर है कि ऋतिक रोशन भी इसमें कैमियो रोल कर सकते हैं।

लव एंड वॉर

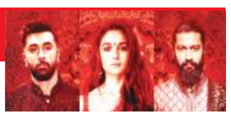

संजय लीला भंसाली की फिल्म 'प्यार और युद्ध' में आलिया, रणबीर कपूर और विक्की कौशल नजर आएंगे। यह एक रोमांटिक ड्रामा है, जिसकी कहानी युद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म की शूटिंग मुंबई में चल रही है और इस फिल्म को 20 मार्च 2026 को रिलीज करने की योजना है। फैंस इस तिकड़ी को बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्साहित हैं। इस फिल्म का निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं।

ब्रह्मास्त्र: पार्ट 2

ब्रह्मास्त्र: पार्ट 1 की सफलता के बाद, आलिया और रणबीर कपूर इस फ्रेंचाइजी के दूसरे भाग में फिर से ईशा और शिवा के किरदार में नजर आएंगे। अयान मुखर्जी के निर्देशन में बन रही यह फिल्म अपने शानदार विजुअल इफेक्ट्स और पौराणिक कहानी के लिए जानी जाएगी। इसकी शूटिंग जल्द शुरू होने की उम्मीद है।

चामुंडा

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आलिया, दिनेश विजन की सुपरनैचुरल थ्रिलर 'चामुंडा' में नजर आ सकती हैं। यह फिल्म मैडॉक हॉरर यूनिवर्स का हिस्सा होगी। इसकी कहानी और किरदारों के बारे में अभी ज्यादा खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन यह आलिया के लिए एक नया जॉनर होगा।

इंशाअल्लाह

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, संजय लीला भंसाली की एक और फिल्म 'इंशाअल्लाह' में आलिया मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। इस फिल्म को लेकर फैंस में काफी उत्साह है, हालांकि अभी इसकी कहानी और कास्ट के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

अजय देवगन की 'धमाल 4' और यश की 'टॉक्सिक' में ईद 2026 पर टकराव तय

अजय देवगन एक बार फिर 'धमाल ' की मस्तीभरी दुनिया में वापसी कर रहे हैं। फिल्म 'धमाल 4' की शूटिंग मुंबई में शुरू हो चुकी है और इसके निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं इंद्र कुमार। कॉमेडी से भरपूर इस मल्टीस्टारर फ्रेंचाइजी की पिछली तीनों किस्तों को दर्शकों ने हाथों-हाथ लिया था और अब चौथे पार्ट को लेकर भी काफी उत्साह है, लेकिन इस बार यह फिल्म सीधे-सीधे एक बड़ी टक्कर के लिए तैयार हो रही है।

दरअसल, साउथ के सुपरस्टार यश की बहुप्रतीक्षित एक्शन फैंटेसी फिल्म 'टॉक्सिक' 19 मार्च 2026 को रिलीज हो रही है। वहीं, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 'धमाल 4' भी इसी हफ्ते ईद के मौके पर सिनेमाघरों में उतर सकती है। यानी बॉक्स ऑफिस पर दो बड़ी फिल्मों की सीधी भिड़ंत तय है।

'टॉक्सिक' को लेकर खास क्रेज इसलिए भी है, क्योंकि यह यश की केजीएफ 2 के बाद पहली फिल्म होगी। इसे कन्नड़ और अंग्रेजी में एकसाथ शूट किया जा रहा है और इसका निर्देशन कर रही हैं गीतू मोहनदास। हाल ही में रिलीज हुआ फिल्म का टीजर सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ और इसे दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। यश के अनुसार उन्होंने यह फिल्म किसी दबाव में नहीं, बल्कि गहराई से सोचकर साइन की है।

वहीं, 'धमाल 4' में भी मजेदार सीन्स और सितारों की टोली एक बार फिर दर्शकों को गुदगुदाने को तैयार है। अजय देवगन ने हाल ही में एक जरूरी सीन के लिए अपने को-स्टार्स को मनाकर शूट पूरा किया। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट को लेकर ऑफिशियल ऐलान अब तक नहीं हुआ है, लेकिन उम्मीद जताई जा रही है कि यह भी ईद के आस-पास ही रिलीज होगी।

बॉक्स ऑफिस पर मुकाबला और भी दिलचस्प होगा क्योंकि उसी हफ्ते संजय लीला भंसाली की भव्य फिल्म 'लव एंड वॉर' भी 20 मार्च 2026 को रिलीज होगी। इस फिल्म में रणबीर कपूर, विकी कौशल और आलिया भट्ट की तिकड़ी नजर आएगी, जो पहले ही लोगों में भारी उत्सुकता जगा चुकी है। अब देखना यह होगा कि कॉमेडी, एक्शन और रोमांस से भरी इन तीन बड़ी फिल्मों में से कौन-सी दर्शकों के दिलों और बॉक्स ऑफिस पर राज करती है। लेकिन इतना तय है कि मार्च 2026 का तीसरा सप्ताह फिल्मी दर्शकों के लिए किसी त्योहार से कम नहीं होगा।

युवा एक बेहतर दुनिया गढ़ रहे हैं, यह सशक्त अनुभव हैः संजना सांघी

भारतीय अभिनेत्री और समाजसेवी संजना सांघी संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के साथ अपने प्रभावशाली सहयोग के माध्यम से वैश्विक परिवर्तन की एक प्रमुख आवाज बनकर उभरी हैं। एक यूएनडीपी यूथ चैंपियन के रूप में, संजना अपने मंच का उपयोग युवाओं के सशक्तीकरण और सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए करती हैं। यूएनडीपी, जो संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख एजेंसी है, 170 से अधिक देशों में काम करती है, ताकि गरीबी को समाप्त किया जा सके, असमानता को कम किया जा सके और समुदायों को सशक्त बनाकर उन्हें सतत भविष्य के लिए तैयार किया जा सके। यह संगठन देशों को नीतियां बनाने, नेतृत्व मजबूत करने और क्षमताओं का निर्माण करने में मदद करता है, ताकि वे सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को हासिल कर सकें। संजना सांघी 2024 में यूएन मुख्यालय में यूएन महासभा को संबोधित करने वालीं सबसे युवा वक्ता बनीं। यह वही मंच है, जहां पहले प्रियंका चोपड़ा जोनास भी अपना संबोधन दे चुकी हैं। कॉलेज के दिनों से ही जमीनी स्तर पर परिवर्तन लाने के प्रयासों में सक्रिय रहीं संजना, आज एक वैश्विक अभियान का चेहरा बन चुकी हैं। अपने अनुभव के बारे में संजना ने कहा, 'यह बेहद प्रेरणादायक है कि युवा सिर्फ बेहतर दुनिया का सपना नहीं देख रहे हैं, बल्कि उसे सच करने की पुरजोर कोशिश में भी लगे हुए हैं। यूएनडीपी के साथ मेरा सहयोग इन आवाजों को आगे बढ़ाने और उनके समाधानों के लिए मंच तैयार करने का एक माध्यम है। उन्होंने आगे कहा कि यूएनडीपी के साथ काम करना एक समृद्ध अनुभव रहा है और यह एक सौभाग्य की बात है कि वह एक ऐसे वैश्विक मिशन का हिस्सा हैं, जो जीवन को सीधे प्रभावित करता है और अगली पीढ़ी को एक सतत भविष्य का निर्माता बनने के लिए सशक्त करता है, चाहे वह वंचित समुदायों के बीच शिक्षा का प्रसार हो या फिर युवाओं के बीच डिजिटल साक्षरता और लैंगिक समानता को बढ़ावा देना। इस वर्ष संजना को यूएन मुख्यालय में आमंत्रित किया गया था, जहां उन्होंने 'यूथ फॉर चेंज' अभियान का नेतृत्व किया, जो कि युवाओं को न्यायसंगत और समान दुनिया के निर्माण में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करने वाला यूएन का प्रमुख वैश्विक अभियान है। यह पहल युवाओं को परिवर्तन के सक्रिय प्रतिनिधि के रूप में सामने लाने का प्रयास करती है और उन्हें महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों से जुड़ने तथा अभिनव समाधान देने के लिए प्रेरित करती है। अंततः संजना 2025 की यूथ को-लैब का समापन समारोह शुरू करेंगी, जो इस अभियान का तीसरा सफल वर्ष होगा। नीति आयोग के सहयोग से चलने वाली यह पहल प्रभाव-आधारित स्टार्टअप्स के लिए एक महत्वपूर्ण इनक्यूबेटर का कार्य करती है। इसमें संजना की भागीदारी युवा सामाजिक उद्यमियों को सम्मानित करने और अगली पीढ़ी को सामाजिक भलाई के उद्देश्य से व्यापार निर्माण की प्रेरणा देने का कार्य करेगी।

दो साल तक डिप्रेशन में रहीं पायल घोष

मौजूदा स्थिति पर दी अपडेट

अभिनेत्री पायल घोष ने बताया कि पिछले दो सालों से वह काम न मिलने के कारण डिप्रेशन और एंग्जाइटी से जूझ रही थीं। उन्होंने बताया कि इस मुश्किल दौर में उन्हें न तो इंडस्ट्री से और न ही परिवार या दोस्तों से कोई सहारा मिला। वह पूरी तरह अकेली थीं और कई बार घर में बंद रहकर रोती थीं।

पायल ने अपनी मानसिक स्थिति को संभालने के लिए डॉक्टरों की मदद और दवाइयों का सहारा लिया। उन्होंने कहा कि दो साल तक काम न मिलना बहुत मुश्किल था, जिससे उनकी बचत भी खत्म होने लगी थी।

पायल ने बताया, 'न तो मुझे इंडस्ट्री से कोई सपोर्ट मिला, चाहे वो मेरे जानने वाले हों या जिनके साथ मैंने पहले काम किया हो और न ही मेरे प्रियजनों से। यह सब मेरे लिए अकेलापन भरा था। हर एक्टर ऐसे दौर से गुजरता है, जब आप चाहे जो भी कोशिश करें, सब कुछ आपके खिलाफ काम कर रहा होता है और कुछ भी आपके पक्ष में काम नहीं कर रहा होता। पिछले दो साल मेरे लिए ऐसे ही रहे। ऐसे कई मौके आए, जब मैं अकेले रोई हूं। चिंता, तनाव और सदमे से खुद को घर में बंद करके कई दिन बिताए हैं। चाहे मेरा परिवार हो या इंडस्ट्री, मुझे किसी से कोई सपोर्ट नहीं मिला और मैं घर पर अकेली थी।'

पायल ने बताया कि उन्हें बढ़ती परेशानियों के लिए पेशेवरों की मदद लेनी पड़ी, अकेलेपन ने मुझे बहुत परेशान किया और इसने मेरे मानसिक स्वास्थ्य को बहुत बुरी तरह प्रभावित किया। मुझे उन पूरे 2 सालों के लिए पेशेवर मदद और दवा का सहारा लेना पड़ा और हर दिन एक बुरे सपने की तरह था। 2 साल तक बिना काम के रहना एक लंबा समय है। मेरी बचत खत्म हो रही थी, जिंदगी पर असर पड़ रहा था। हालांकि, अब धीरे-धीरे उनके लिए काम के मौके बढ़ रहे हैं और चीजें बेहतर हो रही हैं। पायल ने उम्मीद जताई कि जल्द ही उनके प्रोजेक्ट्स दर्शकों तक पहुंचेंगे और चीजें बेहतर होंगी। उन्होंने यह भी कहा कि वह नहीं चाहतीं कि कोई और इस तरह के तनाव और एंग्जाइटी से गुजरे। उन्होंने बताया कि धीरे-धीरे स्थिति ठीक हो रही हैं, 'भगवान की कृपा से अब धीरे-धीरे और लगातार चीजें बेहतर हो रही हैं और काम के ऑफर मिलने लगे हैं। मैं प्रार्थना करती हूं कि जल्द मेरा काम दर्शकों के लिए सामने आएगा।'

ईशा गुप्ता धमाल 4 की हीरोइन बनीं, अजय देवगन संग करेंगी धमाल निर्देशक इंद्र कुमार ने की तारीफ

बॉलीवुड की ग्लैमरस अभिनेत्री ईशा गुप्ता अब कॉमेडी फिल्म फ्रेंचाइजी 'धमाल 4' में अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरने के लिए तैयार हैं। निर्देशक इंद्र कुमार के निर्देशन में बन रही इस बहुचर्चित फिल्म में ईशा गुप्ता अभिनेता अजय देवगन के अपोजिट एक अहम किरदार में नजर आएंगी। यह जोड़ी इस साल की सबसे दिलचस्प कास्टिंग मानी जा रही है। ईशा गुप्ता अपनी खूबसूरती, आत्मविश्वास से भरपूर स्क्रीन प्रेजेंस और दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं।

उन्होंने 'धमाल 3' में भी अपने स्टाइल और तेवरों भरे किरदार से दर्शकों को खूब प्रभावित किया था, जिसे काफी पसंद किया गया था। अब 'धमाल 4' में उनकी वापसी एक 'फुल-सर्कल मोमेंट' की तरह है और इस बार उनका किरदार और भी बोल्ड तथा कहानी में केंद्रीय भूमिका निभाने वाला होगा।

निर्देशक इंद्र कुमार ने ईशा के साथ एक बार फिर काम करने पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, 'हम बहुत खुश हैं कि ईशा गुप्ता दोबारा 'धमाल 4' में हमारे साथ हैं। वह 'धमाल 3' का भी हिस्सा रही थीं। वह एक बेहतरीन अभिनेत्री और शानदार इंसान हैं। उनके साथ काम करना हमेशा सुखद अनुभव होता है।'

यह बयान ईशा के पेशेवर कौशल और व्यक्तिगत गुणों दोनों की सराहना करता है। हालांकि फिल्म में ईशा के किरदार की ज्यादा जानकारी अभी गोपनीय रखी गई है, लेकिन यह तय है कि वह सिर्फ ग्लैमर के लिए नहीं, बल्कि कहानी की दिशा और हास्य में भी बड़ी भूमिका निभाने वाली हैं। उनका किरदार कहानी में बड़े मोड़ और जबरदस्त कॉमिक मोमेंट्स लेकर आएगा।

हाल ही में ईशा ने हनी सिंह और जुबिन नौटियाल के साथ 'ब्राउन आइज वाली' और 'इश्क मेरा' जैसे म्यूजिक वीडियोज में भी धमाल मचाया है, जिससे उनकी लोकप्रियता और बढ़ गई है। अब वह अपनी खास अदाओं और स्क्रीन पर दमदार उपस्थिति के साथ 'धमाल 4' में एक नई ताजगी लेकर आएंगी।

दर्शक उम्मीद कर सकते हैं कि फिल्म में उन्हें अजय देवगन और ईशा गुप्ता के बीच शानदार केमिस्ट्री, चुटीले डायलॉग्स और हंसी से भरपूर सिचुएशन्स देखने को मिलेंगी, जो धमाल फ्रेंचाइजी की पहचान रही है।

15 की उम्र में प्रीति जिंटा हो गईं थीं अनाथ बड़ी होकर 34 बच्चियों को ले लिया गोद

बॉलीवुड की कई ऐसी अभिनेत्रियां हैं, जिन्होंने अपने अभिनय से लोगों के दिलों पर राज किया है और फिल्मी दुनिया से अलग भी अपने काम को लेकर सुर्खियां बटोरी हैं। ऐसी ही बॉलीवुड की एक अभिनेत्री हैं, जो आईपीएल 2025 से खूब सुर्खियों में हैं। यह अभिनेत्री कोई और नहीं बल्कि प्रीति जिंटा हैं। वह काफी दिनों से फिल्मी दुनिया से दूर हैं। आज हम उनकी जिंदगी के एक अहम पहलू के बारे में जानेंगे।

अपने काम के लिए सुर्खियों में रहती हैं प्रीतिः हाल ही में प्रीति जिंटा की आईपीएल टीम 'पंजाब किंग्स' फाइनल में पहुंची। उनकी टीम को शिकस्त का सामना करना पड़ा। प्रीति जिंटा अपने अभिनय के लिए और आईपीएल की टीम के लिए मशहूर हैं, लेकिन एक और काम है, जिसके लिए उन्हें बहुत मशहूर होना चाहिए, लेकिन वह इसके लिए कम ही जानी जाती हैं। आज हम इसी के बारे में बात करने वाले हैं।

प्रीति जिंटा ने 34 लड़कियों को लिया गोदः 'वीर जारा' की एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने अनाथ बच्चों के लिए बहुत अच्छा काम किया। उन्होंने साल 2009 में अपने 34वें जन्मदिन पर ऋषिकेश अनाथालय से 34 लड़कियों को गोद लिया था। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा 'यह मेरे लिए एक अनमोल अनुभव था। मैं इन बच्चों की जिम्मेदारी लेना चाहती थी।' इन बच्चों की देखभाल के लिए प्रति जिंटा अक्सर ऋषिकेश जाती हैं।

प्रीति जिंटा के साथ हुआ था हादसाः प्रीति जिंटा ने यह फैसला इसलिए लिया, क्योंकि उनकी जिंदगी में एक हादसा हो गया था, जिससे वह बहुत प्रभावित हुई थीं। गौरतलब है कि प्रीति जिंटा के पिता दुर्गानंद भारतीय सेना में मेजर थे। साल 1988 में एक कार हादसे में उनका निधन हो गया था। उस वक्त प्रीति महज 13 साल की थीं। हादसे में प्रीति जिंटा की मां नीलप्रभा भी गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। हादसे के बाद वह दो साल तक बिस्तर पर ही रहीं। इसके बाद उनका भी निधन हो गया।

प्रीति जिंटा के काम के बारे में: 15 साल के बाद से प्रीति जिंटा ने अपनी जिंदगी बिना मां-बाप के गुजारी। प्रीति जिंटा ने साल 1998 में शाहरुख खान की फिल्म 'दिल से' से बॉलीवुड में कदम रखा। फिल्म में उन्होंने एक छोटी भूमिका निभाई थी। साल 2000 में आई उनकी फिल्म 'क्या कहना' ने उन्हें काफी मशहूर बना दिया। इसके बाद उन्होंने 'कल हो ना हो', 'वीर-जारा' और 'कभी अलविदा ना कहना' में बेहतरीन अदाकारी की। साल 2021 में प्रीति जिंटा सरोगेसी के जरिए जुड़वा बच्चों की मां बनी हैं।

केदारनाथ सबसे ज्यादा व्यस्त, अब तक 8 लाख ने नवाया बाबा के चरणों में शीश

चारधाम दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा पहुंचा 21 लाख पार

महानगर संवाददाता

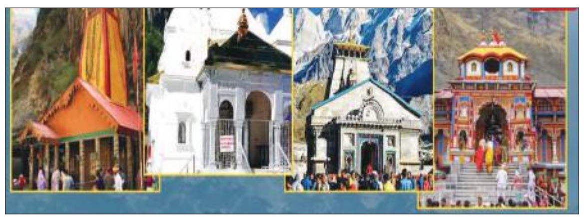

देहरादून। उत्तराखंड की चारधाम यात्रा अपने चरम पर है। बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं के जोश में कोई कमी नहीं दिख रही है। 4 जून की शाम तक 21 लाख से ज्यादा श्रद्धालु चारधाम के दर्शन कर चुके हैं। सबसे ज्यादा श्रद्धालु केदारनाथ धाम पहुंचे हैं, तो दूसरे नंबर पर बदरीनाथ धाम है। यमुनोत्री और गंगोत्री में 3-3 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचकर दर्शन कर चुके हैं। हेमकुंड साहिब दर्शन के लिए भी सिख श्रद्धालुओं में खासा उत्साह दिख रहा है।

केदारनाथ पहुंच चुके करीब 8 लाख श्रद्धालु: उत्तराखंड चारधाम यात्रा के लिए केदारनाथ धाम के कपाट 2 मई को खुले थे। अब तक 7 लाख 91 हजार 179 श्रद्धालु केदारनाथ पहुंच कर बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं। बुधवार 4 जून को 24 हजार 374 श्रद्धालु केदारनाथ धाम के दर्शन करने पहुंचे। केदारनाथ में मौसम बहुत ठंडा है। अक्सर बर्फबारी हो रही है।

बदरीनाथ पहुंचे करीब 6 लाख श्रद्धालु: मोक्ष धाम बदरीनाथ के दर्शन को लेकर भी श्रद्धालुओं में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है7 बुधवार 4 जून को 19 हजार 18 भक्तों ने बदरीनाथ धाम के दर्शन किए। इस तरह 4 मई को जब बदरीनाथ धाम के कपाट खुले थे, तब से लेकर अब तक 5 लाख 80 हजार 240 श्रद्धालु वैकुंठ धाम बदरीनाथ के दर्शन कर चुके हैं।

करीब 4 लाख श्रद्धालु पहुंचे यमुनोत्री धाम: चारधाम यात्रा 2025 के दौरान सबसे पहले उत्तरकाशी जिले में स्थित यमुनोत्री धाम के कपाट खुले थे। 30 अप्रेल को जब कपाट खुले थे, तब से लेकर 4 जून 2025 तक यहां 3 लाख 71 हजार 760 श्रद्धालु आकर मां यमुना के दर्शन का पुण्य लाभ ले चुके हैं। बुधवार 4 जून को 11 हजार 714 श्रद्धालु यमुनोत्री धाम पहुंचे और मां यमुना के दर्शन किए।

गंगोत्री पहुंचे साढ़े 3 लाख से ज्यादा श्रद्धालु

उत्तरकाशी जिले में ही स्थित मां गंगा के धाम गंगोत्री में भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। गंगोत्री के कपाट भी यमुनोत्री के साथ ही 30 अप्रेल को खुले थे। यहां अब तक 3 लाख 61 हजार 786 श्रद्धालु दर्शन कर चुके है। बुधवार 4 जून को 9 हजार 188 श्रद्धालु गंगोत्री धाम के दर्शन करने पहुंचे थे।

हेमकुंड साहिब के तीर्थ यात्रियों का आंकड़ा 36 हजार पार

सिखों के पवित्र तीर्थ स्थल हेमकुंड साहिब की यात्रा भी चारधाम यात्रा के साथ ही चल रही है। चमोली जिले में स्थित हेमकुंड साहिब के दर्शन करने के लिए अब तक 36 हजार 491 श्रद्धालु पहुंच चुके हैं। हेमकुंड साहिब में इन दिनों बर्फ भी गिर रही है। इसके बावजूद बुधवार 4 जून को यहां 8 हजार 185 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। दिलचस्प बात ये है कि 31 मई तक 18 लाख 56 हजार 686 श्रद्धालुओं ने चारधाम के दर्शन किए थे। जून महीने के शुरुआती 4 दिनों में ही ढाई लाख से ज्यादा श्रद्धालु चारधाम के दर्शन कर चुके हैं। इस तह मई के 18 लाख 56 हजार 686 श्रद्धालुओं का आंकड़ा बुधवार 4 जून तक 21 लाख 41 हजार 456 पहुंच चुका है। चारों धामों के साथ हेमकुंड साहिब की यात्रा पर बुधवार 4 जून को कुल 72 हजार 479 श्रद्धालु पहुंचे।

बिजनेसमैन से फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर 3.28 करोड़ रुपए की ठगी

मोबाइल फोन पर आया था लिंक

महानगर संवाददाता

हैदराबाद। तेलंगाना में 59 वर्षीय बिजनेसमैन से साइबर अपराधियों ने फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर 3.28 करोड़ रुपए ठग लिए। साइबर फ्रॉड से जुड़ा यह बड़ा मामला हैदराबाद के जुबली हिल्स का है। पीड़ित की शिकायत के बाद तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजीसीएसबी) ने मामला दर्ज कर इस केस की जांच में जुट गई है।

अधिकारियों के मुताबिक, पीड़ित बिजनेसमैन काफी समय से ऑनलाइन फॉरेक्स ट्रेडिंग से जुड़े हुए थे। कुछ दिन पहले, उनके मोबाइल फोन पर एक लिंक आया, जिसमें दावा किया गया कि यह एक प्रतिष्ठित ट्रेडिंग कंपनी से है।

लिंक पर क्लिक करने के बाद, उन्हें एक ग्रुप में जोड़ा गया, जहां उन्हें ट्रेडिंग जारी रखने के लिए अपनी भारतीय मुद्रा को यूएसडीटी (अमेरिकी डॉलर से जुड़ी एक क्रिप्टोकरेंसी) में बदलने की सलाह दी गई। इस प्रक्रिया पर भरोसा करते हुए, व्यापारी ने 8 जनवरी से 19 मई तक घोटालेबाजों द्वारा दिए गए बैंक खातों में ऑनलाइन धनराशि ट्रांसफर करना शुरू कर दिया। इस दौरान धोखेबाजों ने बिजनेसमैन को मुनाफे और खाते को अपग्रेड करने के वादों के झांसे में फंसाए रखा।

हालांकि, जब उन्होंने निवेश की गई राशि निकालने का प्रयास किया, तो उसे पहले कर शुल्क के रूप में 60 लाख रुपए का भुगतान करने के लिए कहा गया। कमाल की बात यह रही कि, धोखाधड़ी यहीं खत्म नहीं हुई।

बाद में उन्हें पहले 88,888 और 8,88,888 परीक्षण निकासी के रूप में निकालने का निर्देश दिया गया। जब उन्होंने इनकार कर दिया, तो घोटालेबाजों ने कहा कि, उन्होंने गलत प्रविष्टि की है और अब उन्हें सुरक्षा जमा के रूप में 80 लाख का भुगतान करने की आवश्यकता है। जब पीड़ित ने भुगतान में देरी की, तो उन्हें आगे 32 लाख रुपए विलंब शुल्क और फिर 35 लाख मुद्रा विनिमय कमीशन के रूप में भुगतान करने के लिए कहा गया।

इन भुगतानों के बाद भी, धोखेबाजों ने उन्हें वीआईपी सदस्य का लेबल दिया और बैंक सेवा शुल्क की मांग की। बिजनेसमैन को अंतिम झटका तब लगा जब उन्होंने कहा कि उनका क्रेडिट स्कोर बहुत कम है और जब तक वह क्रेडिट रिपेयर डिपॉजिट के रूप में अतिरिक्त 1.22 करोड़ रुपए का भुगतान नहीं करते, तब तक धनराशि नहीं निकाली जा सकती। व्यापारी समझ चुका था कि, उसके साथ बड़ा फ्रॉड हुआ है. उसके बाद पीड़ित ने साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर कॉल किया और शिकायत दर्ज कराई। टीजीसीएसबी के अधिकारी घोटाले की जांच कर रहे हैं, जिसने ऑनलाइन व्यापारियों का शोषण करने के लिए साइबर अपराधियों द्वारा वेल प्लांड रणनीतियों को उजागर किया है।

हत्या का राज जानने के लिए अदालत के आदेश पर किया दोबारा से पोस्टमार्टम

पलवल रिजवान हत्याकांड: मौत के 3 साल बाद सीबीआई टीम ने कब्र से निकाला 8 साल के मासूम का शव

खुलेगा मौत का राज

महानगर संवाददाता

पलवल। जिले के गांव सराय में सीबीआई की टीम ने 8 वर्षीय रिजवान की मौत के तीन साल बाद उसकी कब्र को खुदवाया। सीबीआई टीम ने एम्स के डॉक्टरों की टीम के साथ मिलकर कब्र से शव को बाहर निकाला और शव को कब्जे में लेकर ऑल इंडिया मेडिकल दिल्ली के डॉक्टरों के हवाले कर दिया, जहां मृतक रिजवान का पोस्टमार्टम किया जाएगा।

अपहरण के बाद हुई थी हत्या: दरअसल, 23 दिसंबर, 2021 को 8 साल के मासूम रिजवान का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी गई थी। मामले की जांच चंडीगढ़ सीबीआई टीम कर रही थी। टीम ने अदालत के आदेश के बाद गांव सराय में दिल्ली के एम्स अस्पताल से आए डॉक्टरों की टीम की मौजूदगी में शव को कब्र से बाहर निकलवाया। इस दौरान ड्यूटी मजिस्ट्रेट भी मौजूद थे। शव को दिल्ली के एम्स अस्पताल में ले जाया गया है।

शव को फिर से कब्र से निकाला गया बाहर: इस बारे में नायब तहसीलदार मोहम्मद खान ने बताया कि जिला उपायुक्त के आदेश पर उनको 8 वर्षीय रिजवान के शव को कब्र से बाहर निकालने के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया था। वह मुड़कटी थाना पुलिस और सीबीआई टीम के साथ वह मौके पर पहुंचे। इसके बाद शव को कब्र से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए दिल्ली एम्स भेजा गया.

खेत में मिला था रिजवान का शव: पलवल जिले के सराय गांव निवासी मुस्ताक का आठ वर्षीय बेटा रिजवान 23 दिसंबर, 2021 की शाम को साढ़े पांच बजे के करीब गांव की मस्जिद में गया था। मस्जिद से ही रिजवान लापता हो गया। पीड़ित मुश्ताक ने बेटे की लापता होने की शिकायत 24 दिसंबर को मुंडकटी थाना पुलिस को दी थी। पुलिस ने लापता होने का केस दर्ज कर लापता बच्चों की तलाश शुरू कर दी। इस बीच 30 दिसंबर को लापता रिजवान का शव गांव से बाहर गन्ने के खेत में क्षत-विक्षत हालत में पाया गया। मृत बच्चे के गले को किसी जंगली जानवर ने क्षत-विक्षत कर दिया था।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में होगा खुलासा

सीबीआई टीम ने रिजवान की हत्या का पता लगाने के लिए अदालत से दूसरी बार मृतक रिजवान के शव के पोस्टमार्टम की अनुमति ली। अदालत में मृतक के पिता मुस्ताक ने अपनी सहमति दर्ज करवाई। मंगलवार को सीबीआई के इंस्पेक्टर गुरतार सिंह के नेतृत्व में एम्स के डॉक्टरों की टीम गांव सराय पहुंची, जंहा भारी संख्या में ग्रामीणों के बीच ड्यूटी मजिस्ट्रेट तहसीलदार अनिल कुमार की देखरेख में कब्र से मृतक का शव निकाला गया। शव निकालने के बाद डॉक्टरों की टीम पोस्टमार्टम के लिए शव को अपने साथ ले गई। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद सीबीआई टीम आगे की कार्रवाई करेगी।

गांव की महिला ने देखा था शव

मृत रिजवान के शव को खेत में चारा लेने गई गांव की महिला ने देखा और शव मिलने की सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर डीएसपी सज्जन सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

कोर्ट ने सीबीआई को सौंपी जांच की कमान

इन सबके बीच पुलिस मासूम रिजवान के अपहरणकर्ता और हत्यारों को खोजने में नाकामयाब रही। मृत रिजवान के पिता मुस्ताक ने जांच के लिए हाईकोर्ट चंडीगढ़ में अपनी शिकायत दी, जहां हाई कोर्ट ने पलवल एसपी को एसआईटी गठित करने के आदेश दिए, लेकिन मामले में एसआईटी टीम ने भी कोई खुलासा नहीं किया। इसके बाद एसआईटी टीम की स्टेटस रिपोर्ट हाईकोर्ट में पुलिस ने पेश की तो कोर्ट ने हत्याकांड का खुलासा करने के लिए मामले की जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया था।

नासिक में घर से टकराई तेज रफ्तार कार, एक ही परिवार के पांच लोगों समेत छह की मौत

महानगर संवाददाता

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक में हुए एक सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों समेत छह लोगों की मौत हो गई। हादसे में मरने वाले दो बच्चे भी हैं। दरअसल तेज रफ्तार कार सड़क किनारे स्थित एक घर से टकरा गई, जिसमें लोगों की जान चली गई। पुलिस ने बताया कि सड़क हादसा बुधवार रात करीब 10 बजे कोल्हापुर फाटा की कलवान तालुका में हुआ।

परिवार के पांच लोगों समेत छह की मौत

पुलिस ने बताया कि सतना के नामपुर का रहने वाला एक परिवार नासिक में अपने रिश्तेदारों के यहां शादी समारोह में शामिल होकर अपने घर लौट रहा था। रास्ते में ड्राइवर ने कार से नियंत्रण खो दिया और तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर नासिक-कलवान रोड पर स्थित एक घर से टकरा गई। एक ही परिवार के चार लोगों समेत पांच लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया और एक बच्चे ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान शैला वसंत भदान (62), उनकी बेटी माधवी मेतकर (32), पोती त्रिवेणी मेतकर (4), और इनकी रिश्तेदार सरला बालचंद्र भदान (50) और कार के ड्राइवर खालिक महमूद पठान (50) की मौके पर ही मौत हो गई।

माधवी मेतकर के 12 वर्षीय बेटे को हादसे में गंभीर चोटें लगीं और अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। हादसे में बालचंद्र भदान (52 वर्षीय) गंभीर रूप से घायल हैं और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। कलवान पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुणे में आईटी प्रोफेशनल ने की खुदकुशी

पुणे में एक 25 वर्षीय आईटी प्रोफेशनल युवती ने रिहायशी इमारत की 21वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। युवती की पहचान अभिलाषा भाउसाहेब कोथिमभिरे के रूप में हुई है। युवती ने 31 मई को पुणे के हिंजावड़ी इलाके में आत्महत्या की। पुलिस ने बताया कि युवती 31 मई की सुबह 4.30 बजे क्राउन ग्रीन सोसाइटी में पहुंची। वहां 21वें फ्लोर पर रहने वाले अपने दोस्त के घर पहुंचीं और वहां से कूद गई। पुलिस घटना की जांच कर रही है। मृतका ने एक सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें मृतका ने लिखा कि वह जीना नहीं चाहती है।

पाकिस्तान से जुड़े हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

महानगर संवाददाता

तरनतारन । पंजाब के तरनतारन पुलिस ने गुरुवार को एक विशेष सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान से जुड़े एक सीमा पार हथियार तस्करी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने यह जानकारी अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर दी है। इस ऑपरेशन में पुलिस ने लखना गांव से दो संदिग्धों, सूरजपाल सिंह और अर्शदीप सिंह को गिरफ्तार किया। इनके पास से छह अत्याधुनिक हथियार भी बरामद किए गए हैं। पंजाब पुलिस ने इस कार्रवाई को राज्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है।

पुलिस के अनुसार, बरामद हथियारों में दो अत्याधुनिक पीएक्स 5.30 बोर पिस्तौल और चार 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौलें शामिल हैं, जिनके साथ जिंदा कारतूस भी मिले हैं। तरनतारन पुलिस ने इस मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

पुलिस ने बताया कि यह मॉड्यूल पाकिस्तान से जुड़ा हुआ था, जो सीमा पार से हथियारों की तस्करी में शामिल था। इस तरह की गतिविधियां राज्य और देश की सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा हैं।

पुलिस अब इस नेटवर्क के पीछे के सभी कनेक्शनों को उजागर करने के लिए गहन जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, वे इस मॉड्यूल के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज की पहचान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बैकवर्ड लिंकेज से तात्पर्य उन स्रोतों से है, जहां से हथियार लाए गए, जबकि फॉरवर्ड लिंकेज उन लोगों या समूहों को इंगित करता है, जिन तक ये हथियार पहुंचाने की योजना थी। पुलिस ने कहा कि हम ऐसे खतरनाक मॉड्यूल को निष्क्रिय करने और राज्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। इससे पहले 1 जून को पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान के आईएसआई समर्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के एक आतंकी और जबरन वसूली मॉड्यूल को ध्वस्त करने में बड़ी सफलता हासिल की थी। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने बीकेआई के ऑपरेटिव जीवन फौजी से जुड़े दो आरोपियों, करजप्रीत सिंह और गुरलाल सिंह उर्फ हरमन, को गिरफ्तार किया था।

दिल्ली पुलिस ने व्यवसायी अरुण लोहिया की हत्या की गुत्थी को सुलझाया

बदमाशों के साथ पुलिस की मुठभेड़ दोनों के पैर में गोली लगी

महानगर संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिण जिला पुलिस ने सीडीआर चौक पर हुई व्यवसायी अरुण लोहिया की हत्या की गुत्थी को सुलझा लिया है। पुलिस को दो बदमाशों के साथ मुठभेड़ हुई। दोनों के पैर में गोली लगी है। बताया जा रहा है कि अरुण लोहिया हत्याकांड में यह दोनों बदमाश शामिल थे। जानकारी के मुताबिक, दिल्ली पुलिस को इनपुट मिला था कि दीपक अपने साथी के साथ शेख सराय इलाके में आने वाला है। इसके बाद दिल्ली पुलिस ने ट्रैप लगाकर दीपक को उसके साथी के साथ आता देख रोकने की कोशिश की लेकिन दीपक और उसके साथी ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी और उसके बाद दिल्ली पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश घायल हो गए। पुलिस और बदमाशों के बीच 5 से ज्यादा गोलियां चली है। बता दें कि महरौली-गुरुग्राम (एमजी रोड) के सीडीआर चौक पर बाइक सवार दो लोगों ने एसयूवी कार सवार व्यवसायी अरुण लोहिया पर ताबड़तोड़ 10 से ज्यादा गोलियां चलाकर हत्या कर दी थी।

मारपीट के बाद युवक ने की आत्महत्या, गुस्साए परिजन शव लेकर पहुंचे थाने

महानगर संवाददाता

भाटापारा। भाटापारा में शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड निवासी युवक की आत्महत्या के बाद मामला गरमा गया है। मृतक के परिजन बुधवार को उसका शव लेकर भाटापारा ग्रामीण थाना पहुंचे और थाना के सामने धरना देते हुए आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करने लगे। भाटापारा में शहीद वीर नारायण सिंह वार्ड निवासी युवक की आत्महत्या के बाद मामला गरमा गया है। मृतक के परिजन बुधवार को उसका शव लेकर भाटापारा ग्रामीण थाना पहुंचे और थाना के सामने धरना देते हुए आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करने लगे। जानकारी के अनुसार, घटना 4 जून की है। मृतक के परिजनों का आरोप है कि कुछ लोगों ने उसके साथ मारपीट की थी, जिससे मानसिक तनाव में आकर उसने घर जाकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना के बाद से क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। परिजनों का कहना है कि जब तक दोषियों की गिरफ्तारी नहीं होती, वे शव का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। थाना परिसर में भीड़ जुटने से पुलिस प्रशासन भी सतर्क हो गया।

गंगा दशहरा महापर्व | हस्त नक्षत्र, सिद्धि योग और व्यतिपात योग का दुर्लभ संयोग, इसी देवयोग में मां गंगा का धरती पर हुआ था अवतरण

हरिद्वार में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, गंगा में लगाई आस्था की डुबकी...हाईवे पर लगा जाम

महानगर संवाददाता

देहरादून। गंगा दशहरा पर्व पर धर्म नगरी में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने गंगा में डुबकी लगाई। धर्मनगरी में उमड़ी भीड़ के चलते हरिद्वार-देहरादून हाईवे पर जाम लग गया। भारतीय सभ्यता और संस्कृति की पोषक मां गंगा अवतरण दिवस ज्येष्ठ मास की शुक्ल पक्ष की दशमी को मनाया जाता है। कई दशकों बाद इस वर्ष गंगा दशहरा पर हस्त नक्षत्र, सिद्धि योग और व्यतिपात योग का दुर्लभ संयोग बन रहा है। ज्योतिषाचार्यों का कहना है कि इस दिव्य संयोग पर गंगा दशहरा पर्व पर गंगा में स्नान, दान व तप करने के कई गुना फल की प्राप्ति होती है। राजा भगीरथ अपने पुरखों को तारने के लिए मां गंगा को धरती पर लाए थे। युगों-युगों से मां गंगा प्राणी मात्र को जीवनदान के साथ ही मुक्ति भी देती आ रही है। स्वर्ग लोक से देवी गंगा ज्येष्ठ मास, शुक्ल पक्ष, बुधवार दशमी तिथि, हस्त नक्षत्र, व्यतिपात योग की साक्षी में पृथ्वी पर अवतरित हुई थी।

ये है मान्यता: मान्यतानुसार इस बार कई दशकों के बाद गंगा दशहरे पर पांच जून को कई दिव्य महायोग बन रहे हैं जिन योगों में देवी गंगा पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं।

इस साल गंगा दशहरा पर हस्त नक्षत्र, सिद्धि योग और व्यतिपात योग का दुर्लभ संयोग बन रहा है। इससे गंगा दशहरा पर्व की महत्ता और अधिक बढ़ गई है। इन दुर्लभ योगों के कारण गंगा दशहरा पर्व पर स्नान, दान, जप, तप, व्रत व उपवास का बहुत महत्व है। गंगा दशहरा स्नान एवं दान के साथ ही तन-मन को शुद्ध करने का पर्व है।

गंगा दशहरा पर क्या न करें

गंगा दशहरा पर गंगा तटों पर जाने-अनजाने हम पुण्य के बजाए कई पाप कर्म करते हैं। जिसमें गंगा स्नान के दौरान शरीर के मैल को गंगा में नहीं धोना चाहिए। कपड़ों को गंगा में भी नहीं धोना चाहिए। यथाशक्ति दान के साथ ही गंगा में मिट्टी के दीपक में शुद्ध घी से बत्ती जलाकर अर्पण करना चाहिए। प्लास्टिक और अन्य अजैविक पदार्थों को गंगा में नहीं फेंकना चाहिए।

गंगा दशहरा पर हादसे: बदायूं में अलग-अलग घाटों पर सात श्रद्धालु डूबे... चार बचाए, युवक की मौत, दो लापता

महानगर संवाददाता

बदायूं । बदायूं जिले में गंगा दशहरा पर अलग-अलग घाटों पर सात श्रद्धालु स्नान करते समय डूब गए। चार श्रद्धालुओं को बचा लिया गया। जबकि एक युवक की डूबने से मौत हो गई। गोताखोरों ने उसके शव को नदी से बरामद किया है। एक किशोर व किशोरी का लापता हैं। दोनों की तलाश जारी है। पहला हादसा दातागंज थाना क्षेत्र के बेला डांडी रामगंगा घाट पर हुआ। यहां दशहरा के अवसर पर स्नान करते समय तीन दोस्त गहरे पानी में चले गए, जिससे वह डूबने लगे। यह देख गोताखोरों ने बमुश्किल उनको बाहर निकाला। इनमें दातागंज के वार्ड चार निवासी अमन (18) पुत्र ठाकुरदास की मौत हो गई। उसके दोस्त अखिलेश और रामबाबू को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। अमन के शव पोस्टमॉर्टम को भेजा गया है। तहसील सहसवान क्षेत्र के गांव धापड़ निवासी पूरन का 12 वर्षीय पुत्र अन्नू गुरुवार सुबह करीब नौ बजे गांव के ही एक बालक के साथ गंगा में स्नान कर रहा था।

मुजरिया क्षेत्र में किशोरी डूबी

कछला गंगा घाट पर स्नान करते समय कासगंज के थाना गंजडुंडवारा क्षेत्र के गांव छितैरा निवासी गौरव (10) पुत्र दानवीर नदी में डूब रहा था, जिसे गंगा में एनाउंसमेंट कर रही वोट के नाविक गोताखोर ने कूदकर तुरंत बचा लिया। उधर मुजरिया थाना क्षेत्र के सगराय निवासी किशोरी नीतू (16) पुत्री कैलाश अपनी दादी रामवती व सहेली जगरात्रि (17)पुत्री डोरीलाल एवं गांव के ही कुछ लोगों के साथ गंगा स्नान करने आई थी। गंगा स्नान के दौरान उसकी सहेली ने बताया कि नीतू गंगा में डूब गई है। जिसके बाद गांव से किशोरी के माता-पिता गंगाघाट पहुंचे और किशोरी की तलाश कराई, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका है।

स्वत्वाधिकारी महानगर मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गोपाल शर्मा द्वारा ए-10, इंडस्ट्रीयल एरिया, प्रतापनगर, उदयपुर-313001 से प्रकाशित एवं महानगर मल्टीमीडिया प्राइवेट लिमिटेड, ए-10, इंडस्ट्रीयल एरिया, प्रतापनगर, उदयपुर-313001 से मुद्रित।
सम्पादक: गोपाल शर्मा, कार्यकारी संपादक : जिज्ञासु शर्मा। फोन: 0141-2741076, 9540566302 * पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। आरएनआई नं.: RAJHIN/2021/81084 e-mail : mahanagarmarketing@gmail.com